बालाघाट
रविवार 08 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 162
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

महिला कर्मचारियों के लिए आज से शुरु होगा, यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने के लिए एप

नई दिल्ली। भारतीय रेल मंत्रालय ने महिला कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल पर होने वाले सेक्सुअल हैरेसमेंट की शिकायत दर्ज कराने के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एचआरएमएस) एप में एक नया फीचर शुरू करने का फैसला किया है। यह फीचर 8 मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से शुरू होगा। इसके जरिए महिला कर्मचारी अपनी शिकायत सीधे ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगी, जो संबंधित आंतरिक शिकायत समिति (आईसी) तक तुरंत पहुंच जाएगी। मंत्रालय के अनुसार सेक्सुअल हैरेसमेंट इंसीडेंट नॉटिफिकेशन फॉर एम्पावरमेंट नाम का मॉड्यूल शिकायतों को गोपनीय तरीके से और जल्दी निपटाने में मदद करेगा। इस पोर्टल पर बाहरी महिला आगंतुकों, ठेका कर्मचारियों, मजदूरों या छात्रों की ओर से भी शिकायत दर्ज की जा सकेगी।

'टंटीरी' के नये रैप संस्करण को लेकर रैपर बादशाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पंचकूला। हरियाणवी लोकधुन पर आधारित गीत 'टंटीरी' के नये रैप संस्करण को लेकर मशहूर रैपर बादशाह विवादों में घिर गए हैं। गाने के कुछ बोल और इसके फिल्मांकन को लेकर आपत्ति जताते हुए हरियाणा राज्य महिला आयोग ने बादशाह को समन जारी किया है। आयोग ने उन्हें 13 मार्च को अपना पक्ष रखने के लिए पानीपत में पेश होने का निर्देश दिया है। इस बीच, पंचकूला के सेक्टर-20 स्थित साइबर क्राइम थाने बादशाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, हरियाणा सरकार ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। हाल ही में रिलीज हुए इस रैप गीत के वीडियो में कुछ ऐसे दृश्य दिखाए गए हैं, जिन्हें लेकर सामाजिक संगठनों और शिकायतकर्ताओं ने कड़ी आपत्ति जताई है। आरोप है कि वीडियो में स्कूल यूनिफॉर्म पहनी नाबालिग बच्चियों को सरकारी बस की छत पर नाचते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा बच्चियों को किताबें और बैग फेंकते हुए भी दिखाया गया है, जिसे शिक्षा के महत्व को कमतर दिखाने और बच्चों को गलत संदेश देने वाला बताया जा रहा है।

ईरान-इजरायल युद्ध के मद्देनजर बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी और यूएई में 12वीं सीबीएसई की तीन परीक्षाएं स्थगित

नई दिल्ली । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, यानी सीबीएसई, ने मध्य पूर्व एशिया के विभिन्न देशों में आयोजित होने वाली 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर एक नया सर्कुलर जारी किया है। ओमान में भारतीय दूतावास ने बोर्ड के हवाले से ईरान-इजरायल युद्ध के मद्देनजर बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित संबद्ध विद्यालयों में 9, 10 और 11 मार्च को होने वाली 12वीं बोर्ड परीक्षा को फिलहाल के लिए टाल दिया है।

ओमान में भारतीय दूतावास ने कहा, सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 7 मार्च को जीसीसी में 12वीं क्लास की बोर्ड परीक्षा के बारे में एक सर्कुलर जारी किया है। प्रभावित देश बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई हैं। यह एक, तीन के सर्कुलर का अगला हिस्सा है। एडवाइजरी के अनुसार, मिडिल ईस्ट (बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई) के कुछ हिस्सों में मौजूदा हालात का गंभीरता से समीक्षा करने के बाद, बोर्ड ने क्लास 12वीं के लिए 9 मार्च 2026 (सोमवार), 10 मार्च 2026 (मंगलवार) और 11 मार्च (बुधवार) को होने वाले एग्जाम को टालने का फैसला किया है। नई तारीखें बाद में बताई जाएंगी। बोर्ड 10 मार्च को स्थिति की समीक्षा करेगा और 12 मार्च से होने वाली परीक्षाओं के बारे में सही फैसले लेगा।

दूतावास ने स्टूडेंट्स से अपील की है कि अपने स्कूलों के साथ लगातार संपर्क में रहें, सिर्फ सीबीएसई के आधिकारिक घोषणाओं को फॉलो करें और अनौपचारिक सोर्स या अफवाहों पर भरोसा करने से बचें।

अमेरिका-इजराइल और ईरान की जंग में चीनी तकनीक का दिख रहा दम...

ईरान के हमले से 8 सालों के लिए अमेरिका और इजराइल के कई एयर डिफेंस हुए नाकाम...ईरान के क्रांतिकारी गार्डों ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के अगले फेज की शुरुआत की

सऊदी अरब, यूएई और जॉर्डन में तबाह हुए अरबों के रडार

–अब मिडिल ईस्ट में एंटी ड्रोन सिस्टम भेजेगा अमेरिका, रूस के खिलाफ यूक्रेन कर चुका है इस्तेमाल

तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग में चीनी तकनीक का दम देखने को मिल रहा है। ईरान चीन से मिले सैन्य उपकरणों का उपयोग लगातार कर रहा है। जंग के आठवें दिन ईरान ने कतर और बहरीन में अमेरिका के करोड़ों डॉलर के रडार को नष्ट कर दिया है। ईरान ने अपने शाहेद ड्रोन से हमला कर कतर में अमेरिका के करीब 1.1 अरब डॉलर के दुनिया के सबसे विशालकाय रडार सिस्टम को तबाह कर दिया है। अमेरिका इस रडार का इस्तेमाल ईरान की तरफ से अरब देशों पर होने वाले हमलों को इंटरसेप्ट करने के लिए कर रहा था। इसीलिए ये काफी महत्वपूर्ण था। ईरान ने बीते एक हफ्ते में सऊदी अरब, यूएई और जॉर्डन में तैनात अमेरिका के टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया है। इन हमलों में जॉर्डन के 'मुवफ्फाक साल्टी एयर बेस' पर लगे राडर सिस्टम तबाह हो गया है। इस रडार सिस्टम की कीमत 2700 करोड़ रुपए (300 मिलियन डॉलर) थी। यह रडार सिस्टम का अहम हिस्सा होता है और दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों को पहचानने और ट्रैक करने का काम करता है। अमेरिका के पास सिर्फ 7-8 टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस सिस्टम ही मौजूद हैं, इसलिए इसे बड़ा सैन्य नुकसान माना जा रहा है।

ईरान अभी तक के अपने सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा है। अमेरिका और इजराइल ने एक साथ ईरान पर हमला बोला है। पिछले 8 दिन से यह युद्ध चल रहा है। ईरान उन देशों को भी निशाना बना रहा है, जहां पर अमेरिकी बेस हैं। ईरान के साथ खुलकर कोई देश तो नहीं आया है। लेकिन चीन इनडायरेक्टली ईरान की मदद कर रहा है। 2025 में जब ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच लड़ाई हुई थी, उसके बाद से चीन, ईरान के करीब होता चला गया। चीन ने ईरान को हथियार बेचा और इससे उसने एक तीर से दो निशाने साधे। एक तो चीन को भारी छूट पर कच्चे तेल की निरंतर आपूर्ति हुई और दूसरा पश्चिमी एशिया में सैनिकों की तैनाती के बिना ही अमेरिका का ध्यान लगातार भटकाने में भी चीन कामयाब रहा। कुछ लोगों का कहना है कि ईरान का एक शाहेद-सीरीज का कामिकेज ड्रोन, जिसकी कीमत सिर्फ 20,000 डॉलर थी उसने कतर में अल उदीद एयर बेस पर एएन/एफपीएस-132 ब्लॉक 5 अपग्रेडेड अर्ली वार्निंग रडार पर हमला किया था। जबकि दूसरी रिपोर्ट्स कहती हैं कि ईरान ने अपने एडवांस बैलिस्टिक मिसाइल से हमला कर इस रडार को तबाह किया है। हथियार चाहे कोई भी हो मिसाइल या ड्रोन लेकिन इसकी पुष्टि हो गई है कि दो अमेरिकी रडार तबाह हुए हैं। ये रडार काफी ज्यादा एडवांस थे और उनकी कीमत करोड़ों डॉलर की थी लेकिन अमेरिका के लिए इससे भी बड़ी मुसीबत ये है कि उन्हें इन रडारों को फिर से बनाने के लिए उसे चीन की तरफ देखना होगा। कतर में एएन/एफपीस-132 और बहरीन में एएन/टीपीएस-59 दो एडवांस्ड रडारों को भारी नुकसान पहुंचा है। अब इन दोनों रडारों को बदलने के लिए जिस रॉ मैटेरियल की जरूरत है वो चीन से आना है। रडार के बिना अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम भी बहुत हद तक बेकार ही रहेंगे। एएन/एफपीस-132 रडार को अमेरिकी कंपनी रेथियॉन बनाती है और इसकी कीमत 1.1 अरब डॉलर है। अब इस रडार को नये सिरे से बनाने में पांच से आठ साल लगेंगे। वहीं, लॉकहीड मार्टिन को एएन/टीपीएस-59 रडार को बनाने में कम से कम 2 सालों का वक्त और अनुमानित 50 मिलियन डॉलर से ज्यादा का खर्च आएगा। लेकिन दिक्कत ये है कि इन दोनों रडार को बनाने के लिए 77.3 किलोग्राम गैलियम की जरूरत होगी और इतना गैलियम चीन से ही खरादना होगा।

चीन के साथ ईरान की डील

सूत्रों के अनुसार ईरान ने हाल ही में चीन से एडवांस्ड सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल बैटरियां खरीदी और तैनात की हैं, जिनमें एचक्यू-9, एचक्यू-16 और एचक्यू-17एई शार्ट रेंज वायु रक्षा प्रणाली शामिल हैं। हालांकि इन प्रणालियों से अब तक ईरान को अपने परमाणु संयंत्रों और उससे जुड़े परिसरों को अमेरिकी-इजरायली हमलों से बचाने में थोड़ी सफलता मिली है। चीन के वायएलसी-8बी एंटी-स्टील्थ रडार ने अब तक बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि अभी और अधिक विश्लेषण की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार इनकी लो फ्रीक्वेंसी ऑपरेशन क्षमता ने ईरानी कमांडरों को रूसी निर्मित डिफेंस सिस्टम की तुलना में अधिक दूरी से आने वाले स्टील्थ हथियारों का पता लगाने में मदद की। हालांकि इससे बहुत अधिक फायदा भी नहीं हुआ। रक्षा प्रणालियों के अलावा ईरान द्वारा चीन से की जा रही खरीद का उद्देश्य आक्रामक हथियारों का विस्तार करना है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान चीनी सीएम-302 सुपरसोनिक एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों की खरीद के लिए एक समझौते को अंतिम रूप दे रहा है। हालांकि चीन ने इन रिपोर्ट्स को नकार दिया है। लगभग 290 किलोमीटर की मारक क्षमता और जहाजों पर लगे रडार से बचने के लिए कम ऊंचाई पर और तेज गति से उड़ने की क्षमता वाली सीएम-302 मिसाइल फारस की खाड़ी और अरब सागर में तैनात अमेरिकी विमानवाहक पोतों और नौसैनिक जहाजों को निशाना बना सकती है। वहीं चीन ने ईरान को जवाबी हमलों के लिए लोइटरिंग मुनिशन्स (कामिकेज़ ड्रोन) की आपूर्ति की है।

ईरान का युद्धपोत भारत में रुका

ईरान का एक युद्धपोत आईआरआईएस लावन भारत के कोच्चि बंदरगाह पर रुका हुआ है। ईरान ने 28 फरवरी को तकनीकी खराबी आने के बाद भारत से मदद मांगी थी। भारत ने 1 मार्च को जहाज को कोच्चि में डॉक करने की अनुमति दी और इसके बाद 4 मार्च को यह बंदरगाह पर पहुंच गया। जहाज के 183 क्रू मेंबर फिलहाल कोच्चि में भारतीय नौसेना की सुविधाओं में ठहरे हुए हैं। आईआरआईएस लावन हाल ही में भारत में आयोजित इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू 2026 और मिलान 2026 नौसैनिक अभ्यास में शामिल हुआ था, जो 15 से 25 फरवरी के बीच आयोजित हुए थे। इससे पहले अमेरिका ने भारत से लौट रहे ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को श्रीलंका के पास हमला कर डुबा दिया था। हमले में 87 ईरानी नौसैनिक मारे गए।

ईरान ने माल्टा के तेल टैंकर को निशाना बनाया

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने फारस की खाड़ी में एक तेल टैंकर को ड्रोन से निशाना बनाया है। आईआरजीसी ने कहा कि प्राइमा नाम के इस टैंकर को उस समय निशाना बनाया गया जब उसने आईआरजीसी नौसेना की बार-बार दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज किया। इन चेतावनियों में कहा गया था कि होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही पर रोक है और यह क्षेत्र असुरक्षित है। मरीन ट्रैफिक वेबसाइट के मुताबिक प्राइमा एक तेल और रसायन ले जाने वाला टैंकर है, जो माल्टा के झंडे के तहत चल रहा है।

एमिरेट्स ने दुबई आने-जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कीं

संयुक्त अरब अमीरात की एयरलाइन एमिरेट्स ने घोषणा की है कि दुबई शहर से आने-जाने वाली उसकी सभी उड़ानों को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है। एयरलाइन ने कहा कि यह फैसला फिलहाल एहतियात के तौर पर लिया गया है और आगे की जानकारी मिलने तक उड़ानें शुरू नहीं होंगी। आज सुबह इस एयरपोर्ट पर हवाई हमला हुआ था। यह फैसला ऐसे समय आया है जब एक दिन पहले ही कंपनी के प्रवक्ता ने रॉयटर्स समाचार एजेंसी से कहा था कि आने वाले दिनों में एमिरेट्स अपनी उड़ान सेवाओं को फिर से 100 प्रतिशत तक बहाल करने की उम्मीद कर रही है।

इजराइली सेना ने तेहरान और इस्फहान पर हमले किए

इजराइली सेना ने घोषणा की है कि उसने ईरान की राजधानी तेहरान और इस्फहान पर हमलों की एक नई लहर शुरू कर दी है। सेना के अनुसार ये हमले ईरान के सैन्य ठिकानों और सैन्य ढांचे को निशाना बनाकर किए जा रहे हैं। फिलहाल सेना ने हमलों के लक्ष्यों और नुकसान के बारे में जानकारी नहीं दी है।

भारतीय स्टेट बैंक ने राजनीतिक पार्टियों की चुनावी घोषणाओं पर जताई चिंता

चुनावी खैरात से रुका देश का विकास.. रोजगार देने की सलाह

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक ने फ्रीबीज यानी राजनीतिक पार्टियों द्वारा लाड़ली बहना सहित मुफ्त उपहार और बैंक खातों में नकदी जैसी अन्य योजनाओं पर दी जा रही खैरात पर चिंता जताते हुए, कहा कि इससे देश का विकास रूक रहा है, इसके बजाय रोजगार की कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

चुनाव के दौरान जनता को नकद और मुफ्त उपहार देने से राज्यों के खर्च और बजट विश्लेषण को लेकर एसबीआई की शोध रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि यदि हम राज्यों के बजट देखें तो विधानसभा चुनावों में किए गए वादे अलग-अलग राज्यों का कुल राजस्व वसूली का लगभग 5 से 10 फीसदी इन कार्यों में खर्च हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव से ठीक पहले अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार खासकर बैंक खातों में नकद दिए जाने की आलोचना की थी। शीर्ष अदालत ने इस पर रोक लगाने को जरूरी बताया।

शीर्ष अदालत ने कहा था कि आखिर हम किस तरह की संस्कृति विकसित कर रहे हैं? सरकार को सक्षम और गरीबों के बीच अंतर किए बिना मुफ्त में देना एक तरह की तुष्टिकरण नीति नहीं है। अब समय आ गया है कि सभी राजनीतिक दलों, राजनेताओं और सभी सोशल इंजीनियरों को हर चीज पर दोबारा से सोचना चाहिए।

धरने पर बैठी रहीं ममता, राष्ट्रपति के स्वागत के लिए नहीं गईं, पीएम मोदी ने कहा, यह शर्मनाक और अभूतपूर्व

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को ममता बनर्जी को अपनी 'छोटी बहन बताया और हैरानी जताई कि क्या पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री किसी बात को लेकर 'नाराज हैं, क्योंकि प्रदेश में उनके दौरे के दौरान उनका स्वागत करने के लिए न तो मुख्यमंत्री आईं और न ही कोई अन्य मंत्री मौजूद था। उन्होंने कहा कि मैं भी बंगाल की बेटी हूं। मुझे नहीं पता कि वह नाराज हैं या नहीं। खैर, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब ठीक रहें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस वाकये को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, यह शर्मनाक और अभूतपूर्व है। लोकतंत्र और आदिवासी समुदायों के सशक्तीकरण में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति निराश है। स्वयं आदिवासी समुदाय से आने वाली राष्ट्रपति जी द्वारा व्यक्त की गई पीड़ा और दुख ने भारत की जनता के मन में गहरा दुख पहुंचाया है। पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार ने सारी हदें पार कर दी हैं। राष्ट्रपति के इस अपमान के लिए उनका प्रशासन जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि यह भी उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि पश्चिम बंगाल सरकार संथाल संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विषय को इतनी लापरवाही से ले रही है। राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर है और इस पद की गरिमा का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। आशा है कि पश्चिम बंगाल सरकार और टीएमसी में सुधरने की भावना जागृत होगी। इससे पहले राष्ट्रपति दिन में बागडोगरा हवाई अड्डे के पास गोशाईपुर में एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने आदिवासी समुदाय के वार्षिक कार्यक्रम के आयोजन स्थल को विधाननगर से गोशाईपुर स्थानांतरित किए जाने पर भी सवाल उठाया, जहां कथित तौर पर उपस्थिति कम रही।

नेता नहीं होता,तो एयरोस्पेस कारोबारी होता

त्रिवेंद्रम। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को त्रिवेंद्रम में कहा कि अगर वे पॉलिटिक्स में नहीं होते, तो एयरोस्पेस की दुनिया में एंटरप्रेन्योर (कारोबारी) होते। राहुल ने कहा कि वे एक पायलट हैं। उनके पिता और चाचा भी पायलट थे। यह परिवार में चलता है। राहुल केरल के दो दिन के दौरे पर हैं। वे टेक्नोपार्क में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी फेदरनिटी के साथ बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने चाइना के इंडस्ट्रियल सिस्टम की तारीफ की।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि चीन ने एक शानदार इंडस्ट्रियल सिस्टम बनाया है जिसका दुनिया में कोई मुकाबला नहीं है। लेकिन हमें उनका जबरदस्ती वाला सिस्टम पसंद नहीं। वे डेमोक्रेटिक नहीं हैं। राहुल गांधी ने केरल के इडुक्की जिले के कुट्टिकनम में चाय बागान के मजदूरों से बातचीत की और वर्कला के शिवगिरी मठ में श्री नारायण गुरु की समाधि पर भी गए।

घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़े अब चुकाने होंगे 60 रुपए ज्यादा, आज से नई दरें लागू

नई दिल्ल। देश में बढ़ती महंगाई के बीच आम लोगों के लिए एक और चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी की खबर सामने आ रही है। अब घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। बता दें कि मिडल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच केंद्र सरकार ने घरेलू रसोई गैस (एल.पी.जी) की उपलब्धता बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने आपात शक्तियों (एमरजेंसी पावर) का इस्तेमाल करते हुए सभी तेल रिफाइनरियों को एल.पी.जी. उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है।

नई दरों के मुताबिक 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 853 रुपए से बढ़कर 913 रुपए हो गई है। यह नई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई हैं। वहीं कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर (19 किलो) के दाम में भी 115 रुपए की भारी बढ़ोतरी की गई है। गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से आम लोगों के साथ-साथ होटल, ढाबा और छोटे कारोबारियों पर भी असर पड़ने की संभावना है। लगातार बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस के दाम बढ़ने से घर का बजट भी प्रभावित होगा।

केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग...उड़ान भरते ही अचानक धुआं निकला

लखनऊ। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। वे शनिवार सुबह राजधानी लखनऊ से कौशांबी जा रहे थे और सुबह ला मार्टिनियर स्कूल के ग्राउंड से उड़ान भरी। उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर से अचानक धुआं निकलने लगा और 2000 फीट की ऊंचाई पर डिस्प्ले बोर्ड बंद हो गया। इसके बाद पायलट ने तकनीकी खराबी को समझते हुए तुरंत लखनऊ एटीसी से संपर्क कर अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग की इजाजत मांगी।

पायलट ने हेलीकॉप्टर को एयरपोर्ट की ओर मोड़ते ही धुआं बढ़ गया और केबिन में फैल गया। सुरक्षा टीमों के पुख्ता इंतजाम के बीच हेलीकॉप्टर को सुरक्षित रूप से अमौसी एयरपोर्ट पर उतारा गया। उपमुख्यमंत्री मौर्य तुरंत बाहर निकले आए और अब वे दूसरे हेलीकॉप्टर से कौशांबी के लिए रवाना होने वाले है। वहां उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य केशव बाबू सिंह डिग्री कॉलेज मैदान, सयारा में दो दिवसीय सरस महोत्सव का उद्घाटन करने वाले है।

बात दें कि यह हेलीकॉप्टर यूपी सरकार का है और इसका संचालन नागरिक उड्डयन विभाग के तहत होता है। विभाग के निदेशक ईशान प्रताप सिंह हैं, जो सीएम योगी के विशेष सचिव भी हैं। केशव मौर्य के हेलीकॉप्टर की तकनीकी खराबियों की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 28 फरवरी 2022 को चुनावी सभा के दौरान ईंधन की कमी के कारण कुशीनगर के महावीर इंटर कॉलेज मैदान में, 14 फरवरी 2019 को आजमगढ़ में और 30 मार्च 2018 को रायबरेली के फुरसतगंज में इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। ला मार्टिनियर स्कूल से अमौसी एयरपोर्ट की हवाई दूरी करीब 11-12 किलोमीटर है।

इमरान खान की पार्टी के 47 नेताओं को 10 साल की सजा

हिंसा भड़काने का दोषी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एंटी-टेररिज्म कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के 47 नेताओं और समर्थकों को 10-10 साल की जेल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही हर आरोपी पर 5 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह फैसला 9 मई 2023 को हुए हिंसक प्रदर्शनों से जुड़े मामले में दिया गया। ये प्रदर्शन उस समय शुरू हुए थे जब पीटीआई के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्लामाबाद में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद देशभर में उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किए, जो कई जगह हिंसक हो गए और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने रावलपिंडी स्थित सेना के जनरल मुख्यालय में घुसने की कोशिश भी की। इस दौरान कई सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया। अदालत के न्यायाधीश अमजद अली शाह ने यह फैसला आरोपियों की गैरहाजिरी में सुनाया, क्योंकि वे बार-बार बुलाए जाने के बावजूद अदालत में पेश नहीं हो रहे थे। इमरान खान फिलहाल अडियाला जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ कई मामले चल रहे हैं। भ्रष्टाचार के एक मामले में उन्हें पहले ही 17 साल की सजा सुनाई जा चुकी है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया महिला दिवस

सशक्तिकरण का दिया संदेश, रक्षिका शौर्य शक्ति फाउंडेशन ने नगर में निकाली रैली, सम्मान समारोह सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिलाओं के अधिकार, उनके सम्मान, समानता ,महिलाओ के योगदान, उन्हें कार्य मे पहचान देने और हर क्षेत्र में महिलाओ को बढ़ावा देने आदि उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए केवल भारत ही नहीं बल्कि देश व पूरी दुनिया में 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है।जिसके तहत महिलाओं के उत्थान व उनको आगे बढ़ाने सहित महिला सशक्तिकरण को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं।जो प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी 8 मार्च रविवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलो में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसी कड़ी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के एक दिन पूर्व 7 मार्च दिन शनिवार को बालाघाट नगर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया।रक्षिका शौर्य शक्ति फाउंडेशन बालाघाट इकाई द्वारा आयोजित समारोह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम संपन्न कराए गए। जो देर शाम तक चलते रहे।

महिलाओ ने नगर में निकाली रैली

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रक्षिका शौर्य शक्ति फाउंडेशन की बालाघाट इकाई द्वारा शनिवार को नगर में जागरूकता रैली निकाली गई वही स्थानीय कमला नेहरू भवन में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी रही और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया।इस अवसर पर संस्था द्वारा संचालित दो माह के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन की घोषणा भी की गई।वही प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं को मंच से प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

किसी भी क्षेत्र में पुरुष से कम नही है, महिलाएं

आयोजित कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारी व कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियो ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक ही दिन मनाया जाता है जबकि महिलाओं के लिए पूरे साल के दिन खास होते हैं जिसके घर में महिलाएं नहीं होती उस घर का बुरा हाल है हमारा सम्मान खुद अपने आप में है आज के इस दौर में आप किसी भी क्षेत्र में चले जाएं हर क्षेत्र में महिलाएं नजर आती हैं महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं हर क्षेत्र में अपना नाम कमा रही है।महिलाओं ने अपने आप को पुरुषों की अपेक्षा कम नहीं आंकना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान अन्य वक्ता महिलाओं ने भी नारी शक्ति का गुणगान करते हुए समाज व पूरे देश में नारी के महत्व पर प्रकाश डाला। जहां समाज व देश में महिलाओं के योगदान, हर क्षेत्र में महिलाओं की अहमियत सहित नारी गुणगान कर महिलाओं को सम्मानित किए जाने का कार्य किया गया।

आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता पर भी जोर

प्रशिक्षण कार्यक्रम में केवल तकनीकी कौशल ही नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और निर्णय लेने की योग्यता को मजबूत करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद महिलाएं अब विभिन्न क्षेत्रों में काम करने या स्वयं का कार्य प्रारंभ करने के लिए तैयार हैं।कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।फाउंडेशन ने भविष्य में भी इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक महिलाओं को कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करने की बात कही। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता, प्रशिक्षण प्राप्त महिलाएं तथा नगर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'पिंक ऑटो' योजना बनी आकर्षण का केंद्र

महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में एक विशेष पहल के रूप में कुछ महिलाओं को 'पिंक ऑटो' प्रदान किए गए। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित परिवहन सेवा से जोड़ते हुए उन्हें स्थायी रोजगार उपलब्ध कराना है। इस पहल से शहर में महिला चालकों की संख्या बढ़ेगी और महिलाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे।

स्वयं का रोजगार शुरू कर सकें महिकाए, आर्थिक रूप से बने आत्मनिर्भर-सोनवाने

संस्था की अध्यक्ष जयश्री सोनवाने ने बताया कि रक्षिका शौर्य शक्ति फाउंडेशन का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। इसी दिशा में दो महीने का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया, जिसमें महिलाओं को रोजगार के व्यावहारिक अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया गया।उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑटो रिक्शा चलाने का प्रशिक्षण, नर्सरी प्रबंधन और पौध उत्पादन, पेट्रोल पंप पर कार्य संचालन जैसे कई रोजगारपरक क्षेत्रों की जानकारी दी गई, ताकि महिलाएं स्वयं का रोजगार शुरू कर सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता के छात्रों ने किया शासकीय विभागों का शैक्षणिक भ्रमण

पद्मेश न्यूज। उकवा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में

अध्ययनरत स्नातक एवं परास्नातक के छात्रों ने बैहर में संचालित विभिन्न शासकीय विभागों का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों ने शासन की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा और विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण के दौरान छात्रों ने पुलिस थाना बैहर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैहर, पशुपालन विभाग तथा जनपद पंचायत बैहर का दौरा किया। पुलिस थाना बैहर में थाना प्रभारी जयंत मर्सकोले, जनपद पंचायत बैहर में बी. एस. मेरावी, तथा पशुपालन विभाग से आशीष वैद्य सहित अन्य अधिकारियों ने विद्यार्थियों को विभागीय कार्यप्रणाली और विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के लिए प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होता है। इसके माध्यम से वे कक्षा में सीखी गई बातों को वास्तविक जीवन में देखकर समझ पाते हैं। इस प्रकार के भ्रमण से छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होता है और विषय को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिलती है। साथ ही यह गतिविधि विद्यार्थियों में समूह में कार्य करने की क्षमता, सामाजिक कौशल तथा आत्मविश्वास का भी विकास करती है।

इस भ्रमण कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक महेश पटले, परामर्शदाता शिवनाथ यादव, सुरेश यादव, भंवर मेरावी, आकांक्षा तेकाम, संगीता मेरावी सहित छात्र समाजसेवी संदीप गजभिये, अभय यादव, मोनिका ठाकरे, ज्योति कुर्वेती, विमल भावे, दीपा मेरावी और लवकेश सोनवानी आदि का विशेष योगदान रहा।

ग्राम बघोली (लालबर्रा) में मां कर्मा जयंती का आयोजन 22 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम बघोली में तेली (साहू)समाज की कुलदेवी भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी की जयंती एवं मंदिर का वार्षिक उत्सव बड़े धूमधाम से हाईस्कूल ग्राउंड मैदान मे मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर ग्राम बघोली एवं लालबर्रा क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।तेली(साहू) समाज ग्राम बघोली के सचिव खेमलाल साहू ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर संपूर्ण तैयारी कर ली गई है। कार्यक्रम को लेकर विगत दिवस मां कर्मा मंदिर परिसर में बैठक रखी गई मंदिर समिति कार्यक्रम का शुभारंभ मां कर्मा देवी भगवान श्री कृष्ण मंदिर बघोली में पूजा अर्चन के साथ होगा दोपहर 12 बजे कलश यात्रा मां कर्मा के गीतों के साथ डीजे की धुन में निकाली जाएगी गांव भ्रमण के पश्चात 3:00 बजे महा आरती की जाएगी 6 बजे भंडारा 7 बजे अतिथियों का स्वागत उसके पश्चात उद्घोधन रात्रि के ठीक 8 बजे से भक्तिमय देवी जागरण उषा एवं निशा साहू बरघाट जिला सिवनी के द्वारा मां कर्मा देवी के ऊपर बनाए गए देवी भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की पहुंचने की संभावना है। तेली साहू समाज के सचिव ने बताया कि इस वर्ष कार्यक्रम को भव्य रूप दिया जा रहा है कार्यक्रम में जिले के बाहर के भी पदाधिकारी के आने की संभावना व्यक्त की जा रही है तेली साहू समाज के अध्यक्ष पन्नालाल समरिते कोषाध्यक्ष जयराम साठोने सचिव खेमलाल साहू मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष मनोज समरिते उपाध्यक्ष कृपाशंकर साठोने सचिव तारांचद पटले कोषाध्यक्ष भीवराम साहू आयोजन समिति अध्यक्ष भूपेंद्र तुलसीकर सचिव दीपेंद्र साहू कोषाध्यक्ष बालकिशन साठोने मूलचंद लांजेवार कुशोबा तुलसीकर तेजराम पटले डीलेश समरीत भिवराज समरीत मुकेश समरीत रमेश समरीत शिवलाल लांजेवार सुबेलाल लांजेवार रूपलाल लांजेवार चुन्नीलाल महेरकर देवराम महेरकर उपसरपंच अरविंद लाजेवाब रूपचंद अगासे ओंकार पटले तारांचद पटले प्रेमलाल पटले हेमराज पटले पतिराम महेरकर देवराम महेरकर रतिराम महेरकर नेवेद्र महेरकर गौरीशंकर समरिते बसंत समरिते भागचंद लाझेवार चमरूलाल अगासे पुनाराम महेरकर दीपचंद अगासे विपिन महेरकर नुपेंद्र लाँजेवार सुमित समरीत ध्रुव महेरकर जगदीश महेरकर कैलाश समरीत आकाश समरीत सार्जेद्र लाँझेवार जयेंद्र महेरकर राकेश लाँझेवार हिमांशु महेरकर विकाश समरीत विशाल समरीत दुर्गेश पटले अजय समरीत विकाश अगासे, राजा समरीत , जीतेन्द्र लाँझेवार, योगेंद्र लाँजेवार,सुजल महेरकर गगन पटले गितेश पटलेएवं अन्य सभी सामाजिक बंधुवो ने भक्त शिरोमणि मां कर्मा देवी की जयंती समारोह में ज्यादा से ज्यादा संख्या में आने की अपील की है।

व्यक्ति से उसके छोटे भाई ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम धपेरा मोहगांव में एक व्यक्ति को उसके छोटे भाई ने मारपीट कर घायल कर दिया घायल व्यक्ति शेषराम पिता झिंगरिया केवट 45 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। जानकारी के अनुसार शेषराम मजदूरी करता है।6 मार्च को 4:00 बजे शेषराम अपने किसी काम से धापेवाड़ा गया था और धापेवाडा से काम निपटने के बाद वह शाम 5:00 बजे घर आया था। उस समय परिवार के लोग खेत गए थे। शेषराम ने अपने घर का ताला खोला उस समय उसका छोटा भाई चेतराम और बहू शीला केवट खड़े थे। चेतराम उस समय शराब के नशे में था जो शेषराम को देखकर गालियां देने लगा था शेषराम ने उसे गालियां देने से मना किया। तभी चेतराम ने उसका कालर पड़कर खींचकर रोड तरफ लाया और रोड किनारे नाली में पटक दिया और हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा। शेषराम के चिल्लाने पर परिवार के अन्य लोग दौड़े और बीच बचाव किये। मारपीट में घायल शेषराम को डायल 112 से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया लाइनमैन दिवस

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को किया गया सम्मानित लाइनमैन के कार्यों को लेकर जताया गया आभार, दिया गया विशेष प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश हो या फिर पसीने से भरी भीषण गर्मी ,रात हो चाहे दिन जब कभी कहीं बिजली लाइन फाल्ट हो जाए, तो तुरंत एक ही व्यक्ति की याद आती है वो है विद्युत विभाग का लाइनमैन, ये वही फंटलाइन हीरो है जो एक फोन काल पर तुरंत अपनी जान हथेली पर रख बिजली पोल या घर तक पहुंच जाता है। और विद्युत फाल्ट को दुरस्त कर उपभोक्ताओं के चेहरे पर राहत देकर लौट जाता है।यदि यह फंट लाइन कर्मचारी न हो तो लोग इस आधुनिक युग में जी नहीं पाएंगे। जहां लाइनमैन के इन्हीं योगदान को मान्यता देकर उनका आदर करने, उनके प्रति आभार व्यक्त करने और उनके इस कार्य को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 7 मार्च के दिन को लाइनमैन सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाता है।जो नगर में हर साल की तरह इस साल भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन कर उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाइनमैनो का पुष्प मालाओं से स्वागत कर उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।वही अन्य कार्यक्रमों के आयोजन कर,स्वल्पाहार के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।इसी कड़ी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर के मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी उप संभाग टीएलएम कार्यालय में शनिवार को लाइनमैन दिवस का हर्षोल्लास के साथ आयोजन गया जहां आयोजित राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए जो सुबह से लेकर देर शाम तक चलते रहे। आयोजित राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस के अवसर पर जहां एक ओर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने वाले कर्मचारियों की सहाना की गई, तो वही उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा टीएलएम ऑफिस में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त मुख्य अभियंता जबलपुर वर्सत वरकण्डे,टीएलएम संभाग अभियंता(ए.ई) श्रीधर भालाधरे, और प्रबंध निदेशक सुनील तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी , अधिकारी कर्मचारी व लाइनमैन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मेंटनेस कार्य के दौरान सुरक्षा व बचाव की दी गई जानकारी

आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुवात पूजा अर्चना व राष्ट्रगान के साथ की गई। जहां उद्घोधन किया गया एवं सतत विद्युत सप्लाई के लिये

सहित अन्य मंचीय कार्यक्रम संपन्न कराए गए। तो वही लाईनमैनों को विशेष प्रशिक्षण देकर किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर सुरक्षा एवं बचाव की जानकारी दी गई। जहां उन्हें चरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बिजली लाइन की मरम्मत रखरखाव उनके मेंटेनेंस कार्य आदि से अवगत कराते हुए अपनी जिम्मेदारियां का पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से पालन करने की समझाइश दी गई ।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले किए गए सम्मानित

शनिवार 7 मार्च को लाइनमैन दिवस के अवसर पर टीएलएम कार्यालय अंतर्गत लाईनमैनों द्वारा उपभोक्ताओं को सतत् विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के लिये सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जहा आयोजित समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाईनमैनों को सम्मानित किया गया, इस अवसर पर अच्छे कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र व स्मृतिचिन्ह भी वितरण किए गए।विद्युत विभाग द्वारा आयोजित लाइनमैन दिवस में लाइन कार्मिकों को प्राथमिक उपचार एवं लाइन पर कार्य के दौरान सावधानियों की जानकारी विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से दी गई तथा सुरक्षा की शपथ भी दिलवाई गई।इस अवसर पर अतिथियों द्वारा समस्त लाइनकर्मियों को शुभकामनाएं पत्र का वितरण कर उनका वाचन लाइनकर्मियों द्वारा किये जा रहे निष्ठापूर्वक कार्य, समर्पण एवं उत्कृष्ट योगदान को सराहा, तथा कार्मिको को कर्तव्य के दौरान समस्त विद्युत रख-रखाव एवं सुधार कार्यो मे विद्युत सुरक्षा नियमों का गभीरंता से पालन करने एवं सुरक्षा उपकरणों का उपयोग कर जोखिम रहित कार्य करने के निर्देश दिये गए,

इन्हें किया गया सम्मनित

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 33 लाइनमैन को सम्मानित किया गया।सम्मान पाने वाले लाइनमैनों में भागचंद सोनटके, सतीश वैद्य, अनिल कुमार जामने, नितिन गौतम, उमेश कुमार साहू, रविन्द्र कुमार तुमसरे, पवन मांद्रे, ललित चौधरी, आशिष बिसेन, भूपेन्द्र गढपाल, गौतम रावडे, अख्तर कुरैशी, दिनेश सिरसाम, कुंवरलाल बहेटवार, विजयपाल कावरे, मनीष ठाकरे, रितेश कुमार वाकडे, राजू सिंह, रविन्द्र गोदरे, चन्दुलाल खांडखुरे, शुहास सरदेश पांडे, कन्हैया मातरे, हरेन्द्र भोयर, सतीश बिसेन, विजय मरावी, राजेन्द्र उइके, विनोद कुमार अगासे, अजय कुमार पटले, विनायक खरे, बालकरण मरावी, सुक्कल सिंह सय्याम, खेमराज रहांगडाले और नेहरू गायकवाड़ सहित अन्य लाइनमैन व सविंदा कर्मचारियों का फूल मालाओं से स्वागत कर इन्हें स्मृति चिन्हित प्रदान किए गए।

आम ईश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं जैवंता पति इलमचंद गोलेंद्र जाति झारिया ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट की निवासी हूं। मेरे पति स्व. इलमचंद गोलेन्द्र पिता जोगीराम गोलेन्द्र कि मृत्यु दिनांक 06.02.2026 को हो चुकी है। जिनकी मृत्यु के उपरांत मैं पत्नि जैवंता बाई, पुत्र चंद्रशेखर, राजदीप, पुत्री दिनेश्वरी झारिया व दीपश्री झारिया वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांढरवानी से जारी किया जाना है।

अतः आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक
जैवंता गोलेंद
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी ला.
तहसील - लालबर्रा
जिला - बालाघाट।

आम सूचना

मैं तिलकचंद नागदेवे उम्र 65 साल, पिता लक्ष्मण नागदेवे जाति महार, निवासी ग्राम कोचेवाही पुलिस थाना तहसील लांजी जिला बालाघाट (म. प्र.) का निवासी होकर आम जनता को सूचित करता हूँ कि, मेरे मालकी, स्वामित्व एवं कब्जे मे मौजा कोचवाही, प.ह.नं. 6, रा.नि.मं. भानेगांव, तहसील लांजी जिला बालाघाट मे भूमि खसरा नं. 72/1, 87/2, 280/3, 288/1, 309/2 रकबा क्रमशः 0.109, 0.081, 0.251, 0.174, 0.607 हेक्टे. भूमि स्थित है, जिस पर मेरा बेरोकटोक बिना उजर आपत्ति के कब्जा एवं मालकीयत चले आ रही है, उल्लेखित उक्त भूमि को लेकर मेरे द्वारा व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड लांजी के न्यायालय मे वाद वास्ते स्थायी निषेधाज्ञा एवं उद्घोषणार्थ वाद प्रस्तुत किया गया है, जिसका व्यवहार वाद क्र. आर.सी.एस.ए 3/2026 पक्षकार तिलकचंद नागदेवे बनाम धम्मदीप वैद्य है, जो माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। इस प्रकार यदि उक्त भूमि को कोई खरीद फरोख्त तथा अन्य प्रकार से अपने पक्ष मे अंतरण करते है तो वह मुझ पर बंधनकारक नही होंगा।

सूचना जाहिरकर्ता
तिलकचंद नागदेवे
मो.नं. 7354859844

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

आम जनता को लगा महंगाई का एक और झटका

फिर बढ़े रसोई गैस सिलेंडर के दाम

60 रु महंगा हुआ घरेलू सिलेंडर, तो 115 रु बढ़े कमर्शियल सिलेंडर के दाम, नई दरें लागु आम जनता बोली,महंगाई को काबू में करे सरकार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

देश में लगातार बढ़ती महंगाई के बीच आम जनता के लिए एक और बुरी खबर है। आज तेल कंपनियों ने नए रेट जारी कर दिए हैं जिसमें पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तो कोई बदलाव नहीं हुआ लेकिन घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत एक बार फिर 60 रुपये बढ़ा दी गई है।इसके अलावा कमर्शियल सिलेंडर के दामो में 115 रु की बढ़ोतरी की गई है।जानकारी के मुताबिक पिछले 6 महीनो से लगातार रसोई गैस के दाम बढ़ रहे हैं जिस पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है।वर्तमान समय में रसोई गैस के बढे इन दामों से एक बार फिर ग्रहणियों का बजट बिगड़ गया है तो वही जनता महंगाई की मार झेल रही है और उन्हें गैस खरीदने के लिए अधिक जेब ढीली करनी पड़ रही है।नई दर लागू होने के पूर्व पहले रसोई गैस की कीमत 876 रु .50 पैसे थी, वही 60 रु दाम बढ़ने से अब एक गैस सिलेंडर की कीमत 976रु 50 पैसे हो गई है।वही पहले कमर्शियल गैस की कीमत 2036 रु थी, जिसमे 115 रु का इजाफा होने के बाद वर्तमान में उसी गैस सिलेण्डर की कीमत बढ़कर 2149 रु हो गई है।बढ़ी हुई कीमतों की नई दरें बीती मध्य रात्रि से लागू कर दी गई है।जहा आम नागरिकों और ग्रहणीयों ने रसोई गैस के दाम बढ़ने पर अपनी नाराजगी जताते हुए रसोई गैस, सहित अन्य खाद्यपदार्थो के दाम कम करने और लगातार बढ़ती जा रही इस मंहगाई पर अंकुश लगाने की मांग की है।

ईरान अमेरिका इजरायल युद्ध भी कीमत बढ़ने की बताई जा रही वजह

गैस के दामों को लेकर सरकार द्वारा अपनाई जा रही पॉलिसी लोगों के समझ के परे है। क्योंकि एक ओर सरकार लगातार बढ़ती जा रही महंगाई पर नियंत्रण नही कर पा रही है तो वहीं घरों व व्यवसाय में लगने वाली गैस के दाम लगभग हर माह बढ़ाए जा रहे हैं। जिसको लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है ।इसकी एक वजह अंतराष्ट्रीय स्तर पर ईरान अमेरिका और इजरायल के बीच जारी जंग को भी बताया जा रहा है।

फिर चूल्हा फूंकने को मजबूर महिलाएं

एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से एक बार फिर लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जहां शहरी क्षेत्रों के सामान्य लोग तो जैसे तैसे मजबूरी में सिलेंडर भराकर खाना बनाने को मजबूर है तो वही शहर में निवास करने वाले गरीब मजदूरों और जिले के ग्रामीण अंचलों में रहने वाली कई महिलाओं सहित उज्जवला योजना के कई हितग्राहियों ने लगातार गिस सिलेंडर के दाम बढ़ने से गैस सिलेंडर को कोने में सरका दिया हैं और वे फिर से चूल्हा फूंकने पर मजबूर है।

रसोई गैस की महंगी कीमतों ने पीएम उज्ज्वला योजना को किया फ्लॉप

इस महंगाई के दौर में रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं जिससे ग्रहणीयो का बजट बिगड़ गया है। वही बात अगर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की करें तो लगातार बढ़ती जा रही गैस की कीमतों से उज्ज्वला योजना भी फ्लॉप साबित हो रही है। ज्ञात हो कि 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत हुई थी जिसका मकसद था देश के उन सभी परिवारों को सुरक्षित, स्वच्छ रसोई ईंधन आवंटित करना, जो आज भी पुराने, असुरक्षित व प्रदूषित ईंधन का प्रयोग खाना बनाने के लिए करते हैं, लेकिन महंगाई ने वापस हितग्राहियों को चूल्हा फूंकने पर मजबूर कर दिया है।जहा लगातार रसोई गैस के दाम बढ़ने और आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कई महिलाओं ने उज्ज्वला योजना में मिले गैस सिलेंडर और चूल्हे कोने में सरका दिए हैं और फिर से चूल्हा फूंक रही हैं। वही कीमतें बढ़ने से उज्ज्वला गैस के उपभोक्ताओं के लिए महंगी गैस पर रोटियां बनाना हैंसियत से बाहर हो गया है। आलम यह है कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं खाना पकाने के लिए अब लकड़ियां बीनने निकल पड़ती हैं वही देहात में अधिकांश घरों में सिलेंडर बंद हो चुके हैं। और वे एक बार फिर चूल्हे में खाना बनाने को मजबूर है जिससे गृहणियों की सांसों में धुआं, आंखों में जलन और आंसू की बेबसी लौट आई है. इन सबकी वजह आए दिन बढ़ते गैस सिलेंडर के दाम बताए जा रहे हैं।

ऑनलाइन बुकिंग में भी हो रही परेशानी

रसोई गैस की कीमत बढने के बाद कई उपभोक्ताओं को ऑनलाइन बुकिंग में भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कुछ उपभोक्ताओं ने बताया कि दोपहर बाद से रसोई गैस की ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो रही थी। गैस एजेंसी की वेबसाइट और मोबाइल एप पर बुकिंग करने में दिक्कत आ रही थी, जिससे उन्हें सिलेंडर बुक कराने के लिए एजेंसी से संपर्क करना पड़ा। यह समस्या देर रात्रि तक बनी रही।

पेट्रोल और डीजल के भी बढ़ सकते हैं दाम

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है।ऐसे में आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो आम लोगों पर महंगाई का असर और बढ़ सकता है। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध की वजह से तेल सप्लाई में रुकावट की बढ़ती आशंकाओं के कारण शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जबकि खराब यूएस हायरिंग डेटा के कारण इक्विटी में गिरावट आई। इस हफ्ते की शुरुआत में तेल की कीमत तेजी से बढ़ी है विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रहती है तो आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ सकते हैं। ऐसा होने पर परिवहन खर्च बढ़ेगा और इसका असर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी देखने को मिल सकता है। इस तरह रसोई गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी का प्रभाव सीधे तौर पर आम लोगों की जेब पर पड़ने वाला है, जिससे महंगाई का दबाव और बढ़ने की संभावना है।

महंगाई को नियंत्रित करने सरकार ने उठाने चाहिए कदम

शहर के गैस वितरण केंद्रों पर भी इस विषय को लेकर चर्चा का माहौल देखा गया। लोगों का कहना है कि यदि आवश्यक वस्तुओं के दाम इसी तरह बढ़ते रहे तो आम परिवारों के लिए घरेलू खर्च चलाना कठिन हो सकता है गृहिणियों ने उम्मीद जताई है कि महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार ठोस कदम उठाएगी, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और घर का बजट संतुलित रह सके।

मासिक खर्च संभालना और मुश्किल हो गया

लगातार बढ़ती महंगाई के बीच घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में हुई 60 रुपये की वृद्धि ने आम लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। शनिवार 7 मार्च को कीमत बढ़ने की खबर सामने आते ही जिले में इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई। विशेष रूप से गृहिणियों का कहना है कि गैस सिलेंडर महंगा होने से सीधे तौर पर रसोई के बजट पर असर पड़ रहा है।गैस एजेंसियों पर सिलेंडर लेने पहुंचीं कई महिलाओं ने कहा कि पहले से ही खाद्य सामग्री, सब्जियों और अन्य घरेलू जरूरतों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में गैस के दाम बढ़ने से घर का मासिक खर्च संभालना और मुश्किल हो गया है ।महिलाओं ने बताया कि रसोई गैस हर घर की मूलभूत जरूरत है और इसकी कीमतों में बढ़ोतरी का असर सीधे परिवार के दैनिक खर्च पर पड़ता है। खासतौर पर मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए यह अतिरिक्त आर्थिक बोझ बनता जा रहा है। कुछ महिलाओं ने कहा कि पहले ही राशन, तेल, दाल और सब्जियों की कीमतें बढ़ने से रसोई का बजट प्रभावित हो रहा था, वहीं अब गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने से घर का खर्च और बढ़ जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'फिट इंडिया विमेंस वीक' का शुभारंभ

विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 06 मार्च 2026 को जिले में 'फिट इंडिया विमेंस वीक' (6 से 8 मार्च) का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर मृणाल मीणा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिले की नारी शक्ति को सम्मानित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रेरणादायक महिलाओं को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती पारधी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य एवं महिला बाल विकास विभाग की सभापति श्रीमती केसर बिसेन, सांसद प्रतिनिधि श्रीमती हेमा वाधवानी, श्रीमती अरुणा गजभिए, बाल कल्याण समिति सदस्य श्रीमती नीतू द्विवेदी एवं श्रीमती सुनीता झगेले विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

इसके साथ ही मानव अधिकार मित्र श्रीमती फिरोजा खान, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्रशासक रचना चौधरी, परियोजना अधिकारी शहरी एवं ग्रामीण शैलेंद्र चौकसे, परियोजना अधिकारी वारासिवनी श्रीमती यशोदा भगत तथा वन स्टॉप सेंटर की महिलाओं द्वारा बड़ी, पापड़ एवं हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन शामिल रहा। आरसेटी द्वारा महिलाओं को बैंकिंग, वित्तीय साक्षरता और रोजगार से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए संजू मेश्राम एवं दुर्गा मेश्राम द्वारा कराटे का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सहभागिता रही, जिससे आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस दौरान अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात महिला सशक्तिकरण पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें एकल नृत्य, समूह नृत्य, संगीत, योग नृत्य, कविता पाठ तथा नुक्कड़ नाटक की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर प्रतियोगी परीक्षाओं, खेल, सामाजिक क्षेत्र, महिला उद्यमिता, आंगनवाड़ी सेवाओं तथा स्व-सहायता समूहों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा जानकारी और सेवाओं से संबंधित स्टॉल भी लगाए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा महिलाओं की एनीमिया स्क्रीनिंग, आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य परामर्श तथा परिवहन विभाग द्वारा 60 महिलाओं का पिंक ड्राइविंग लाइसेंस पंजीकरण कर जानकारी प्रदान की गई। वहीं हथकरघा विभाग द्वारा उत्पादों का प्रदर्शन किया गया और बालिका गृह की बालिकाओं द्वारा तैयार वस्तुओं का प्रदर्शन एवं विक्रय भी किया गया।

इसके अलावा विभिन्न अशासकीय संस्थाओं ने भी स्टॉल लगाकर अपनी गतिविधियों की जानकारी दी। इनमें दृढ़ शक्ति फाउंडेशन द्वारा महिला आधारित नृत्य एवं गृह उत्पाद, जन सेवा एवं जन सुरक्षा समिति द्वारा आपदा जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक, मानव अधिकार संगठन द्वारा सैनिटरी नेपकिन स्टॉल, चाटिका संस्था द्वारा साड़ी स्टॉल, अमीन चार्ल्स द्वारा मिट्टी के बर्तनों का प्रदर्शन तथा वन स्टॉप सेंटर की महिलाओं द्वारा बड़ी, पापड़ एवं हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन शामिल रहा। आरसेटी द्वारा महिलाओं को बैंकिंग, वित्तीय साक्षरता और रोजगार से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने के लिए संजू मेश्राम एवं दुर्गा मेश्राम द्वारा कराटे का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सहभागिता रही, जिससे आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में न्यायपालिका और पुलिस विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए। इनमें प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड श्रीमती शिखा शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सतीश शर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी जितेंद्र मोहन धुर्वे, थाना यातायात प्रभारी श्रीमती यीना राहंगडाले, महिला थाना प्रभारी श्रीमती किरण वरकड़े, किशोर न्याय इकाई से श्रीमती रेहाना खान, साइबर प्रभारी श्रीमती मेघा पांडिये एवं चांदनी शांडिल्य की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस दौरान अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण

जिले के अलग-अलग क्षेत्र में तीन लोगों की अकाल मौत

दुर्घटना में घायल रवि ने दम तोड़ा, शराब की नशे में गिरने से उदलसिह की तो अनिल की संदिग्ध स्थिति में मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के अलग-अलग क्षेत्र में एक युवक सहित तीन लोगों की अकाल मौत हो गई। वारासिवनी में थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लेन्डेझरी में 2 दिन पहले हुई सड़क दुर्घटना में घायल युवक रवि पिता गजानन नगपुरे 19 वर्ष ग्राम कनकी थाना लालबर्रा निवासी की मौत हो गई। रूपझर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम उकवा में शराब के नशे में गिरने से उदल सिह पिता चौधरी तेकाम 35 वर्ष ग्राम राजपुर बैगा टोला रूपझर निवासी की मौत हो गई तो हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम दहीगढ़वा निवासी अनिल पिता सखाराम पाटिल 54 वर्ष की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। तीनों का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया।

इकलौता बेटा था रवि- दुर्घटना में हुई मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कनकी निवासी रवि परिवार में इकलौता था ।जिसकी एक छोटी बहन और माँ है। रवि ने दसवीं तक पढ़ाई की थी और अपने मौसी के लड़के तुलसीराम धुर्वे ग्राम छोटी कुम्हारी निवासी के साथ कैटरिंग का काम करता था। 5 मार्च को रवि, तुलसीराम के साथ मोटरसाइकिल में वारासिवनी अपने दोस्तों से मिलने गए थे और शाम को मोहगांव धपेरा जाने निकले थे। लेन्डेझरी से लवादा होते हुए मोहगांव जा रहे थे। तभी लेन्डेझरी तालाब के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। जिससे रवि और तुलसीराम मोटरसाइकिल सहित गिर गए। इस दुर्घटना में रवि को सिर में छोटे आई थी। जिसे तुलसीराम ने कनकी ले जाकर डॉक्टर से इलाज करवाया और उसे घर छोड़ दिया था। रात्रि 12:30 बजे करीब अचानक रवि की तबीयत खराब हो गई।। उसे बालाघाट के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे। 6 मार्च को रवि को गोंदिया ले जाकर जानकी अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने रवि के सिर का ऑपरेशन करने की सलाह दी थी। यह भी बताया गया था कि ऑपरेशन करने के बाद भी बचने की कम संभावना है। 7 मार्च की रात्रि रवि को गोंदिया से जिला अस्पताल बालाघाट लाये। जिस चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिये। रवि की गोंदिया से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी।

शराब के नशे में गिरने से मौत

रूपझर थाने के ग्राम राजपुर बैगा टोला निवासी उदलसिंह मजदूरी करता था। जो अपनी मां के साथ में रहता था। पत्नी उसे छोड़ चुकी थी। बताया गया है कि उदल सिंह शराब पीने का आदी था। जिसे टी बी की बीमारी भी हो गई थी। 6 मार्च को उदल सिंह उकवा बाजार गया था। और उसने उकवा शराब दुकान से शराब पी थी। 3:00 बजे करीब उदल सिंह शराब दुकान के कुछ ही दूर पर आँधे में गिर गया था और वहीं पड़ा हुआ था। शाम को कुछ लोगों ने देखे उदल सिंह की मौत हो चुकी थी। उकवा पुलिस ने उदल सिंह का शव पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल बालाघाट लाये और रात्रि में जिला अस्पताल के फीजर में सुरक्षित रखवा दिए थे। 7 मार्च को उकवा पुलिस ने उदल सिंह का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

अनिल की संदिग्ध स्थिति में मौत

हट्टा थानांतर्गत ग्राम दहीगढ़वा निवासी अनिल पाटिल पेंटिंग का काम करता था। जिसके परिवार में माँ है। एक बहन कविता शेंडे जो अनिल के घर में ही अलग अपने बच्चों के साथ रहती है। अनिल की दो शादी हुई थी किंतु दोनों पत्नी उसे छोड़ चुकी थी। 6 मार्च को सुबह 9:00 बजे अनिल अपने घर से पैदल ही निकला था और वह रात 9:00 बजे घर आया और घर आने के बाद लंबी-लंबी सांस लेने लग गया था और बात नहीं कर रहा था। जो बेहोशी की हालत में था ।जिसे तुरंत ही 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाये ।किंतु डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिये। अनिल की घर से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। 7 मार्च को जिला अस्पताल पुलिस ने अनिल पाटिल का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

जैन समाज का रिद्धि विधान एवं शांतिनाथ विधान कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज एवं नवाचार्य परम पूज्य आचार्य 108 समय सागर जी महाराज की परम शिष्य मुनि श्री 108 नीरज सागर जी एवं मुनि श्री 108 निर्मदसागर जी महाराज के सानिध्य में 64 रिद्धि विधान एवं शांतिनाथ विधान का कार्यक्रम संपन्न हुआ।2 मार्च से कार्यक्रम महावीर भवन में प्रतिदिन सुबह 7 से श्री जी का अभिषेक , शांति धारा पूज्य मुनि नीरज सागर जी एवं मुनि श्री निर्मद सागर जी के द्वारा प्रवचन एवं विधान का कार्यक्रम संपन्न हुआ।उपयुक्त जानकारी सह सचिव अमन सिंघई देते हुए बताया गया कि बालाघाट की पावन धरा पर मुनि नीरज सागर जी महाराज संघ का नगर आगमन हुआ था।श्री दिगंबर जैन पंचायत मंदिर बालाघाट में नवीन श्री जी 1008भगवान नमिनाथ जी एवं 1008 भगवान श्री पार्श्वनाथ जी की 41 इंच ऊंची पाषाण की प्रतिमा जी का दिगंबर जैन मंदिर में द्वितीय बेदी में 7 तारीख को शुभ तिथि पर विराजमान किया गया एवं शांति विधान का चांदी का माड़ना में शांतिनाथ विधान का अनुष्ठान किया गया।सभी कार्यक्रम मुनि संघ द्वारा संपन्न कराए गए जिसमें उनका सहयोग संगीतकार आस्तिक जैन द्वारा किया गया।उन्होंने आगे बताया कि मुनि श्री महावीर भवन में विराजमान है जिनके प्रवचन सुबह 8:30 बजे से महावीर भवन में होंगे, 2:30 बजे से शास्त्र वाचना की क्लास लगेगी।सभी कार्यक्रमों में सकल जैन समाज के वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे अध्यक्ष वीरेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष निलेश जी बाकलीवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक जैन, कनिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव जैन राजा एवं नितिन जैन ,प्रमोद सिंघई , डॉ मनोज जैन, सचिव अजय जैन, प्रतीक जैन अभिषेक जैन संरक्षक सिंघई जय कुमार जी जैन, डॉ आरके जैन, एल सी जैन सर , राकेश जैन,एवं समाज के महिला मंडल , बहु मंडल नवयुवक मंडल, एवं बालिका मंडल दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के सभी पदाधिकारी गण उपस्थित थे विधान के कार्यक्रम में सांसद भारती परधी एवं नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर पार्षद वार्ड नंबर17 श्वेता सौरभ जैन ने उपस्थित रहकर कार्यक्रमों में मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।कार्यक्रम समापन पर शोभायात्रा निकाली गई तत्पश्चात भगवान विराजमान किए गए।पंचायत कमेटी ने सभी का

प्रशासन के दावों की खुली पोल, आश्वासन के बाद भी प्यासा है मिरेगांव

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नल-जल योजना का नही मिल रहा पानी, ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली और जमीनी हकीकत के बीच कितना बड़ा फासला होता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत मिरेगांव में देखने को मिल रहा है। इस ग्राम में पिछले कई दिनों से गहराया पेयजल संकट अब ग्रामीणों के सब्र का बांध तोड़ रहा है। जिला प्रशासन और पीएचई विभाग द्वारा पानी की समस्या को दुर करने का आश्वासन दिया गया था कि 5 मार्च तक नल-जल योजना की पाइपलाईन में जो तकनीकी खराबी आई है उसे दुरूस्त कर नियमित रूप से पानी प्रदाय किया जायेगा। लेकिन अब तक इस समस्या का समाधान नही किया गया है। वहीं प्रशासन के द्वारा ग्रामीणों की समस्या समाधान के दिये गये दावों के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीणजनों ने जल्द नल-जल योजना की पाइपलाईन में आई तकनीकी खराबी को दुरूस्त कर पानी सप्लाई नही होने पर घरों पर लगे नल कनेक्शन कटवाकर उसकी टोटी को निकालकर पंचायत में जमा कर आंदोलन करने की चेतावनी प्रशासन को दी है।

कागजों पर सुधरी व्यवस्था, जमीन पर बूंद-बूंद को मोहताज

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत मिरेगांव में जल संकट गहरा जाने से पानी की विकराल समस्या उत्पन्न हो चुकी है क्योंकि गर्मी शुरू होते ही ग्राम के पूरे कुएं सुख चुके है और हैंडपंप का भी जल स्तर नीचे चले गया है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणजन वैनगंगा बड़ी नहर एवं दुर स्थित बोरवेल व हैंडपंप से पानी लाकर उपयोग कर रहे है। साथ ही कुएं सूख जाने एवं नल-जल योजना का पानी नही मिलने के कारण पानी के लिए त्राही-त्राही मची हुई है। ऐसी स्थिति में सबसे अधिक परेशानी मवेशियों के लिए पानी हुई है। इस पानी की समस्या को लेकर गत दिवस ग्रामीणजनों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर को पानी की समस्या से अवगत करवाकर नल-जल योजना के पाइपलाईन में आई तकनीकी खराबी को दुरूस्त कर नियमित रूप से पानी प्रदाय करने की मांग किये थे। वहीं जिला प्रशासन से शिकायत होने के बाद पीएचई विभाग के द्वारा एक-दो दिन काम किया गया और जिला प्रशासन को पाइपलाईन का कार्य पूर्ण हो जाने एवं पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से शुरू हो जाने की जानकारी दे दी गई थी। जबकि पाइपलाईन का कार्य पूरी तरह से पूर्ण भी नही हुआ था। इस तरह से कुछ समय पूर्व पीएचई विभाग द्वारा एक भ्रामक खबर प्रसारित करवाई गई थी, जिसमें दावा किया गया था कि गांव में पाइपलाईन का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो चुका है और पेयजल आपूर्ति सुचारू है। विभाग के इस सफेद झूठ ने ग्रामीणों को आक्रोशित कर दिया। जब ग्रामीणों ने इसका कड़ा विरोध किया, तब प्रशासन ने आनन-फानन में हस्तक्षेप कर 5 मार्च तक पाइपलाईन में आई तकनीकी खराबी को सुधार कर यानि की दुरूस्त कर पानी प्रदाय करने की बात कही थी। लेकिन आज भी समस्या जस की तस बनी हुई है, महज नीचले स्तर के कुछ वार्ड में ही नल-जल योजना का पानी मिल रहा है, शेष वार्डों में एक बुंद पानी नही मिल रहा है। जिसके कारण ग्रामीणजन खासा परेशान है। इस तरह से कागजों पर व्यवस्था सुधरी है, जमीन पर बूंद-बूंद पानी को मोहताज है ग्रामीणजन।

बैलगाड़ियों से ढोया जा रहा पानी, पशुधन पर भी संकट

अभी गर्मी की तपिश शुरू भी नहीं हुई है और गांव के जल स्रोत जवाब दे चुके हैं। वहीं ग्राम मिरेगांव में ग्रामीण अपनी दैनिक जरूरतों के लिए नहरों और दूर-दराज के बोरवेल पर निर्भर हैं। आलम यह है कि चिलचिलाती धूप में लोग बैलगाड़ियों, हाथठेला, रिक्शा पर पानी ढोने को मजबूर हैं। न केवल आम जनमानस, बल्कि मूक पशुधन के लिए भी पीने के पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मार्च की शुरूआत में यह हाल है, तो मई-जून की भीषण गर्मी में स्थिति भयावह हो जायेगी। साथ ही यह भी कहा कि शासन के द्वारा करोड़ों रूपयों की नल-जल योजना के तहत घर-घर नल कनेक्शन किया गया है ताकि ग्रामीणों को शुध्द पानी मिल सके। लेकिन इस योजना का कुछ वार्ड में तो जब से पाइपलाईन लगाकर नल कनेक्शन किया गया है जब से एक बूंद पानी नही आया है, सिर्फ नल घर की शोभा बढ़ा रही है। कई बार जिम्मेदारों को इस समस्या से अवगत करवा चुके है लेकिन प्रशासन की ढुलमुल कार्यप्रणाली दर्शाती है कि ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं के प्रति अधिकारी कितने लापरवाह है। विभाग केवल अपनी फाइलों को दुरूस्त करने में लगता है। जबकि धरातल पर जनता प्यासी मर रही है। जल्द ही पेयजल व्यवस्था में ठोस सुधार नहीं किया गया, तो ग्रामीणजन नल की टोटी निकालकर विरोध प्रदर्शन करेगें जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

समाधान नही होने पर कटवा लेगें नल कनेक्शन - शांताबाई

श्रीमती शांताबाई बांगरे ने बताया कि गांव में पानी की भीषण समस्या बनी हुई है और लोग बैलगाड़ी, हाथ ठेले में दूर-दराज से पानी लेकर आ रहे हैं और उपयोग कर रहे हैं। इस पानी की समस्या से कई बार शासन प्रशासन को अवगत करवा चुके है, जिनके द्वारा गत दिवस निरीक्षण भी किया गया था और 5 मार्च तक समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया गया था परन्तु अब तक समस्या का समाधान नही हुआ है। श्रीमती बांगरे ने बताया कि पानी की समस्या के चलते लोग शौच करने अब खुले में आ रहे है क्योंकि शौचालय में पानी अधिक लगता है। इस तरह से भीषण जल संकट से ग्रामीणों को गुजरना पड़ रहा है, जल्द ही नल-जल योजना का पानी नही मिलेगा तो नल कनेक्शन कटवाकर अलग कर देंगें।

आम जनमानस के साथ ही मवेशियों को भी हो रही परेशानी - राजेन्द्र

राजेन्द्र गौतम ने बताया कि मिरेगांव में नल जल योजना के तहत पाइपलाईन बिछाई गई है परंतु वह औचित्यहीन साबित हो रही है, उससे ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पा रहा। साथ ही ग्राम के कुएं सुख चुके है, ऐसी स्थिति में ग्रामीणजन दूर स्थित हैंडपंप व बोरवेल से पानी लाने मजबूर है। साथ ही पानी नहीं होने के कारण घरों में बने शौचालय का भी उपयोग नहीं हो रहा है और सबसे अधिक समस्या गांव के पालतू पशुओं के पीने के पानी की बनी हुई है। श्री गौतम ने बताया कि पाइपलाईन में तकनीकी खराबी के कारण नल-जल योजना का पानी नही मिल पा रहा है इसलिए पानी की समस्या बनी हुई है।

दूषित पानी पीने मजबूर है ग्रामीण- ओमकार

ओमकार भेलावे ने बताया कि पानी की समस्या को लेकर की गई शिकायत के बाद प्रशासन के कुछ अधिकारी-कर्मचारी गत दिवस ग्राम में आये थे और आश्वस्त किया था कि पानी की समस्या दुर हो जायेगी। लेकिन व्यवस्था में कोई सुधार नही किया गया है, अब भी पेयजल की समस्या बनी हुई है और सबसे अधिक परेशानी मवेशियों के लिए है जिन्हे प्यास लगने पर दुर स्थित तालाब से पानी पिलाकर लाना पड रहा है। श्री भेलावे ने बताया कि घरों में उपयोग करने के लिए हैंडपंप का उपयोग किया जा रहा है परंतु उसमें भी बहुत कम माला में पानी निकल रहा है और हैंडपंप में दबाव अधिक होने के कारण जंक युक्त दूषित पानी निकल रहा है जिसे पीने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। प्रशासन से मांग है कि पाइपलाईन में आई तकनीकी खराबी को सुधार का नियमित रूप से पानी प्रदाय करें।

इनका कहना है-

मिरेगांव में नल-जल योजना की पाइपलाईन में कुछ तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके कारण पानी मिल पा रहा था। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए पाइपलाईन का सुधार कार्य किया जा रहा है और पानी सप्लाई भी शुरू हो चुकी है, जिन वार्डों में पानी नही पहुंच रहा है तो उक्त वार्डों में भी जल्द नल-जल योजना का पानी पहुंच जायेगा।

बीएल उइके
कार्यपालन यंत्री
पीएचई विभाग बालाघाट।

सीमा सुरक्षा बल में चयनित दो जवान ट्रेनिंग के लिए हुए रवाना

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई के चार युवाओं का सीमा सुरक्षा बल में चयनित हुआ है। जिसमें से दो जवान पूर्व में ट्रेनिंग के लिए जा चुके है। वहीं दो जवान भारत माता की सेवा करने के लिए शनिवार को ट्रेनिंग के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर उनके परिजनों ने उनका तिलकवंदन कर ट्रेनिंग के लिए रवाना कर उनके उ'जवल भविष्य की कामना की है। आपकों बता दे कि विगत दिनों ग्राम बेहरई से चार लड़कों का सीमा सुरक्षा बल में चयन हुआ था। जिसमें नितिन (भारत) पटले पिता नारायण पटले, समीर घोटीवार पिता शोभाराम घोटीवार, निशांत लिमझे पिता दिलीप लिमझे, दीपक पटले पिता मानिक पटले शामिल है। जिनमें से दो पहले ही ट्रेनिंग के लिए जा चुके हैं और 7 मार्च को भारत पटले पिता नारायण पटले दिल्ली के लिए एवं निशांत लिमझे पिता दिलीप लिमझे हरियाणा ट्रेनिंग के लिए रवाना हुए। सीमा सुरक्षा बल की ट्रेनिंग के जाने के पूर्व ग्रामीण व उनके परिजनों ने दोनों जवानों का तिलक वंदन एवं फुलमाला पहनाकर स्वागत किया और उन्हे ट्रेनिंग के लिए रवाना किये। इस अवसर पर दोनों जवानों के परिजन एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

2 किमी दायरे के बच्चों के लिए मौका- सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

9 मार्च से 20 मार्च तक मिलेंगे आवेदन पत्र, अधिक आवेदन होने पर लॉटरी से होगा चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सत्र 2026-27 के लिए सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. युवराज राहंगडाले ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय से 2 किलोमीटर की परिधि में निवास करने वाले पालकों के बच्चों के लिए विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों के अनुसार आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

प्राचार्य डॉ. राहंगडाले ने बताया कि प्रवेश के लिए आवेदन पत्र 9 मार्च से 20 मार्च तक विद्यालय कार्यालय से प्राप्त किए जा सकेंगे। आवेदन पत्र प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। विद्यालय में उपलब्ध रिक्तियों के अनुसार केजी-1 हिंदी माध्यम में 50, केजी-1 अंग्रेजी माध्यम में 50, केजी-2 हिंदी माध्यम में 13, केजी-2 अंग्रेजी माध्यम में 6, कक्षा 1 हिंदी माध्यम में 40 तथा कक्षा 1 अंग्रेजी माध्यम में 6 सीटें खाली हैं। आवेदन पत्र प्राप्त करने से पूर्व अभिभावकों को यह प्रमाण देना अनिवार्य होगा कि उनका स्थायी निवास विद्यालय से 2 किलोमीटर की दूरी के भीतर है। यदि दस्तावेजों में किसी प्रकार की त्रुटि पाई जाती है तो प्रवेश के बाद भी प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।

प्राचार्य डॉ राहंगडाले ने बताया कि अन्य कक्षाओं में फिलहाल कोई रिक्त स्थान उपलब्ध नहीं है। यदि भविष्य में रिक्तियां उत्पन्न होती हैं तो केवल शासकीय विद्यालयों से ही नियमानुसार प्रवेश दिया जाएगा। यदि निर्धारित सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो विद्यार्थियों का चयन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा।

आयु सीमा के संबंध में बताया गया है कि केजी-1 के लिए 31 जुलाई की स्थिति में न्यूनतम आयु 4 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष 6 माह, जबकि केजी-2 के लिए न्यूनतम 5 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष 6 माह निर्धारित की गई है। वहीं कक्षा 1 के लिए 30 सितंबर की स्थिति में न्यूनतम 6 वर्ष तथा अधिकतम 7 वर्ष 6 माह आयु निर्धारित की गई है। विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के आवेदन पत्र अलग-अलग होंगे तथा जिस माध्यम में प्रवेश लिया जाएगा, उसमें भविष्य में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा।

जान जोखिम में डालकर लोग नहर के पार सीमेंट की परत में बना रहे कंडे

नहर में बह रहा पानी, कभी भी घटित हो सकता है हादसा, प्रशासन बेखबर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। प्रशासन की लापरवाही और लोगों की जानलेवा जोखिम का एक डरावना नजारा इन दिनों क्षेत्र की सीमेन्टीकरण नहरों के पास देखने को मिल रहा है। ऐसा ही एक नजारा ग्राम पंचायत बेलगांव के समीप से गुजरी ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर की पार सीमेन्ट की परत के ऊपर ग्रामीण महिलाएं अपनी जान जोखिम में डालकर कंडे थाप रहे है, यानि की कंडे बना रहे है। कंडे थापते समय अगर पैर फिसलते ही वे सीधे गहरे पानी में जा सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नही दे रहे है। जिससे ऐसा लगता है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है। इस तरह से कुछ ग्रामीणजन जान जोखिम में डालकर वैनगंगा बड़ी नहर के अंदर बनी सीमेंट की परत में गोबर के कंडे बना रहे है और यह नजारा बेलगांव पुलिया के दोनों ओर एक साईड में देखा जा सकता है जहां सुबह के समय महिलाएं उंडे बनाते हुए नजर आयेगी। साथ ही नहर में सीमेन्ट की बनी परत के ऊपर कंडे बने हुए काफी दूरी तक दिखाई दे रहे है। इसी तरह जिन ग्रामों के बीच से वैनगंगा बड़ी नहर गुजरी है उक्त ग्राम की महिलाएं भी जान जोखिम में डालकर नहर की सीमेन्ट की परत पर ठंडे बनाते नजर आ रहे है जो गलत है। प्रशासन को जिन ग्रामों की महिलाएं व ग्रामीणजन सीमेन्टीकरण नहर के ढलान यानि की सीमेन्ट की परत पानी वाले हिस्से की ओर कंडे थाप रहे है उन पर प्रतिबंध लगाना चाहिए।

नहर की सीमेन्ट की परत में कंडे बनाने पर प्रतिबंध लगाने की उठी मांग

आपकों बता दे कि ब्रिटिश शासनकाल में ढूटीवीयर से वैनगंगा बड़ी नहर निकली है जिसका निर्माण पूर्व में बीच से मिट्टी की खुदाई कर दोनों ओर मिट्टी की पार एवं बीच से नहर का निर्माण किया गया था और इस नहर के माध्यम से ढूटीवीयर का पानी खैरलांजी क्षेत्र तक पहुंचता था। वहीं नहर किनारे स्थित ग्रामों के किसान खरीफ एवं रबी सीजन में लगने वाली फसल में नहर का पानी से सिंचाई कर फसल उत्पादन लेते थे परन्तु समय-समय पर वैनगंगा बड़ी नहर का मरम्मत कार्य नही होने के कारण टेल क्षेत्र तक पानी नही पहुंच पा रहा था। जिससे किसानों के खेतों में लगी फसल पानी के अभाव में प्रभावित होती थी। इसलिए विगत वर्ष पूर्व करोड़ों रूपयों की लागत से शासन के द्वारा सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण किया गया है। जिसमें नहर के अंदर एवं पार की दोनों साईड में सीमेन्टीकरण किया गया है। जिसके बाद से पानी खैरलांजी क्षेत्र तक आसानी से पहुंच जा रहा है और खरीफ एवं रबी सीजन में लगने वाली फसल में किसान ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर में बह रहे पानी से सिंचाई कर फसल उत्पादन ले रहे है किन्तु ग्राम बेलगांव के समीप से गुजरी ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर के समीप निवासरत लोगों के द्वारा नहर के अंदर पार में सीमेन्ट की बनी नहर की परत में जान जोखिम में डालकर गोबर के कंडे बनाने का कार्य किया जा रहा है। जबकि नहर से करीब 4 से 5 फीट पानी बह रहा है और नहर के अंदर साईड पार के नीचे जो सीमेन्ट का बना हुआ परत है वह प्लैन (चिकना) है। अगर कंडे बनाते समय महिलाएं व ग्रामीणजन अनियंत्रित होते है तो वे सीधे नहर के अंदर पानी में गिर सकते है। जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित हो सकता है। वहीं ढूटीवीयर वैनगंगा बड़ी नहर विभाग के एसडीओं दिलीप परते से दूरभाष पर बेलगांव के समीप वैनगंगा बड़ी नहर पुलिया के दोनों ओर नहर के अंदर बनी सीमेन्ट की परत में जान जोखिम में डालकर कंडे बनाने वालों को रोकने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया परन्तु

बिंझवार समाज की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित आदिवासी सामुदायिक भवन में 8 मार्च को बिंझवार समाज की ब्लाक स्तरीय बैठक आहुत की गई है। चर्चा में ब्लाक अध्यक्ष खेमचंद मंडलवार ने बताया कि 8 मार्च को दोपहर 12 बजे से लालबर्रा स्थित आदिवासी सामुदायिक भवन में ब्लाक स्तरीय बिंझवार समाज की बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर विचार-विमर्श कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जायेगी। इस अवसर पर ग्राम समिति के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील बिंझवार समाज लालबर्रा ब्लाक अध्यक्ष खेमचंद मंडलवार, कमलेश हट्टेवार ने की है।

आदिवासी भवन में लाइनमैन दिवस का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

महाराजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह आदिवासी सामुदायिक भवन में मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तत्वाधान में लाइनमैन दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बालाघाट सिवनी लोकसभा सांसद श्रीमती भारती पारधी, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल ,विधायक विवेक पटेल ,कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात् उत्कृष्ट कार्य करने वाले बिजली विभाग के कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। वहीं अच्छे उपभोक्ताओं को भी सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सामुदायिक भवन परिसर में जिमनास्टिक कलाकारों के द्वारा कर्तब दिखाया गया। जिसमें नासिक महाराष्ट्र से पहुंचे जिमनास्टिक कलाकारों के द्वारा मोटरसाइकिल एवं अन्य प्रकार से हैरत अंगेज कारनामों को किया गया। इस दौरान कार्यपालन अभियंता बी एल भैना ,सहायक अभियंता राहुल तूरकर ,के एल गौतम ,प्रणय श्रीवास्तव ,राजकुमार शर्मा ,कन्हैया खैरवार, आनंद बिसेन, मनोज पाराशर सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

हर मौसम में लाइनमैन जान जोखिम में डालकर काम करता है-विवेक पटेल

विधायक विवेक विकी पटेल ने कहा कि गर्मी सर्दी बारिश हर मौसम में लाइनमैन जान जोखिम में डालकर काम करता है। वो अंधेरे में काम करके दूसरों को रोशनी देता है हमारा क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है सबसे ज्यादा समस्या जनता सिर्फ बिजली को लेकर पहुँचते है। क्षेत्र में बहुत से गांव में शासन की मंशा और मेरे विधायक निधि की राशि से कार्य चल रहा है। शासन कहता है किसानों को पांच रुपए में स्थाई कनेक्शन देंगे मगर नहीं मिल रहा है। जब बिजली की मांग बढ़ेगी को वोल्टेज की समस्या आएगी फिर भी कर्मचारी मेहनत करके समस्या का निराकरण करता है। विधानसभा सत्र में मैने आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में प्रश्न लगाया मुख्यमंत्री से चर्चा हुई उन्होंने आश्वस्त किया कि समस्या का हल निकाला जाएगा।

आप सभी से मेरा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मिलना हुआ- गौरवसिंह पारधी

विधायक गौरवसिंह पारधी ने कहा की मैं बालाघाट आया तो राजनीति में भी आ गया। बालाघाट का काम था तो मैं यहां पर आया था पूरा काम हमने किया आप सभी से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मिलना हुआ। हमने काम इस भावना से किया कि

विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी हुए सम्मानित

आने वाले समय फलीभूत हो करीब २० वर्षों तक यह काम रहे उसमें आप सभी का सहयोग मिला। मेरा प्रेमस्नेह विद्युत विभाग से जीतना है उतना शायद ही कोई दूसरे विभाग से हो। यह जो लाइन स्टाफ है उस पर बड़ी जिम्मेदारी होती है। हम चाहते हैं कि आगे स्टाफ के लिए संपर्क और प्रशिक्षण वाले कार्यक्रम होते रहना चाहिए।

व्यक्ति में उत्साह उमंग और नवाचार नहीं है तो वह जीवन में उदासी है-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि सर्वोच्च प्राथमिकता आपको सुविधा देना है आप सभी लाइनमैन है और उसी का यह सम्मान है। यदि व्यक्ति में उत्साह उमंग और नवाचार नहीं है तो वह जीवन में उदासी है और आपके उत्साह को बढ़ाने के लिए यह कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। सिंगौरी का मैं प्रभारी मंत्री था उस समय यह अधिकारी वहां थे वहां भी हमने बहुत काम किया। यह जो सम्मान कार्यक्रम है यह आपका महत्व बताता है कि कंपनी में आपका क्या महत्व है। आपकी एकजुट मेहनत से ही आज यह सफलता कंपनी और प्रदेश को मिल रही है। कभी कोई समस्या हो तो आप सभी चर्चा करें बातचीत करें और हल निकाले और फील्ड पर अपने परिवार का ध्यान रखते हुए मेहनत करें ताकि आप और आपका परिवार सुरक्षित रहे।

जनसंख्या बढ़ रही है आवश्यकता बढ़ रही है स्ट्रक्चर भी हमें बढ़ाने की जरूरत है-योगेंद्र निर्मल

पूर्व विधायक डॉ योगेंद्र निर्मल ने कहा कि पहले लालटेन में हम पढ़ाई करते थे वहां से यहां तक की कल्पना आपके माध्यम से पूरी हुई है। जिस ग्रामीण क्षेत्र में विद्युत और पोल तक नहीं थे आज वहां स्टेट लाइट है। एक दिन लाइनमैन दिवस पर लाइनमैन पर बोलना बहुत कुछ नहीं है। वास्तव में लाइनमैन के साथ कभी कोई दुर्घटना होती है तो उसकी जवाबदारी अधिकारी के बराबर हमारी भी है। हम मानते हैं वित्तीय स्थिति कमजोर है मैं विधायक था तब अधिकारी कहते थे नवोदय के सामने केंद्र का काम हो जाए समस्या का समाधान होगा। परंतु फिर मोहाड़ी और सिकंद्रा जैसे कितने बने समाधान आज भी नहीं हुआ है। क्योंकि जनसंख्या बढ़ रही है आवश्यकता बढ़ रही है स्ट्रक्चर भी हमें बढ़ाने की जरूरत है।

लाईनमैन जीवन की परवाह ना करते हुए हमारे लिए रोशनी प्रदान करते है-भारती पारधी

सांसद भारती पारधी ने कहा कि अपने जीवन की परवाह ना करते हुए हमारे लिए रोशनी प्रदान करते है। आप लोगों के कारण ही हम अपने परिवार वालो के साथ जगमगाती रोशनी के बीच दीपावली मनाते है। आप लोगों के कारण ही हम एसी और पंखों की ठंडी हवा ले पाते है समय आने पर कर्मचारियों को डांटते भी हम ही है। बिजली गुल होने पर लाइनमैन को शिकायत करते हैं लेट आने पर डॉट भी वहीं खाता है लाइनमैन विषम परिस्थितियों में भी मैदान में डटे रहते है। जल्द बाजी के कारण कार्य में लापरवाही ना करे पूरे सेफ्टी के साथ कम से कम दो लोग साथ में रहकर कार्य करें।

कक्षा पांचवी और आठवीं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ

२३६ मूल्यांकनकर्ता करेंगे २६२४६ उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के द्वारा कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं की बोर्ड परीक्षा बीते दिनों ही संपन्न करवाई गई थी। जिसकी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य ६ मार्च से प्रारंभ हो गया है। जिसके पश्चात् उक्त बोर्ड कक्षा का रिजल्ट जारी किया जायेगा।

इसी कड़ी में जनपद शिक्षा केंद्र वारासिवनी अंतर्गत विकासखंड स्तर पर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ६ मार्च से प्रारंभ किया गया। जिसमें पहले दिन मूल्यांकन के बारे में जानकारी देकर विस्तार पूर्वक समझाया गया। इसके बाद ७ मार्च से उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन प्रारंभ किया गया। जो १५ मार्च तक पूर्ण होने की संभावना मूल्यांकन केंद्र प्रभारी के द्वारा बताई जा रही है। इसके बाद २५ मार्च को राज्य शिक्षा केंद्र के द्वारा कक्षा पांचवी और आठवीं का रिजल्ट जारी किया जायेगा।

विकासखंड बदलकर हो रहा मूल्यांकन कार्य

इस दौरान बालाघाट जिले अंतर्गत किसी एक विकासखंड की उत्तर पुस्तिका का वारासिवनी में मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। वहीं वारासिवनी की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य जिले के किसी एक विकासखंड में किया जा रहा है। इस दौरान राज्य शिक्षा केंद्र के द्वारा मूल्यांकन कार्य कहां किसका होगा यह निर्धारण करवाया गया है। जिसमें पूरी तरह गोपनीयता रखी गई है यह कह सकते हैं कि छोटे स्तर पर बोर्ड पैटर्न पर मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है।

२६२४६ उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ

कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ हो गया है जिसमें कक्षा पांचवी में दर्ज २९९१परीक्षार्थियों में से २८८८ परीक्षार्थियों की ४ विषय की करीब ११५५२ उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए १२४ मूल्यांकनकर्ता की मैपिंग की गई है। वहीं कक्षा आठवीं में दर्ज २५५९ परीक्षार्थियों में से २३४९ परीक्षार्थियों के ६ विषय की करीब १४६९४ उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ११२ मूल्यांकनकर्ता की मैपिंग की गई है। इस प्रकार लगभग ५३३७ परीक्षार्थियों की २६२४६ उत्तर पुस्तिकाओं के लिए २३६ मूल्यांकनकर्ता की ड्यूटी लगाई गई है। परंतु वर्तमान तक लगभग १५० मूल्यांकनकर्ता के द्वारा केंद्र में उपस्थित होकर मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। तो वहीं ८६ मूल्यांकनकर्ता परीक्षा एवं अन्य कार्यों में व्यस्तता के चलते उपस्थित नहीं हो पाना बताया जा रहा है।

२५ मार्च को परीक्षा परिणाम होंगे घोषित-सत्येंद्र शरणागत

बीआरसी सत्येंद्र शरणागत ने चर्चा में बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार कक्षा पांचवी और आठवीं का मूल्यांकन कार्य ब्लॉक स्तर पर करवाया जा रहा है। जिसके लिए हमारे यहां कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केंद्र बनाया गया है जहां पर मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। ६ मार्च से यह प्रारंभ हुआ है प्रथम दिन मूल्यांकन की समस्त जानकारियां देने के बाद उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन कार्य प्रारंभ किया है। इसमें हमारे यहां की उत्तर पुस्तिका दूसरे ब्लॉक में मूल्यांकन के लिए गई है और दूसरे ब्लॉक की यहां पर उत्तर पुस्तिका आई है। बोर्ड परीक्षा को बोर्ड पैटर्न में मूल्यांकन किया जा रहा है हमारे द्वारा १५ मार्च तक शासन को परीक्षा परिणाम देना है। जो २५ मार्च को परीक्षा परिणाम जारी कर देगा।

गेहूं उपार्जन पंजीयन की तारीख बढ़ी, पोर्टल की गति नहीं

पंजीयन पोर्टल का सर्वर डाउन होने से नहीं हुए कोई पंजीयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन के द्वारा गेहूं उपार्जन के लिए वारासिवनी में वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति को केंद्र बनाया गया है। पंजीयन की अंतिम तारीख ७ मार्च से बढ़कर १० मार्च कर दी गई है। परंतु पोर्टल की गति पर इसका कोई असर देखने को नहीं मिला है। पंजीयन की अंतिम तारीख ७ मार्च होने के कारण सैकड़ो किसान केंद्र पर पहुंचे परंतु उन्हें निराश होकर ही वापस लौटना पड़ा। क्योंकि पूर्व की तरह ही पंजीयन पोर्टल का सर्वर डाउन रहा जिसमें किसी प्रकार का सुधार जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा नहीं किया गया। हालांकि पंजीयन के लिए तारीख बढ़ाकर १० मार्च कर दी गई है। अब देखना है कि इस 3 दिन के भीतर में पोर्टल का सर्वर सुधरता है या किसानों को निराशा का ही सामना करना पड़ेगा।

सर्वर की समस्या से किसान आक्रोशित

वारासिवनी क्षेत्र कृषि प्रधान है जहां अधिकांश लोगों के द्वारा खेती बाड़ी कर अपना जीवन निर्वाह किया जाता है। यह एकमात्र कार्य है जिस पर अधिकांश आबादी निर्भर है जिनके द्वारा खरीफ और रबी दोनों फसल लगाई जाती है। रबी में बहुत कम किसान गेहूं ,सरसों ,चना लगते हैं जिसे शासन के द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी किया जाता है। जिसके लिए मध्य प्रदेश शासन के द्वारा उपार्जन पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी इसमें गेहूं और सरसों के उपार्जन की अंतिम तारीख ७ मार्च थी। ऐसे में किसानों के द्वारा करीब १ मार्च से विकासखंड के एकमात्र उपार्जन केंद्र वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति में अपनी उपज का पंजीयन करने के लिए चक्कर लगाए जा रहे थे। परंतु इस दौरान पोर्टल में सर्वर की समस्या के चलते किसी किसान का भी पंजीयन नहीं हो पाया। पूर्व में ही जिन किसानों के द्वारा पंजीयन किया गया था उसके अलावा एक सप्ताह से सर्वर समस्या से आक्रोशित किसानों के द्वारा ६ मार्च को पैदल रैली निकालकर एसडीएम को ज्ञापन दिया गया था। जिसमें उनके द्वारा सर्वर सुधार करने और तारीख बढ़ाने की मांग की गई थी। हालांकि शासन के द्वारा पंजीयन के लिए तीन दिन बढ़कर १० मार्च अंतिम तारीख कर दी गई है। परंतु ७ मार्च को भी सर्वर में सुधार नहीं होने के कारण किसी किसान का पंजीयन नहीं हो पाया है। ऐसे में उक्त किसानों को निराश होकर लौटना पड़ा है। यह किसान पिछले एक सप्ताह से अपनी उपज का पंजीयन करने के लिए केंद्र के चक्कर लगा रहे हैं जिनके अंदर शासन प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है। क्योंकि समय रहते किसान की उपज का पंजीयन नहीं हुआ तो वह समर्थन मूल्य पर अपनी उपज देने से वंचित हो जाएंगे और आगे कई प्रकार की समस्याओं का सामना उन्हें करना पड़ेगा।

दूर-दूर से आ रहे किसान हो रहे परेशान

प्रशासनिक अधिकारियों के कहने पर किसानों के द्वारा रबी की फसल में गेहूं ,सरसों और चना की बुवाई की गई। जिसमें गेहूं और सरसों को समर्थन मूल्य पर देने के लिए अपना पंजीयन करवाने किसान समिति के चक्कर लगा रहे हैं। क्योंकि बीते एक सप्ताह से पोर्टल का सर्वर काम नहीं कर रहा है। इस दौरान देखने में आ रहा है कि विकासखंड का इकलौता केंद्र होने के कारण ३० किलोमीटर दूरी तक के किस रोजाना आना जाना कर रहे हैं। परंतु उनको निराशा ही हाथ लग रही है तो वहीं कई किसान इतने मजबूर है कि वह सुबह से रात तक केंद्र में बैठकर सर्वर की गति बढ़ाने का इंतजार कर रहे हैं। ताकि उनका किसी भी तरह पोर्टल पर पंजीयन हो जाए और अपनी उपज वह समर्थन मूल्य पर दे सके परंतु यहां भी उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है।

किसानो की फसल को बिचोलियो के हाथ में धकेल रही सरकार-सुभाष पारधी

कृषक संघ अध्यक्ष सुभाष पारधी ने बताया कि सरकार के द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी किसानों को बिचौलियों से बचने के लिए प्रारंभ की गई थी। परंतु अब सरकार ही किसानों को बिचौलियों के हाथ में धकेल रही है। पिछले एक सप्ताह से किसान समिति के चक्कर लगाकर परेशान हो रहा है। पंजीयन के लिए केवल एक समिति को केंद्र बनाया गया है उसके अलावा कोई व्यवस्था नहीं दी गई है। किसान बहुत ज्यादा परेशान है ७ मार्च अंतिम तारीख होने के चलते विभाग के अधिकारियों से चर्चा भी की गई। हालांकि सरकार ने पंजीयन की तारीख १० मार्च कर दी है परंतु पोर्टल में कोई सुधार नहीं किया गया है। किसान आज भी परेशान है सरकार किसानों की तरफ ध्यान नहीं दे रही है हर तरफ से आज किसान परेशान है। किसान के खेत में उसकी कड़ी मेहनत से आज फसल तैयार है पर सरकार की मंशा समर्थन मूल्य पर खरीदी की नहीं लग रही है तो वहीं कई किसान इतने मजबूर है कि वह सुबह से रात तक केंद्र में बैठकर सर्वर की गति बढ़ाने का इंतजार कर रहे हैं। ताकि उनका किसी भी तरह पोर्टल पर पंजीयन हो जाए और अपनी उपज वह समर्थन मूल्य पर दे सके परंतु यहां भी उन्हें निराशा ही हाथ लग रही है। यही कारण है कि पंजीयन पोर्टल को धीमा कर दिया गया है सर्वर बराबर काम नहीं कर रहा है। अब किसान के सामने बहुत खराब स्थिति निर्मित हो रही है इस पर जिला प्रशासन को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। यदि ऐसा ही रहा तो सैकड़ो किसान समर्थन मूल्य से वंचित हो जायेंगे बाद में औने पौने दामों में अपनी फसल व्यापारियों को बेचनी पड़ेगी। यह सीधे उनको नुकसान होगा सरकार ने यदि पंजीयन की तारीख बढ़ाई है तो पंजीयन पोर्टल का सर्वर भी ठीक करना चाहिए। क्योंकि किसानों के सामने तीन दिन का समय है ऐसे में हर किसान का पंजीयन निश्चित समय अवधि में हो जाए इस पर विचार करना चाहिए। आज देखने में आ रहा है कि समिति में सुबह १० बजे से रात के ९ तक किसान अपना पंजीयन करने के लिए समय व्यतीत कर रहे हैं। परंतु पोर्टल में एक पंजीयन होने लायक सर्वर की स्थिति नहीं देखने को मिल रही है यह बिल्कुल गलत है।

हल्बा कोष्टि समाज का होली मिलन समारोह आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री राम मंदिर परिसर में ८ मार्च को हल्बा कोष्टि समाज के तत्वाधान में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में प्रारंभ किया जाएगा। जिसमें हल्बा कोष्टि परिवार होली मिलन समारोह हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिसमें बुजुर्गों का सम्मान एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ स्नेह भोज का आयोजन भी किया गया है। वही भव्य आर्केस्ट्रा के माध्यम से होली के मधुर गीतों की शानदार प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाने की अपील किशोर डेकाटे ,आशुतोष कोहाड़ ,सुदेश धार्मिक ,प्रणय धार्मिक, समृद्ध कुंभारे ,संजय नंदनवार, खेमेन्द्र धार्मिक ,सोनू धार्मिक ,मनीष नंदनवार ,अनुप बोकडे ,शुभम पौनिकार ,गुंजन निनावे ,गोपाल नंदनवार ,तुकाराम लिमजे सहित हल्बा कोष्टि युवा समिति एवं समस्त हल्बा कोष्टि समाज ने की है।

एक समाजवादी का शिखर से ढलान

बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के मुखिया नीतीश कुमार अपना पद छोड़ रहे हैं और सक्रिय राजनीति से किनारे हो रहे हैं। संभवत– भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से नामित व्यक्ति मुख्यमंत्री के रूप में उनकी जगह लेगा। हालांकि सब अचानक घटित होता लग रहा है, लेकिन यह कई सालों से पक रहा था। यह ठीक उसी पैटर्न पर हो रहा है जिस पर भाजपा नये इलाकों और सामाजिक समूहों में अपना विस्तार करती है। नीतीश कुमार वर्षों से भाजपा और कांग्रेस-नीत विपक्ष के बीच डोलते रहे हैं, और अब भी उन्हें राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के एक ठीकठाक हिस्से की वफादारी हासिल है। पचहत्तर साल की उम्र में बुढ़ापे ने उन्हें कमजोर कर दिया था, और उनका ढलान पर होना सभी को दिख रहा था, फिर भी वह गद्दी पर बने रहे ङ्क जो उनकी राजनीतिक अपरिहार्यता का सबूत था। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 243 में से 202 सीटों पर बड़ी जीत दर्ज की, और जदयू की 85 सीटों के मुकाबले भाजपा 89 सीटों के साथ अकेली सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। भाजपा शुरू में नीतीश कुमार को एनडीए का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की अनिच्छुक थी, जबकि उसे यह अंदाजा था कि गठबंधन उनके बगैर चुनाव लड़ने का जोखिम नहीं ले सकता। रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लिये हुए चार महीने भी नहीं हुए कि उन्होंने 5 मार्च को राज्यसभा के लिए नामांकन भरा। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री उनके साथ मौजूद थे। भाजपा फूंक-फूंक कर कदम उठा रही है, और विभिन्न हिंदू जातीय समूहों को एकसाथ रखने वाले सामाजिक संयोजन को बिना बिगाड़े नीतीश कुमार को आहिस्ता से हाशिये पर धकेलने की कोशिश कर रही है। ओबीसी के प्रति कोई भी अपमान भाव राजनीतिक रूप से महंगा पड़ सकता है; लेकिन पार्टी बिहार की राजनीति में अपनी प्रधानता को औपचारिक रूप देने के लिए भी उतनी ही कृतसंकल्प है, जो कम-से-कम विधानसभा चुनाव 2020 से, जब उसने जदयू की 43 सीटों के मुकाबले 74 सीटें जीतीं, एक वास्तविकता है।

बिहार में यह बदलाव भाजपा के विकास के चार-दशक के पैटर्न के अनुरूप भी है। यह हिंदुत्ववादी पार्टी पहले क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन के जरिये नये इलाकों और नये सामाजिक समूहों में पैर जमाती है, फिर शीर्ष पर पहुंचती है, और आखिर में अपने पूर्व-सहयोगी की जगह काबिज हो जाती है। साल 2020 में, भाजपा ने जदयू को सीटों की संख्या में पहले ही पछाड़ दिया था, लेकिन गठबंधन बचाये रखने और नीतीश कुमार को पद पर बनाये रखने की खातिर उसने अपनी महत्वाकांक्षा को दबा लिया। साल 2025 में, 85 के मुकाबले 89 सीटों के साथ उसने बढ़त बरकरार रखी और इस अटल बदलाव के लिए राज्यसभा की रिक्तियों ने अवसर और आवरण मुहैया कराया। बिहार इस पैटर्न का सबसे ताजा उदाहरण है, जो महाराष्ट्र में हाल ही में दिखे टेंपलेट का अनुसरण करता है, जहां विधानसभा चुनाव एकनाथ शिंदे के नाम के तले लड़े गये, लेकिन महायुति की जीत के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी भाजपा के देवेंद्र फडणवीस ने संभाली। नीतीश कुमार का सूरज ढलने के साथ, बिहार में पिछली आधी सदी से चल रही सामाजिक न्याय की राजनीति ङ्क जिसकी जड़ें लोहियावादी दावेदारी, ओबीसी गोलबंदी, और ऊंची जातियों के दबदबे के प्रतिरोध में हैं ङ्क का पन्ना पलटने जा रहा है। इसमें एक निश्चित अंतिम परिणति निहित है।

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भव:' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है।

वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को 'कमजोर' मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया।

जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है- ''सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।'' यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव हैं। परंतु इस परिवर्तन की शुरुआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते हैं, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। इतिहास गवाह है कि जब नारी ने अपने आत्मबल को पहचाना है, तब समाज की दिशा बदल गई है। शिक्षा और आत्मविश्वास नारी के लिए वही भूमिका निभाते हैं जो प्रकाश अंधकार के लिए करता है। आज की नारी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि परिवर्तन की निर्माता है। वह विज्ञान में शोध कर रही है, आकाश में विमान उड़ा रही है, संसद में कानून बना रही है, और समाज में नेतृत्व कर रही है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नारी सम्मान का प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता का प्रश्न है। जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होती है, वही समाज वास्तव में विकसित और मानवीय कहलाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि नारी को सम्मान देने का कार्य केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की सामाजिक चेतना होना चाहिए। जब समाज यह स्वीकार कर लेगा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता है, तब वह दिन दूर नहीं होगा जब 'नारी सशक्तिकरण' शब्द की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी- क्योंकि नारी स्वाभाविक रूप से सशक्त होगी और तब शायद दुनिया सचमुच उस आदर्श को जी पाएगी, जिसे भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्ष पहले कहा था-卐यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।

- ललित गर्ग

कनाडा और भारत के रिश्ते

भारत और कनाडा को 2023 में निज्जर हत्याकांड के बाद बिगड़े रिश्तों को फिर से सुधारने के लिए मुश्किल रास्तों से गुजरना पड़ा है। लेकिन इस हफ्ते कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी वार्ता के जरिए इस दिशा में एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया गया। यह प्रक्रिया पिछले साल सार्वजनिक रूप से भारत पर उक्त हत्या में शामिल होने का आरोप लगाने वाले कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के पद छोड़ने के बाद और उनकी जगह कार्नी के आने व मोदी को कनाडा के कनानास्किस में जी-7 सम्मेलन में भाग लेने के न्योते के साथ शुरू हुई। तब से दोनों मुल्कों ने यह दिखाया है कि वे सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर गहरे मतभेदों को सुलझा सकते हैं। पिछले महीने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल की ओटावा यात्रा ने खालिस्तान के मुद्दे और विदेशी हस्तक्षेप के मसले पर एक-दूसरे के रुख को बेहतर ढंग से समझना संभव बनाया। पहले इस यात्रा की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। दोनों देशों में उच्चायुक्त नियुक्त किए गए और दोनों पक्षों ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) तथा अन्य क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा फिर से शुरू की। कार्नी की यात्रा और मोदी के साथ पटरी भू-राजनैतिक कारकों की वजह से भी संभव हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के व्यापार एवं शुल्क और विदेश नीति के मसले पर एकतरफा कदमों ने दुनिया के अधिकांश मुल्कों को अपने रिश्तों में विविधता लाने और ऐसे साझेदार तलाशने के लिए प्रेरित किया है जिनके साथ वे पहले रिश्ते नहीं बनाते थे। राजनीति के घोर यथार्थवादी चरण में, भारत और कनाडा ने चीन के साथ रिश्ते बहाल कर लिए हैं। हालांकि, चीन के व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण को लेकर आशंकाएं बनी हुई हैं। अंत में, जनवरी में दावोस में दिए गए कार्नी के भाषण की गूंज भारत में भी सुनी गई। इस भाषण में उन्होंने महाशक्तियों की गतिविधियों के खिलाफ 卐मध्यम स्तर की ताकतों卐 और बहुपक्षवाद का आह्वान किया था। गौरतलब है कि ऐन ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले के वक्त भारत पहुंचे कार्नी ने ऑस्ट्रेलिया और जापान जाने से पहले भारत में अपनी बैठकें जारी रखीं। दिल्ली में, भारत और कनाडा सीईपीए के संदर्भ की शर्तों पर राजी हुए। इसका मकसद इस साल व्यापार समझौते को पूरा करना और भारतीय परमाणु रिएक्टरों के लिए कनाडा के यूरेनियम की आपूर्ति के वास्ते 10 साल के समझौते को अंतिम रूप देना है। दोनों मुल्कों ने अक्षय ऊर्जा, तकनीक और नवीन खोज के क्षेत्र में साझेदारी बनाने के साथ-साथ रक्षा संवाद स्थापित करने का भी फैसला लिया। लेकिन 1970 के दशक से, मुख्य रूप से खालिस्तान के मुद्दे को लेकर, रिश्तों को बिगाड़ने वाली दुर्भावना के इतिहास के अध्याय को पलटने के लिए ज्यादा स्पष्टता और विश्वास की जरूरत होगी। दिल्ली की बैठक से ठीक पहले, कनाडा की मीडिया में छपी निज्जर मामले और विदेशी हस्तक्षेप के अन्य मामलों में भारत के हाथ के बारे मे स्पष्ट रूप से कनाडा की खुफिया एजेंसियों के सुरागों से प्रेरित रिपोर्टों से इन मसलों पर कनाडा की सरकार के भीतर चल रही आंतरिक कलह के संकेत मिले। संयुक्त बयान में भारत और कनाडा के बीच चरमपंथी समूहों एवं पारराष्ट्रीय दमन को लेकर लगे आरोपों से जुड़े मुद्दों को भले ही नजरअंदाज कर दिया गया, लेकिन अगर इन मुद्दों को अनसुलझा छोड़ दिया गया तो ये फिर से सामने आएंगे। खासकर, वैसी स्थिति में जब कनाडा के अधिकारी निज्जर मामले में मुकदमे की दिशा में बढ़ रहे हैं। दोनों मुल्कों के बीच सफल साझेदारी के लिए आपसी मतभेदों पर ज्यादा ईमानदार बातचीत और सार्वजनिक व्यवहार में पारस्परिक सम्मान की जरूरत होगी।

तिब्बत, शरणार्थी का दर्द

तिब्बत हमेशा अपनी आजादी के लिए लगभग 70सालों से चीन के चंगुल से अपने आप को छुड़ाने की गुहार विश्व पटल पर लगा रहा हैदुनिया में आज कोई ऐसा देश खोजना मुश्किल है, जिस पर इतिहास के किसी दौर में किसी विदेशी ताक़त का प्रभाव या अधिपत्य न रहा हो। तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाज़ी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है। हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत 12 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ और अशांति से भरा एक कटा हुआ इलाका है। इसका इतिहास कई तरह के झटकों और परेशानियों से भरा हुआ है। 1013 ई0 में नेपाल से धर्मपाल तथा अन्य बौद्ध विद्वान् तिब्बत गए। 1042 ई0 में दीपंकर श्रीज्ञान अतिशा तिब्बत पहुँचे और बौद्ध धर्म का प्रचार किया। शाक्यवंशियों का शासनकाल 1207 ई0 में प्रारंभ हुआ। मंगोलों का अंत 1720 ई0 में चीन के माँछु प्रशासन द्वारा हुआ। तत्कालीन साम्राज्यवादी अंग्रेंजों ने, जो दक्षिण पूर्व एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करते जा रहे थे, यहाँ भी अपनी सत्ता स्थापित करनी चाही, पर 1788-1792 ई0 के गुरखों के युद्ध के कारण उनके पैर यहाँ नहीं जम सके। परिणाम स्वरूप 19 वीं शताब्दी तक तिब्बत ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थिर रखी यद्यपि इसी बीच लद्दाख़ पर कश्मीर के शासक ने तथा सिक्किम पर अंग्रेंजों ने आधिपत्य जमा लिया। अंग्रेंजों ने अपनी व्यापारिक चौकियों की स्थापना के लिये कई असफल प्रयत्न किया। इतिहास के मुताबिक तिब्बत को दक्षिण में नेपाल से भी कई बार युद्ध करना पड़ा और नेपाल ने इसको हराया। नेपाल और तिब्बत की सन्धि के मुताबिक तिब्बत को हर साल नेपाल को 5000 नेपाली रुपये हरज़ाना भरना पड़ा। इससे आजित होकर नेपाल से युद्ध करने के लिये चीन से मदद माँगी चीन के मदद से उसने नेपाल से छुटकारा तो पा लिया लेकिन इसके बाद 1906-07 ई0 में तिब्बत पर चीन ने अपना अधिकार कर लिया और याटुंग ग्याड्से एवं गरटोक में अपनी चौकियाँ स्थापित की। 1912 ई0 में चीन से मांछु शासन अंत होने के साथ तिब्बत ने अपने को पुन– स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया। सन् 1913-14 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की बैठक शिमला में हुई जिसमें इस विशाल पठारी राज्य को भी भागों में विभाजित कर दिया गया– 23 मई, 1951 को तिब्बत ने चीन के इस विवादित समझौते पर साइन किए थे। 13वीं शातब्दी में तिब्बत, मंगोल साम्राज्य का हिस्सा था और जीत के बाद से इसे हमेशा स्वायत्तता हासिल रही। इस सरकार की विस्तारवादी नीतियों के चलते 1950 में चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। करीब 8 महीनों तक तिब्बत पर चीन का कब्जा चलता रहा। आखिरकार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 17 बिंदुओं वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन मुख्यत: बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत सुदूर इलाके को संसार की छत के नाम से भी जाना जाता है। चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है।चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वफादारी अपने निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं।दलाई लामा को उनके अनुयायी एक जीवित ईश्वर के तौर पर देखते हैं तो चीन उन्हें एक अलगाववादी ख़तरा मानता है।तिब्बत का इतिहास बेहद उथल-पुथल भरा रहा है। कभी वो एक खुदमुख़्तार इलाके के तौर पर रहा तो कभी मंगोलिया और चीन के ताक़तवर राजवंशों ने उस पर हुकूमत की। लेकिन साल 1950 में चीन ने इस इलाके पर अपना झंडा लहराने के लिए हज़ारों की संख्या में सैनिक भेज दिए। तिब्बत के कुछ इलाकों को स्वायत्तशासी क्षेत्र में बदल दिया गया और बाक़ी इलाकों को इससे लगने वाले चीनी प्रांतों में मिला दिया गया।लेकिन साल 1959 में चीन के ख़िलाफ़ हुए एक नाकाम विद्रोह के बाद 14वें दलाई लामा को तिब्बत छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी जहां उन्होंने निर्वासित सरकार का गठन किया। साठ और सत्तर के दशक में चीन की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान तिब्बत के ज़्यादातर बौद्ध विहारों को नष्ट कर दिया गया। माना जाता है कि दमन और सैनिक शासन के दौरान हज़ारों तिब्बतियों की जानें गई थीं।चीन और तिब्बत के बीच विवाद, तिब्बत की क़ानूनी स्थिति को लेकर है। चीन कहता है कि तिब्बत तेरहवीं शताब्दी के मध्य से चीन का हिस्सा रहा है लेकिन तिब्बतियों का कहना है कि तिब्बत कई शताब्दियों तक एक स्वतन्त्र राज्य था और चीन का उसपर निरंतर अधिकार नहीं रहा। मंगोल राजा कुबलई ख़ान ने युआन राजवंश की स्थापना की थी और तिब्बत ही नहीं बल्कि चीन, वियतनाम और कोरिया तक अपने राज्य का विस्तार किया था।फिर सत्रहवीं शताब्दी में चीन के चिंग राजवंश के तिब्बत के साथ संबंध बने। 260 साल के रिश्तों के बाद चिंग सेना ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया। लेकिन तीन साल के भीतर ही उसे तिब्बतियों ने खदेड़ दिया और 1912 में तेरहवें दलाई लामा ने तिब्बत की स्वतन्त्रता की घोषणा की। फिर 1951 में चीनी सेना ने एक बार फिर तिब्बत पर नियन्त्रण कर लिया और तिब्बत के एक शिष्टमंडल से एक संधि पर हस्ताक्षर करा लिए जिसके अधीन तिब्बत की प्रभुसत्ता चीन को सौंप दी गई। दलाई लामा भारत भाग आए और तभी से वे तिब्बत की स्वायत्तता के लिए संघर्ष कर रहे हैं।जब 1949 में चीन ने तिब्बत पर क़ब्ज़ा किया तो उसे बाहरी दुनिया से बिल्कुल काट दिया।तिब्बत में चीनी सेना तैनात कर दी गई, राजनीतिक शासन में दख़ल किया गया जिसकी वजह से तिब्बत के नेता दलाई लामा को भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी।फिर तिब्बत का चीनीकरण शुरू हुआ और तिब्बत की भाषा, संस्कृति, धर्म और परम्परा सबको निशाना बनाया गया।किसी बाहरी व्यक्ति को तिब्बत और उसकी राजधानी ल्हासा जाने की अनुमति नहीं थी, इसीलिये उसे प्रतिबन्धित शहर कहा जाता है। विदेशी लोगों के तिब्बत आने पर ये पाबंदी 1963 में लगाई गई थी। हालांकि 1971 में तिब्बत के दरवाज़े विदेशी लोगों के लिए खोल दिए गए थे।चीन और दलाई लामा का इतिहास ही चीन और तिब्बत का इतिहास है। सन 1409 में जे सिखांपा ने जेलग स्कूल की स्थापना की थी। इस स्कूल के माध्यम से बौद्ध धर्म का प्रचार किया जाता था।यह जगह भारत और चीन के बीच थी जिसे तिब्बत नाम से जाना जाता है। इसी स्कूल के सबसे चर्चिच छात्र थे गेंदुन द्रुप। गेंदुन आगे चलकर पहले दलाई लामा बने। बौद्ध धर्म के अनुयायी दलाई लामा को एक रूपक की तरह देखते हैं। इन्हें करुणा के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। दूसरी तरफ इनके समर्थक अपने नेता के रूप में भी देखते हैं। दलाई लामा को मुख्य रूप से शिक्षक के तौर पर देखा जाता है। लामा का मतलब गुरु होता है। लामा अपने लोगों को सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देते हैं। तिब्बती बौद्ध धर्म के नेता दुनिया भर के सभी बौद्धों का मार्गदर्शन करते हैं।1630 के दशक में तिब्बत के एकीकरण के वक़्त से ही बौद्धों और तिब्बती नेतृत्व के बीच लड़ाई है। मान्चु, मंगोल और ओइरात के गुटों में यहां सत्ता के लिए लड़ाई होती रही है। अंतत: पांचवें दलाई लामा तिब्बत को एक करने में कामयाब रहे थे। इसके साथ ही तिब्बत सांस्कृतिक रूप से संपन्न बनकर उभरा था। तिब्बत के एकीकरण के साथ ही यहां बौद्ध धर्म में संपन्नता आई। जेलग बौद्धों ने 14वें दलाई लामा को भी मान्यता दी। दलाई लामा के चुनावी प्रक्रिया को लेकर ही विवाद रहा है। 13वें दलाई लामा ने 1912 में तिब्बत को स्वतंत्र घोषित कर दिया था। करीब 40 सालों के बाद चीन के लोगों ने तिब्बत पर आक्रमण किया। चीन का यह आक्रमण तब हुआ जब वहां 14वें दलाई लामा के चुनने की प्रक्रिया चल रही थी। तिब्बत को इस लड़ाई में हार का सामना करना पड़ा। कुछ सालों बाद तिब्बत के लोगों ने चीनी शासन के ख़िलाफ़ विद्रोह कर दिया। ये अपनी संप्रभुता की मांग करने लगे।हालांकि विद्रोहियों को इसमें सफलता नहीं मिली। दलाई लामा को लगा कि वह बुरी तरह से चीनी चंगुल में फंस जाएंगे। इसी दौरान उन्होंने भारत का रुख किया। दलाई लामा के साथ भारी संख्या में तिब्बती भी भारत आए थे। यह साल 1959 का था। चीन को भारत में दलाई लामा को शरण मिलना अच्छा नहीं लगा। तब चीन में माओत्से तुंग का शासन था। दलाई लामा और चीन के कम्युनिस्ट शासन के बीच तनाव बढ़ता गया। दलाई लामा को दुनिया भर से सहानुभूति मिली लेकिन अब तक वह निर्वासन की ही ज़िंदगी जी रहे हैं।चीन-तिब्बत संबंधों से जुड़े कई सवाल हैं जो लोगों के मन में अक्सर आते हैं। जैसे कि क्या तिब्बत चीन का हिस्सा है? चीन के नियंत्रण में आने से पहले तिब्बत कैसा था? और इसके बाद क्या बदल गया? तिब्बत की निर्वासित सरकार का कहना है, इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि इतिहास के अलग-अलग कालखंडों में तिब्बत विभिन्न विदेशी शक्तियों के प्रभाव में रहा था। मंगोलों, नेपाल के गोरखाओं, चीन के मंचू राजवंश और भारत पर राज करने वाले ब्रितानी शासक, सभी की तिब्बत के इतिहास में कुछ भूमिकाएं रही हैं। लेकिन इतिहास के दूसरे कालखंडों में वो तिब्बत था जिसने अपने पड़ोसियों पर ताक़त और प्रभाव का इस्तेमाल किया और इन पड़ोसियों में चीन भी शामिल था।1951में चीन ने एक शांति प्रिय देश को गुलाम बनाकर भगवान बुद्ध की पावन नगरी को तहस नहस कर दिया है सन1961 में तिब्बत के 14वें धर्म गुरु दलाई लामा ने लगभग 85हजार अनुयाई के साथ भारत के धर्मशाला(एचपी) में अपना अस्तित्व को बनाए रखने के लिए अपना अस्थाई स्ट्रक्चर सीटीए के रूप में अपने वजूद को बचाने के लिए बहुत ही मुश्किल समय में सरकार चला रहा है और भारत भी उनके साथ हिम्मत से खड़ा है 48मंत्रिमंडल बाले तिब्बत के अस्थाई सरकार को चलाने के लिए विश्व से अपनी आजादी की मांग कर रहा है हालांकि भारत ने मैत्रीपूर्ण संबंध में कोई कमी नहीं होने दिया है संसदीय मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मौजूदा दलाई लामा के अलावा किसी को भी 15वें दलाई लामा के बारे में फैसला करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी 14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो द्वारा 6 जुलाई को 90 वर्ष पूरे करने के बाद की, जिसके बाद उन्होंने दलाई लामा को पूर्ण अधिकार सौंपे। दलाई लामा ने चीन को सीधी चुनौती देते हुए कहा है कि उनके नाम से संचालित सदियों पुरानी आध्यात्मिक संस्था उनकी मृत्यु के बाद भी जारी रहेगी और उनके उत्तराधिकारी की पहचान करने का अधिकार केवल उनके करीबी लोगों को होगा न कि बीजिंग को। इस सप्ताहांत अपने 90वें जन्मदिन से पहले प्रार्थना समारोह के दौरान 19 जून बुधवार को धर्मशाला, में संदेश में 14वें दलाई लामा ने कहा कि उनके मामलों का प्रबंधन करने वाला गदेन फोडरंग ट्रस्ट उनके पुनर्जन्म की खोज की देखरेख करेगा। उन्होंने धर्मशाला में कहा, इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। धर्मशाला उत्तर भारत का पहाड़ी शहर है, जो निर्वासित तिब्बती सरकार की सीट है। पिछली परंपरा के अनुसार, मेरे पुनर्जन्म की खोज और 15वें दलाई लामा के नामकरण का काम किया जाएगा। दलाई लामा ने पहले संकेत दिया था कि वे इस कतार में सबसे आखिरी हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वरिष्ठ आध्यात्मिक नेताओं के साथ परामर्श और चीनी शासित तिब्बत सहित तिब्बती जनता की अपील ने उन्हें इसके विपरीत समझा दिया है। उन्होंने वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं की सभा में कहा, इन सभी अनुरोधों के अनुसार, मैं पुष्टि करता हूं कि दलाई लामा की संस्था जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि स्पष्ट लिखित निर्देश छोड़े जाएंगे, लेकिन उन्होंने उनकी विषय-वस्तु के बारे में विस्तार से नहीं बताया।एशिया में बहने वाली कई बड़ी नदियां तिब्बनत से ही निकलती हैं। ऐसे में जब भी पानी की किल्लत होगी ये इलाका भारत के लिए फायदे साबित होगा। यहां पर लिथियम, यूरेनियम और सबसे अहम यहां भरपूर मात्रा में पाया जाता है अयस्कों के खनन के लिए तिब्बित बहुत महत्वपूर्ण है यूरेनियम के भंडार होने के कारण तिब्बत परमाणु उद्योग के लिए अच्छा साबित होगा। तिब्बत भारत और चीन के बीच मुख्य मुद्दा है। मगर इसका हल शांति से हो। तिब्बित समस्या् का हल निकलने के बाद भारत और चीन के बीच जो सीमा विवाद है, उसका हल भी निकल आएगा।

-संजय गोस्वामी

डिजिटल फ्रॉड पर मिलेगी राहत, 25,000 तक मुआवजे का प्रस्ताव

नई दिल्ली। एजेंसी। डिजिटल भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल के बीच ग्राहकों को बैंकिंग फ्रॉड से राहत देने के लिए रिजर्व आफ इंडिया (आरबीआई) नए नियम लाने की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित ड्राफ्ट के अनुसार छोटे डिजिटल फ्रॉड के मामलों में पीडि़त ग्राहकों को मुआवजा देने की व्यवस्था की जाएगी। योजना है कि यह नियम 1 जुलाई 2026 से लागू किया जाए। आरबीआई के प्रस्ताव के मुताबिक यदि किसी ग्राहक को डिजिटल बैंकिंग के जरिए 50,000 रुपये तक का नुकसान होता है, तो उसे 85 प्रतिशत तक राशि या अधिकतम 25,000 रुपये (जो कम हो) तक मुआवजा मिल सकता है। हालांकि यह सुविधा ग्राहक को जीवन में केवल एक बार दी जाएगी। प्रस्तावित नियम इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग के कई माध्यमों पर लागू होंगे। इनमें यूपीआई पेमेंट, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, डेबिट और क्रेडिट कार्ड से भुगतान तथा एटीएम ट्रांजैक्शन शामिल हैं। यह नियम मुख्य रूप से कमर्शियल बैंकों पर लागू होंगे। ड्राफ्ट के अनुसार, जब ग्राहक खुद ओटीपी, पिन या पासवर्ड डालकर भुगतान करता है, तो उसे ऑथराइज्ड ट्रांजैक्शन माना जाएगा। वहीं यदि किसी स्कैमर ने धोखे से ओटीपी या बैंक डिटेल हासिल कर ली हो, या ग्राहक को खुद को बैंक या संस्था बताकर पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया हो, तो ऐसे मामलों को फ्रॉड ट्रांजेक्शन माना जा सकता है। आरबीआई ने बैंक और ग्राहक दोनों की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने का प्रस्ताव रखा है। बैंक की लापरवाही में असुरक्षित सिस्टम, ट्रांजेक्शन अलर्ट न भेजना या फ्रॉड रिपोर्टिंग की सुविधा न देना शामिल है। वहीं ग्राहक की लापरवाही में ओटीपी साझा करना, बैंक की चेतावनी को नजरअंदाज करना या संदिग्ध ऐप डाउनलोड करना शामिल है। मुआवजा पाने के लिए ग्राहक को 5 दिनों के भीतर बैंक और साइबर क्राइम पोर्टल या हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज करनी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम डिजिटल भुगतान प्रणाली में ग्राहकों का भरोसा बढ़ाने में मदद करेगा।

विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर, भारत की आर्थिक मजबूती का संकेत

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक खबर सामने आई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4.88 अरब डॉलर बढ़कर 728.49 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह यह 2.11 अरब डॉलर घटकर 723.60 अरब डॉलर रहा था। इससे पहले 13 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 725.72 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचा था। आरबीआई के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) होता है। रिपोर्टिंग सप्ताह में यह 56.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 573.12 अरब डॉलर हो गया। डॉलर में दर्शाए जाने वाले इन एसेट्स में यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य विदेशी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है। इस सप्ताह भारत के गोल्ड रिजर्व में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। सोने का भंडार 4.14 अरब डॉलर बढ़कर 131.63 अरब डॉलर हो गया। वहीं इंटरनेशनल मोंटरी फंड में भारत के स्पेशल ड्राइंग राइट (एसडीआर) 2.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.87 अरब डॉलर हो गए। आईएमएफ में देश की रिजर्व पोजीशन भी 15.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.87 अरब डॉलर पर पहुंच गई। विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है। पर्याप्त फॉरेक्स रिजर्व होने से देश आसानी से आयात का भुगतान कर सकता है और वैश्विक आर्थिक संकट के समय यह सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक जरूरत पड़ने पर बाजार में हस्तक्षेप कर मुद्रा को स्थिर रखने में भी इसका उपयोग करता है। बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में देश की आर्थिक विश्वसनीयता मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाता है।

पश्चिम एशिया संकट से भारतीय अर्थव्यवस्था पर संभावित दबाव

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव लंबा खिंचने की स्थिति में भारतीय रुपये की विनिमय दर पर दबाव बढ़ सकता है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कच्चे तेल और एलएनजी जैसे बड़े आयातों पर निर्भरता के कारण मुद्रा अवमूल्यन का खतरा है। साथ ही सुरक्षित निवेश की ओर वैश्विक पूंजी प्रवाह भी रुपये पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है। पेट्रोलियम और उर्वरकों की बढ़ती कीमतें महंगाई बढ़ाने का जोखिम पैदा कर सकती हैं। हालांकि, भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और नियंत्रित महंगाई के कारण वैश्विक मूल्य वृद्धि का असर आंशिक रूप से संतुलित है। वित्त मंत्रालय ने चेताया है कि संकट लंबे समय तक जारी रहा तो यह दबाव बढ़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू खाता घाटा फिलहाल कम है और बाहरी क्षेत्र स्थिर बना हुआ है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय व्यापार कूटनीति निर्यात गंतव्यों का विविधीकरण कर रही है, जिससे मध्यम अवधि में बाह्य मजबूती बढ़ने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत और वास्तविक सकल मूल्यवर्धन वृद्धि 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जनवरी 2026 में आर्थिक गतिविधियां मजबूत रहीं, जिसमें लॉजिस्टिक गतिविधियों, पीएमआई विस्तार और मजबूत मांग ने योगदान दिया।

रूस ने भारत भेजे जाने वाले कच्चे तेल के आंकड़े गोपनीय रखने का फैसला किया

नई दिल्ली। एजेंसी। रूस ने भारत को निर्यात किए जाने वाले कच्चे तेल के आंकड़ों को सार्वजनिक न करने का निर्णय लिया है। क्रेमलिन के एक प्रवक्ता ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और बढ़ती भू-राजनीतिक संवेदनशीलता को देखते हुए यह कदम रूस के हित में जरूरी है। उनका कहना है कि कई देश और समूह रूस के ऊर्जा व्यापार पर नजर रखे हुए हैं और उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा है और ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता दिखाई दे रही है। हाल ही में अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत की रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट देने की बात कही थी।

सेंसेक्स और निफ्टी में दिखा एक साल से भी ज्यादा का दबाव

मुंबई। एजेंसी। इस हफ्ते 6 मार्च को समाप्त भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण समय रहा। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में लगातार गिरावट देखी गई, जिससे निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई। कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने भी निवेशकों की चिंता को बढ़ाया। परिणामस्वरूप हफ्ते के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह होली के अवसर पर शेयर बाजार 3 मार्च को बंद रहा, जिसकी वजह से घरेलू शेयर बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को ही बाजार लाल निशान में शुरू हुआ। शुरुआती सत्र में भारी

बिकवाली से सेंसेक्स 1,048.34 अंक गिरकर 80,238.85 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 312.95 अंक की गिरावट के साथ 24,865.70 पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेत निवेशकों की सतर्कता को बढ़ाने वाले मुख्य कारण रहे। बुधवार को भी स्थिति अनुकूल नहीं रही। सेंसेक्स 1,122.66 अंक गिरकर 79,116.19 पर और निफ्टी 385.20 अंक गिरकर 24,480.50 पर बंद हुआ। हालांकि गुरुवार को वैश्विक बाजारों में उछाल और एक दिन की राहत के कारण बाजार हरे निशान में कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स 899.71 अंक बढ़कर 80,015.90 पर और निफ्टी 285.40 अंक की तेजी के साथ 24,765.90 पर बंद हुआ। शुक्रवार को फिर से बाजार दबाव में आया। अमेरिकी बाजारों की कमजोरी और एफआईआई की बिकवाली ने सेंसेक्स 1,097 अंक गिराकर 78,918.90 पर और निफ्टी 315.45 अंक गिराकर 24,450.45 पर बंद कराया। इस तरह सप्ताह के अंत तक निवेशकों में सतर्कता और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति साफ तौर पर दिखाई दी।

अदानी ने बढ़ाए तीन गुना गैस के रेट, आम लोगों पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह द्वारा आपूर्ति की जाने वाली एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) की कीमतों में अचानक तीन गुना तक बढ़ोतरी की खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक गैस का दाम करीब 40 प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर से बढ़ाकर लगभग 120 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर कर दिया गया है। इस बढ़ोतरी को लेकर

कई सामाजिक और राजनीतिक वर्गों में चिंता व्यक्त की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि इतनी बड़ी कीमत वृद्धि से घरेलू पाइप्ड गैस (पीएनजी) और औद्योगिक गैस की लागत पर सीधा असर पड़ सकता है, जिससे आम उपभोक्ताओं और उद्योगों दोनों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है। विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि ऐसी परिस्थितियों में गैस की कीमतों पर नियंत्रण और पारदर्शिता जरूरी है। उनका आरोप है कि संकट के समय कंपनियों को अत्यधिक मूल्य वृद्धि की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि सरकार या कंपनी की ओर से इस बढ़ोतरी पर आधिकारिक विस्तृत बयान अभी सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति की स्थिति भी कीमतों को प्रभावित कर सकती है।

मिडिल ईस्ट तनाव से कई शहरों में बदले पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक बाजार में तेल महंगा होता जा रहा है। खबरों के अनुसार अमेरिका और इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के कारण इरान क्षेत्र में अस्थिरता बनी हुई है, जिसका सीधा असर तेल की कीमतों पर पड़ रहा है। शनिवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेड क्रूड की कीमत करीब 92.69 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड आइल लगभग 90.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार करता दिखा। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर भारत में पेट्रोल और डीजल के खुदरा दामों पर भी पड़ता है। सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार सुबह कई शहरों के लिए नए रेट जारी किए हैं। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर यानी नोएडा में पेट्रोल 5 पैसे सस्ता होकर 94.85 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल 3 पैसे गिरकर 87.98 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 29 पैसे की गिरावट के साथ 94.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 34 पैसे सस्ता होकर 87.47 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी तेल की कीमतों में कमी दर्ज की गई है। यहां पेट्रोल 58 पैसे सस्ता होकर 105.54 रुपये प्रति लीटर और डीजल 54 पैसे गिरकर 91.78 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। हालांकि देश के चार प्रमुख महानगरों में आज भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं चैन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर है, जबकि कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

मेष- आज का दिन आपके जीवन में धन-धान्य और समृद्धि की खुशबू लेकर आने वाला है। कामकाज में मेहनत जरूर अधिक रहेगी और कई बार ऐसा लगेगा कि जिम्मेदारियां बढ़ती ही जा रही हैं, लेकिन आपकी हिम्मत और आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेंगे। आज आप किसी नए कार्य की शुरुआत करने का मन बना सकते हैं, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगा।

वृषभ- आज का दिन खासतौर पर उन लोगों के लिए शुभ संकेत लेकर आया है जो सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। समाज में आपके कार्यों की सराहना होगी और किसी सम्मान या प्रशंसा की प्राप्ति भी संभव है, जिससे आपका आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा। आप अपने काम को पूरी ईमानदारी और लगन से करने में विश्वास रखते हैं और आज आपके अनुभवों का आपको पूरा लाभ मिलेगा। दिन के दौरान किसी छोटी दूरी की यात्रा का योग बन सकता है, जो आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

मिथुन- आज का दिन आपको अपनी आय और खर्च के बीच संतुलन बनाकर चलने की सीख देगा। कुछ परिस्थितियां ऐसी बन सकती हैं जो आपको थोड़ी परेशानी में डालेंगी, लेकिन समझदारी और धैर्य से आप उन चुनौतियों का सामना कर लेंगे। यदि आप कहीं घूमने या बाहर जाने का अवसर पाते हैं, तो उसी दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी भी मिल सकती है जो आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद साबित होगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। एक ओर आपको अपने कामकाज में कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा, वहीं दूसरी ओर मौसम के बदलते प्रभाव का असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है, इसलिए खुद का ख्याल रखना जरूरी है।

सिंह- आज का दिन कुछ चुनौतियां लेकर आ सकता है, इसलिए आपको अपने मन को मजबूत बनाए रखना होगा। पारिवारिक जीवन में थोड़ी उथल-पुथल देखने को मिल सकती है, जिससे मन में तनाव की स्थिति भी बन सकती है। ऐसे समय में जल्दबाजी या गुस्से से काम लेने के बजाय धैर्य और समझदारी से काम करना ही आपके लिए बेहतर रहेगा।

कन्या- आज आपको किसी भी जोखिम भरे काम से दूरी बनाकर रखना ही समझदारी होगी, क्योंकि ऐसे कार्यों में हाथ डालना नुकसान का कारण बन सकता है। यदि आपका कोई सरकारी काम लंबे समय से अटका हुआ था, तो आज उसके पूरे होने की संभावना बन रही है, जिससे आपको राहत मिलेगी। हालांकि कुछ परिस्थितियां ऐसी भी बन सकती हैं जहाँ कोई काम बनते-बनते अचानक बिगड़ जाए, इसलिए धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा।

तुला- आज का दिन आपको योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने की सलाह देता है। यदि आप पहले से सोच-समझकर अपने कामों को व्यवस्थित करेंगे, तो सफलता मिलने की संभावना काफी बढ़ जाएगी। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए यह दिन खास तौर पर लाभदायक साबित हो सकता है और उन्हें अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आज आपके साहस और आत्मविश्वास में भी वृद्धि देखने को मिलेगी, जिससे आप नए फैसले लेने में सफल रहेंगे।

वृश्चिक- आज कुछ विरोधी आपके कामों में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी समझदारी और आत्मविश्वास उन्हें सफल नहीं होने देंगे। आज आप अपने प्रभाव और व्यक्तित्व के बल पर लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाने का प्रयास करेंगे। यदि किसी काम को लेकर लंबे समय से मन में तनाव चल रहा था, तो आज उसमें राहत मिलने के संकेत हैं।

धनु- आज आपकी मधुर वाणी और विनम्र व्यवहार आपको लोगों के बीच सम्मान दिलाएगा। कार्यक्षेत्र में भी आपके लिए नए अवसर खुल सकते हैं और किसी नई नौकरी से जुड़ा प्रस्ताव भी आपको मिल सकता है। हालांकि खर्चों के मामले में आपको थोड़ी सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि बेवजह के खर्च बाद में आर्थिक परेशानी का कारण बन सकते हैं।

मकर- आज का दिन व्यापार से जुड़े लोगों के लिए खासा लाभकारी रहने वाला है। आपके कामों की सराहना होगी और आपको अपने क्षेत्र में एक नई पहचान मिलने की संभावना है। हालांकि कोई महत्वपूर्ण डील जो लगभग तय हो चुकी थी, अंतिम समय पर अटक सकती है, जिससे थोड़ी परेशानी हो सकती है। इसलिए धैर्य बनाए रखना जरूरी होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरा हुआ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यकुशलता और मेहनत लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी और आपके काम की सराहना भी होगी। हालांकि वाहन का प्रयोग करते समय थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी रहेगा, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही नुकसान का कारण बन सकती है।

मीन- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशियों से भरा हुआ महसूस होगा। दिन की शुरुआत ही किसी अच्छी खबर के साथ हो सकती है और एक के बाद एक शुभ सूचना मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि पिता के साथ किसी छोटी-सी बात को लेकर मतभेद हो सकता है, जिसका मुख्य कारण आपकी जल्दबाजी या किसी काम को लेकर अत्यधिक उत्साह हो सकता है। ऐसे में संयम और समझदारी से बात करना बेहतर रहेगा।

शब्दजाल - 8191

शब्द जाल में सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

श	रा	आ	स्ट्रे	लि	या	ह	ट	झ	क	अ
छ	क	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	मे
ट	र	ना	झि	दा	इं	सिं	बे	ला	ल	रि
प	म	दा	ड्र	ल	क	डो	हा	दा	र	का
व	रा	र	ष	हा	मि	री	ने	स	र	ट
ह	ह	प	व	पे	ह	ला	ती	शि	न	ती
भा	र	त	अं	रू	स	ट	ह	ला	या	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	कों	जू	ट
स	थो	तें	ब्रा	जी	ल	दा	ने	गो	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
ची	न	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

रूस, कनाडा, ब्राजील, अमेरिका, कोंगो, आस्ट्रेलिया, चीन, इंडोनेशिया, पेरु, भारत,

शब्दजाल - 8190 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.40 बजे से
चंद्र	तुला में	मेष	08.10 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.50 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.48 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.02 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.18 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.30 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.41 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.55 ब.से
राहुकाल		धनु	01.11 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		मकर	03.16 बजे से
		कुंभ	05.03 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 67 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 21.12 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 13.32 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 07.04 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 08.11 बजे तदनन्तर तैतिल 21.12 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 04° 58' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872642 **जूलियन दिन** 2461107.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 18 **विशेष** रंग पंचमी, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7135

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7134

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः ईश्वर और इंसान

नित्य की तरह आज भी हजरत इब्राहीम अपने तंबू के दरवाजे पर बैठे हुए थे कि कोई राहगीर गुजरे तो बुलाकर उसका आतिथ्य करें क्योंकि उनका नियम था कि किसी को खिलाए बिना स्वयं भोजन नहीं करते थे। इतने में उन्होंने देखा कि जिंदगी और सफर से थका-मांदा सौ बरस का एक बूढ़ा राहगीर लाठी टेकता हुआ उन्हीं की ओर चला आ रहा है। इब्राहीम ने बड़े प्यार से उसका स्वागत किया, उसके पाँव धोए और उसे बैठाकर खाना परोसा। लेकिन उन्हें यह देखकर ताज्जुब हुआ कि बूढ़े ने न तो प्रार्थना की और न ईश्वर को धन्यवाद दिया और खाना खाने लगा। यह देख इब्राहीम ने बूढ़े से पूछा- 'बाबा, क्या तुम ईश्वर की इबादत नहीं करते?' बूढ़े ने उत्तर दिया- 'मैं तो अग्नि की पूजा करता हूँ। मैं किसी दूसरे ईश्वर को नहीं मानता।' यह सुनना था कि हजरत इब्राहीम आगबबूला हो गए और उन्होंने बूढ़े को उसी क्षण धक्का देकर तंबू से निकाल दिया। उन्होंने यह भी नहीं सोचा कि उसे खाने पर से उठाया जा रहा है, जबकि रात गहरी हो चुकी है और चारों तरफ बियाबान रेगिस्तान है। बूढ़े के जाने के बाद ईश्वर ने इब्राहीम को पुकारा और उनसे पूछा कि बूढ़ा अजनबी कहाँ गया? इब्राहीम ने उत्तर दिया- 'भगवन, मैंने ही उसे निकाल दिया क्योंकि वह तुम्हारी इबादत कतई नहीं करता।' इब्राहीम की बात सुनकर भगवान बोले, 'वह बूढ़ा हमेशा मेरी तौहीन करता है, फिर भी इसे मैं सौ वर्षों से सहता चला आ रहा हूँ। तो क्या तुम एक रात के लिए भी नहीं सह सकते थे? इब्राहीम यह दुनिया तुम नहीं, मैं चलाता हूँ।' ईश्वर की बात सुनकर इब्राहीम को अपनी भूल का एहसास हुआ और उन्होंने अपनी करनी के लिए ईश्वर से क्षमा माँगी।

सूडोकु नवताल- 7444

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7443 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्द पहेली - 8659

बाएँ से दाएँ

1. पेड़, दरख्त-2
3. प्रार्थना, पूजना-4
6. आदर्श, पैमाना-3
8. त्वचा, चमड़ी, खाल-2
10. सड़ने की प्रक्रिया, गलन-3
12. देव, देवता-2
13. चलने का ढंग-2
14. प्रशंसा, गुणगान-3
16. आरामदायक-5
17. कक्ष, रूम-3
19. हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20. 500 कागजों की गड्डी-2
21. कबाड़, खराब वस्तु-3
24. मजा, मस्ती-2
26. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28. शोरगुल, -4
29. तह, परत-2

ऊपर से नीचे

2. माफी-2
3. झूठी शान, घमंड-3
4. गर्दन से नीचे का शरीर, देह-2
5. अपराध, गुनाह-2
7. रग, नाड़ी-2
8. सूत कातने का यंत्र-3
9. एकाएक-4
11. शीश झुकाए हुए-5
12. भोर, प्रातः-3
15. ननद का पति-4
16. विश्राम, राहत-3
18. रोगी, बीमार-3
22. उच्चतम-3
23. गरबा, नृत्य-2
24. मृत्यु-2
25. रास्ता, मार्ग-2
27. आनंदित, मौजी-2

शब्द पहेली -8658 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

पंचायतों में नल-जल योजना पड़ी ठप्प, फिर भी आ रहा मनमाना बिल

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद पंचायत लांजी अन्तर्गत अनेकों ग्राम पंचायतें इन दिनों विद्युत विभाग के द्वारा नल जल योजना से संबधित विद्युत बिल प्रदाय किये जाने को लेकर खासे परेशान नजर आ रहे है जिस संबध में पंचायत प्रतिनिधियों के द्वारा कलेक्टर बालाघाट सहित जनपद सीईओ को अवगत कराया गया है कि कैसे पंचायत से विद्युत बिल की राशि प्रदाय कि जाये। बतादे कि लांजी क्षेत्र के लगभग सभी पंचायतों में नल जल योजना को लेकर पाईप लाईन एवं पानी टंकी निर्माण कर जल प्रदाय किया जाना था। लेकिन वर्तमान समय मे अनेको ऐसी पंचायते है जहां आज दिनांक तक नल जल योजना प्रारंभ तक नही हुई है और कुछ स्थान है ऐसे जहां वर्तमान समय में भी कार्य किया जा रहा है। वहीं दुसरी ओर इन्ही बंद पड़ी नल जल योजना में विद्युत विभाग के द्वारा बिल भेजा गया है जिसमें लोड को लेकर भी असंमजसता दिखाई दे रही है। पंचायत प्रतिनिधि या कर्मियो के द्वारा बताया गया कि वर्तमान में नल जल में 5 हार्स पॉवर की मोटर लगी है लेकिन बिल 7 हॉर्स पॉवर का आ रहा है। बात कि जाये सावरी खुर्द पंचायत की तो यहां पर लगभग 6 सर्विस नंबर में 1 लाख 376 रूपये प्रतिमाह का बिल प्रदाय किया गया है जिसको लेकर सावरीखुर्द पंचायत के द्वारा जेई कारंजा को पत्र लिखकर अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायत सावरीखुर्द की नल जल योजना एवं स्ट्रीट लाईट का बिल बहुत अधिक आ रहा है जबकि उपयोग सीमित किया जा रहा है किन्तु बिजली बिल में अत्यधिक वृद्धि कर दी गई जब कि आपके विभाग को कई बार मौखिक जानकारी दी गई है। अत्यधिक बिजली बिल आने के चलते पंचायत को अनावश्यक भार वहन करना पड़ रहा है। इसी प्रकार अन्य पंचायतों के भी यही हाल है जहां नल जल योजना पूर्ण रूप से प्रारंभ नही हुई है और मनमानी ढंग से बिजली बिल आ रहे है हमारे सामने प्रश्न यह है कि अब इन बिलो का भुगतान कैसे किया जाये जबकि अलग से कोई राशि पंचायतों को प्राप्त नही होती।

इनका कहना है-

उक्त विषय को लेकर सरपंच संघ अध्यक्ष लांजी ललीत कबीरे ने कहा कि पूर्व में भी हमारे द्वारा इस संबध में कलेक्टर बालाघाट से शिकायत की गई थी बिजली विभाग के द्वारा खपत से अधिक बिल प्रदाय किया जा रहा है। अम्मन यदि 2 एचपी की मोटर पंप संचालित है तो 5 एचपी का बिल प्रदाय किया जा रहा है। वहीं वर्तमान में देखा जाये तो पूर्ण रूप से नल जल योजना चालू भी नही है उसके बाद भी मनमाना बिल आने से पंचायतें परेशान है साथ ही हमारे पास ऐसा कोई मद भी नही है कि जिससे इन बिलों का भुगतान कर सके। इस विषय पर सरकार को संज्ञान लेना चाहिये तथा पंचायतों को बिजली बिलों की भुगतान राशि प्रदाय की जानी चाहिये ताकि हम बिलों का भुगतान कर सके साथ जो मनमाना बिल प्रदाय किया जा रहा है उसकी भी जांच की जाये।

भिलाई रोड से वारी मंदिर तक बनेगी पक्की सड़क

श्रद्धालुओं और ग्रामीणों को मिलेगी आवागमन में सुविधा

पद्मेश न्यूज। लांजी । जनपद पंचायत लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत वारी के पाईरी पाट देवी मंदिर तक अब आवागमन पहले से अधिक आसान होने वाला है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना के अंतर्गत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-02 बालाघाट द्वारा भिलाई रोड से वारी मंदिर तक बीटी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। लगभग 1 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क की लंबाई 2.73 किलोमीटर है और इसे 31 मार्च 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक-02 के कार्यपालन यंत्री श्री मनोज धुर्वे ने बताया कि वर्तमान में सड़क निर्माण का डब्ल्यूएमएम कार्य तेजी से प्रगति पर है। सड़क बनने के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी, जिससे परिवहन और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे तथा गांव के विकास को नई गति मिलेगी।

वारी ग्राम छत्तीसगढ़ की सीमा के समीप स्थित है। यहां पहाड़ी पर स्थित देवी का मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां दूर-दूर से बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं। अब तक लांजी-भिलाई मुख्य मार्ग से वारी तक पक्की सड़क नहीं होने के कारण श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को लगभग 2.73 किलोमीटर की दूरी तय करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। बरसात के मौसम में यह समस्या और अधिक बढ़ जाती थी।

सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं को मंदिर तक पहुंचने में आसानी होगी। साथ ही स्थानीय लोगों को भी बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी और क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस सड़क के बनने से वारी क्षेत्र का विकास तेजी से आगे बढ़ेगा।

यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टिट्यूट में हुआ होली मिलन

पद्मेश न्यूज। लांजी। हमारे देश में होली के दिन से ही इस पर्व को मनाने कई तरह के आयोजन देश में देखने मिलते है। इसी कड़ी में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार वि0वि0 भोपाल से मान्यता प्राप्त संस्थान यूनिवर्सल कम्प्यूटर इंस्टिट्यूट में होली मिलन के साथ रंगपंचमी का आयोजन किया गया। होली मिलन के अवसर पर संस्था के संचालक, शैक्षणिक स्टाप तथा अध्ययनरत छात्र-छात्राओ ने एक-दुसरो को रंग, गुलाल लगाकर यह पर्व आपसी सदभाव के साथ मनाया। संस्था के संचालक द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि इस पर्व के पौराणिक महत्व तथा देश की संस्कृति विरासत को अपने जीवन में आत्मसात करने की जरूरत पर जोर दिया। साथ हि होली, रंगों का प्राचीन हिंदू त्यौहार, बुराई पर अच्छाई (भक्त प्रह्लाद की जीत) और प्रेम (राधा-कृष्ण की लीला) का प्रतीक है। यह फाल्गुन पूर्णिमा को मनाया जाता है, जहाँ होलिका दहन के माध्यम से नकारात्मकता को जलाया जाता है और अगले दिन रंगों से खुशियां मनाई जाती हैं। यह वसंत ऋतु के आगमन और नई शुरुआत का भी उत्सव है। हमारी जिंदगी में मिलने वाला हर मौका/शख्स होली सा होता है? कोई रंग बदल देता है तो कोई रंग भर देता है, इसे हमेशा याद रखना चाहिये। होली सिर्फ रंगो का पर्व नहीं बल्कि प्रेम का उत्सव है, बसंत ऋतु के आगमन का, अपनो के साथ एकजुट होकर खुशियां मनाने का प्रतीक है। पर्व के समापन पूर्व सभी को अल्पाहार व मिष्ठान वितरण किया गया।

एसडीएम कार्यालय (निर्वाचन शाखा) में पदस्थ आउटसोर्स कर्मी नरेन्द्र लिल्हारे पर गबन का मामला कायम

पद्मेश न्यूज। लांजी। अनुविभागीय राजस्व कार्यालय लांजी (निर्वाचन शाखा) में पदस्थ आउट सोर्स कर्मी नरेन्द्र लिल्हारे के विरूद्ध 7 मार्च को लांजी थाने में बीएलओ के मानदेय राशि की हेराफेरी मामले में अपराध दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय में पदस्थ कानूनगो शाखा के सहायक ग्रेड-2, भरतपुरी गोस्वामी पिता स्व. उदलपुरी गोस्वामी उम्र 60 वर्ष निवासी वार्ड नं 20 बिसोनी ने पुलिस थाना लांजी उपस्थित होकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी के द्वारा अनावेदक नरेन्द्र लिल्हारे सहायक प्रोग्रामर (आउटसोर्स) के द्वारा बी.एल.ओ को प्रदाय किय जाने वाली मानदेय राशि मे हेरा-फेरी कर गबन किये जाने संबंधी थाना प्रभारी के नाम से आवेदन पत्र, शिकायत जांच प्रतिवेदन मय मूल जांच दस्तावेज नस्ती गया। उपरोक्त विषयांकित के संबंध मे लेख के पेश किये। जांच प्रतिवेदन के अवलोकन पर से आरोपी नरेन्द्र लिल्हारे सहायक प्रोग्रामर (आउटसोर्स) के विरुद्ध प्रथम दृष्टया अपराध धारा 316 (4) बीएनएस का घटित करना पाये जाने से आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया जाना मानदेय राशि का हेरा-फेरी किये जाने से कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बालाघाट (म.प्र) द्वारा नरेन्द लिल्हारे सहायक प्रोग्रामर (आउटसोर्स) से बीएलओ मानदेय राशि 10500/-(दस हजार पांच सौ रुपये मात्र) वसूल कर बी.एल.ओ प्रदाय कर संबंधित के विरुद्ध एफ. आई. आर दर्ज कराये जाने के निर्देश प्राप्त हुये है। उक्त निर्देशो के परिपालन मे नरेन्द्र लिल्हारे सहायक प्रोग्रामर (आउटसोर्स) के विरुद्ध एफ. आई. आर दर्ज कराये जाने हेतु भरतपुरी गोस्वामी. कानून गो को अधिकृत किया गया है। उक्त प्रकरण में लांजी पुलिस के द्वारा नरेन्द्र लिल्हारे के विरूद्ध अपराध क्रमांक 64/26 धारा भारतीय न्याय संहिता बीएनएस 2023, 316(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में मनाया होली मिलन

पद्मेश न्यूज। लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 7 मार्च 2026 को दोपहर 2 बजे कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की वार्षिक परीक्षा समापन उपरांत विद्यालय प्रांगण में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें विद्यालय के कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक - शिक्षिकाओ ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाईयां दी गई । इससे पूर्व संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे सर द्वारा होली के त्योहार के पूर्व समस्त छात्र-छात्राओं को निर्देशित किया गया था कि कोई भी छात्र छात्राएं कीचड़ और पानी डालकर होली नहीं मनायेगा । क्योंकि कीचड़ और पानी डालकर होली खेलने से स्वास्थ्य खराब हो सकता है जिसका सीधा असर आपके परीक्षा परिणाम पर होगा । साथ ही आपने कहा था कि होली का त्योहार प्रेम और सौहार्द का त्योहार हैं अतः होली मनाते समय इन सारी बातों को ध्यान में रखते हुए ही पर्व का आनंद लें। इस बात का मान सभी बच्चों ने रखा और परीक्षा समापन के पश्चात कक्षा दसवीं एवं बारहवीं के समस्त छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक -शिक्षिकाओ, कार्यालयीन स्टाफ के साथ मिलकर होली पर्व का आनंद लिया।

जैन कलार समाज सेवा न्यास (ट्रस्ट) लांजी की प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

नई प्रबंध कार्यकारिणी ने किया पदभार ग्रहण

पद्मेश न्यूज। लांजी। जैन कलार सेवा न्यास (ट्रस्ट) लांजी की प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक 7 मार्च को श्री कलार समाज भवन के कार्यालय में पूर्व एवं वर्तमान प्रबंध कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम नई प्रबंध कार्यकारिणी के अध्यक्ष श्री ओंकारलाल आसटकर व सचिव भूपेंद्र रहमतकर को पुराने प्रबंध कार्यकारिणी के अध्यक्ष गिरीश रामटेकर एवं सचिव अरूणेन्द्र दुरुगकर से पदभार ग्रहण किया।

ज्ञात हो कि जैन कलार सेवा न्यास (ट्रस्ट) लांजी की प्रबंध कार्यकारिणी का निर्वाचन गत 13 दिसंबर 2025 को श्री कलार समाज भवन, आमगांव रोड, लांजी में सम्पन्न हुआ था। प्रबंध कार्यकारिणी का तीन वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने के उपरांत संस्थापक सदस्य एवं आजीवन सदस्यों की उपस्थिति में विधिवत निर्वाचन प्रक्रिया के तहत नवीन कार्यकारिणी के गठन किया गया। इसी के उपरांत अब नई प्रबंध कार्यकारिणी सक्रिय रूप से कार्य करेगी।

इस दौरान जैन कलार सेवा न्यास (ट्रस्ट) लांजी के ओंकारलाल आसटकर, गिरीश रामटेकर, चैतराम जी सोनवाने, नूतेन्द्र रहमतकर, अरूणेन्द्र दुरुगकर, भूपेन्द्र रहमतकर, रमेश आसटकर, चन्द्रकांत किरनापुरे, सेवकराम जी दहीकर, दिनेश रणदिवे, गोविंद सोनवाने, डॉ किशोर सोनवाने, हरिराम मुरकुटे, दिनेश रामटेकर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान अंतर्गत शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। शहर कांग्रेस कमेटी लांजी के द्वारा 7 मार्च को नगर के एफ एण्ड डी रेस्टॉरेंट में कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया जिसमें आगामी समय में एक वृहद कार्यकर्ता सम्मेलन सहित अनेकों विषयों को लेकर चर्चाऐं कि गई। लांजी क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी द्वारा संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के अंतर्गत कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा गांव-गांव और वार्ड-वार्ड पहुंचकर पार्टी को मजबूत बनाने तथा नए सदस्यों को जोडने का कार्य किया जा रहा है। बैठक के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत होती है। इसी उद्देश्य से संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ा जा सके। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करें और उन्हें पार्टी की नीतियों एवं जनहितकारी कार्यों के बारे में जानकारी दें। साथ ही आगामी समय में होने वाले राजनीतिक कार्यक्रमों और जनआंदोलनों के लिए संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। इस दौरान उपस्थित सदस्यों में पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र खोगल, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष एवं पार्षद सौरभ मानू पशीने, युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष मनीष जुझार, उपाध्यक्ष अनमोल तिड़े, पार्षद पूनम शरद आसटकर, युवा कांग्रेस से शरद आसकटकर, पूर्व पार्षद लीलाधर डोलस, नरेश चौहान, दिनेश चौहान, विजय रामटेकर, जितेन्द्र आसटकर, महेश लांजेवार,ख्अजय पुरी गोस्वामी, रविन्द्र धारणे, मुकेश सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एस.एस.पी. महाविद्यालय वारासिवनी में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय एस.एस.पी. महाविद्यालय वारासिवनी में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में मार्च माह की गतिविधियों के अंतर्गत 06 मार्च को महाविद्यालय के इंदिरा सभागार में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. हेमन्त कुमार मण्डाले विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं साइबर सेल बालाघाट से मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती मेघा तिवारी तथा श्रीमती शिखा मिसार ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर सुरक्षा विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान, साइबर सुरक्षा जागरूकता से संबंधित वीडियो का प्रदर्शन तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती मेघा तिवारी ने साइबर जागरूकता पर विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी। वहीं श्रीमती शिखा मिसार ने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए स्टेप वेरिफिकेशन जैसे उपायों की जानकारी देते हुए छात्राओं से संवाद किया।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. हेमन्त कुमार मण्डाले ने सामाजिक जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। पोस्टर प्रतियोगिता का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) अधिकारी प्रो. कृष्णा पराते द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के प्रभारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए समाज में जागरूकता फैलाने, लोगों को शिक्षित एवं सशक्त बनाने तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के माध्यम से राष्ट्र को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित विषय विशेषज्ञों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो. नरेन्द्र कुमार डोंगरे द्वारा किया गया।

यूजीसी-नेट (अंग्रेजी) परीक्षा में गौरव महोबिया एवं महक रावड़े हुए सफल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट के छात्र गौरव महोबिया तथा छात्रा महक रावड़े ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (हृञ्ज्र) द्वारा घोषित यूजीसी-नेट (अंग्रेजी) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।

उल्लेखनीय है कि शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय जिले का अग्रणी महाविद्यालय है, जहां अध्ययनरत प्रतिभावान विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सफलता प्राप्त कर रहे हैं। यहां के विद्यार्थी राज्य प्रशासनिक सेवा, उच्च शिक्षा सेवा तथा स्कूल शिक्षा सेवा जैसी विभिन्न शासकीय सेवाओं में भी अपना स्थान बना रहे हैं।

महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के इन दोनों विद्यार्थियों ने हाल ही में घोषित परिणाम में सफलता प्राप्त कर महाविद्यालय एवं अंग्रेजी विभाग का गौरव बढ़ाया है। अंग्रेजी जैसे कठिन विषय में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना एक चुनौतीपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है। इससे पूर्व भी अंग्रेजी विभाग के अनेक छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (हृश्वञ्ज) तथा राज्य पात्रता परीक्षा (स्श्वञ्ज) उत्तीर्ण कर राज्य एवं स्कूल शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं, जो जिले एवं महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है तथा आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

इन विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. तेजेन्द्र सिंह शिव, सहायक प्राध्यापक डॉ. नाजली कुरैशी, डॉ. ऋषभ भगत सहित अंग्रेजी विभाग

राजधानी फिर हुई शर्मसार

हैवान बना 41 साल का अधेड़, पड़ोस में रहने वाली 8 साल की मासूम से किया रेप

भोपाल। शहर के देहात इलाके में स्थित ईंटखेड़ी थाना इलाके में मानवता को शर्मसार किये जाने की घटना सामने आई है। यहॉ रहने वाले 41 साल के अधेड़ ने पड़ोस में रहने वाली आठ साल की मासूम को टॉफी दिलाने का लालच देकर उसे बुलाया और अपनी हवस का शिकार बना डाला। अधेड़ की जर्बदस्ती के दौरान मासूम रोने लगी, उसकी चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुचें और आरोपी को रंगे हाथ पकड़ कर पहले तो उसकी जमकर पिटाई लगाई इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ईंटखेड़ी थाना इलाके के एक गांव में रहने वाली 8 साल की मासूम किशोरी स्कूली छात्रा है। शुक्रवार दोपहर वह अपने घर के बाहर खेल रही थी। उसी समय पड़ोस में रहने वाला 41 साल का धर्मेंद्र वहॉ पहुचां और उसने मासूम को दुकान से टॉफी दिलाने का लालच दिया। पास में रहने के कारण मासूम उसे पहचानती थी, परिचित होने के कारण वह उसकी बातों में आ गई। इसके बाद आरोपी उसे दुकान ले जाने के बजाए अपने घर पर ले गया। वहॉ धर्मेंद्र ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी की ज्यादती के बीच मासूम की चीखे सुनकर आसपास के लोग अनहोनी की आंशका के चलते वहॉ पहुचें और अधेड़ को उसके घर में घुसकर पकड़ लिया। उसकी करतूत देख लोग आक्रोशित हो गए और आरोपी की जमकर धुनाई कर डाली। बाद में सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मासूम का मेडिकल कराया। जहां उसके साथ रेप की पुष्टि होने पर आरोपी धर्मेंद्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पुलिस मामले में आगे की जॉच कर रही है।

जिला पवार समाज का सशक्ति समागम कार्यक्रम 15 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पवार क्षत्रिय संगठन पवार समाज बालाघाट द्वारा पहली बार महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में बालाघाट जिला पवार समाज की महिलाओं का जिला स्तरीय सम्मेलन सशक्ति समागम का आयोजन किया जा रहा है. जिला अध्यक्ष जिला पवार क्षत्रिय संगठन पवार समाज बालाघाट विशाल बिसेन और जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ जिला पवार क्षत्रिय संगठन पवार समाज बालाघाट श्रीमती आशा लता चौहान ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि 15 मार्च को शहर के वार्ड नंबर 32 स्थित पवार मंगल भवन में इस सशक्ति समागम का आयोजन किया जा रहा है जिसके लिए एक आवश्यक बैठक शहर के एक निजी होटल में आयोजित की गई थी जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक महिला उपस्थित रही और सभी ने एकजुट होकर पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने में सहयोग प्रदान किया।कार्यक्रम मुख्य रूप से सामाजिक सशक्ति रत्न पवार समाज की वे महिलाएं जिन्होंने प्रदेश में, देश में और विदेश में अलग-अलग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए हमारे जिले का हमारे प्रदेश का और देश का नाम रोशन किया है उनका सम्मान किया जाएगा. इसके अलावा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। यह कार्यक्रम 15 मार्च की सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा. पवार समाज की जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने जिले की समस्त सवजाति मातृ शक्तियों से अपने बच्चों के साथ उपस्थिति की अपील की है जिससे वे देख सके कि किस तरह से पवार समाज की महिलाएं उच्च पदों पर आसीन है और आज समाज का नाम और अपने परिवार का नाम रोशन कर रही है।

भिमोडी टिकराटोला में मृत मिला चीतल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की तहसील परसवाड़ा अंतर्गत ग्राम भिमोडी के टिकराटोला में एक वन्यप्राणी चीतल मृत अवस्था में पाए जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग एवं पशु चिकित्सक की टीम मौके पर पहुंची। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीणों द्वारा चीतल के मृत होने की सूचना संबंधित विभाग को दी गई थी। सूचना मिलते ही विभागीय अमला तत्काल मौके पर पहुंचा और आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। डॉक्टरों की टीम द्वारा नियमानुसार चीतल का शव परीक्षण (पोस्टमार्टम) किया गया।

शव परीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में नियमानुसार चीतल के शव का अंतिम संस्कार (शवदाह) कर दिया गया।

वन विभाग द्वारा मामले की जांच भी की जा रही है, ताकि चीतल की मृत्यु के कारणों का पता लगाया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीवों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए विभाग सतत निगरानी कर रहा है।

राजनीतिक नियुक्तियों का मामला...भाजपा ने कई नेताओं के मंसूबे पर पानी फेरा

पूर्व मंत्री और हारे हुए नेताओं को नहीं देंगे निगम-मंडल में जगह

भोपाल(ईएमएस)। मप्र में करीब दो साल के इंतजार के बाद नेताओं को राजनीतिक नियुक्ति की आस जगी है। निगम-मंडल-प्राधिकरणों में अध्यक्ष और उपाध्यक्षों की नियुक्ति के लिए सूची तैयारी हो गई है। सत्ता-संगठन ने सूची तैयार करके दिल्ली भेज दी है। अब आलाकमान तय करेगा की किसको अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की कुर्सी मिलेगी। वहीं सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने अपनी ही पार्टी के कई नेताओं के मंसूबे पर पानी फेर दिया है। पार्टी द्वारा यह निश्चित किया गया है कि पूर्व मंत्री और चुनाव हारे हुए नेताओं को निगम-मंडल में स्थान देकर उनका पुनर्वास नहीं किया जाएगा। अभी पहले सभी नगर निगम में एल्डरमैन की नियुक्ति की जाएगी। इसके बाद में निगम-मंडल में नियुक्ति का काम शुरू होगा।

पिछले काफी समय से निगम-मंडल में नियुक्ति को लेकर कसरत चल रही है। बार-बार यह कहा जाता है कि सूची तैयार है और नियुक्ति होने ही वाली है। फिर अचानक से नियुक्ति पर ब्रेक लग जाता है और कोई चर्चा नहीं की जाती है। लंबे समय से प्रतीक्षित इन नियुक्तियों को लेकर एक बार फिर सियासत तेज हो गई है। भाजपा संगठन द्वारा यह निश्चय किया गया है कि पहले नगर निगम के एल्डरमैन की नियुक्ति की जाएगी। उसके बाद में निगम मंडल में नियुक्ति का सिलसिला शुरू किया जाएगा। इसके पीछे कारण यह है कि मैदानी कार्यकर्ताओं को नियुक्ति देकर संगठन में एक रफ्तार बनाने की कोशिश की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा संगठन के द्वारा यह भी निश्चित किया गया है कि निगम मंडल की नियुक्ति में पूर्व मंत्री और हारे हुए नेताओं को स्थान नहीं दिया जाएगा। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं में से भी कुछ लोगों को इस नियुक्ति में उपकृत किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भी यह स्पष्ट किया है कि निगम मंडल में नियुक्ति के लिए सूची पूरी तरह से तैयार है। केंद्रीय नेतृत्व के द्वारा मोहर लगाई जाने के बाद इस सूची को जारी किया जाएगा।

15 मार्च के बाद नियुक्तियां

जानकारी के अनुसार, मप्र सरकार 15 मार्च के बाद सरकारी संस्थाओं में राजनीतिक नियुक्तियां शुरू कर सकती है। जानकारों की मानें तो इन पदों पर पार्टी ऐसे कार्यकर्ताओं को बैठाने की तैयारी में है, जो पार्टी संगठन की नजर में समर्पित और बेहतर काम करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि सूची से सिफारिशी नेताओं के नाम काट दिए गए हैं। गौरतलब है कि इन दिनों भाजपा राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव में व्यस्त है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी बिहार से राज्यसभा प्रत्याशी हैं। इसी दौरान बिहार में भी सत्ता परिवर्तन का दौर चलेगा, जिससे भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व व्यस्त रहेगा। राज्यसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद भाजपा नेतृत्व मध्यप्रदेश के निर्णयों पर गौर करेगा। सूत्रों की मानें तो इसके बाद ही सरकारी संस्थाओं पर राजनीतिक नियुक्तियों का रास्ता साफ होगा। जानकारों की मानें तो राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर नितिन नबीन की ताजपोशी के बाद प्रदेश के निगम मंडल की सूची नए सिरे से तैयार की गई है। इस सूची को लेकर पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की पार्टी अध्यक्ष के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मंत्रणा हो चुकी है। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश के प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह सहित दूसरे नेताओं ने भी सीएम व प्रदेशाध्यक्ष के साथ चर्चा की है। इसके बाद आंशिक संशोधन के बाद सूची को एक बार फिर से दिल्ली भेजा गया है। ऐसा माना जा रहा है कि 15 मार्च के बाद इन सूचियों पर मुहर लगनी शुरू हो जाएगी और पार्टी को जिन नेताओं को उपकृत करना है, उनके नामों की घोषणा हो जाएगी।

लंबे समय से टल रहा निर्णय

बता दें, कि लोकसभा चुनाव के बाद से ही इन नियुक्तियों को लेकर चर्चा चल रही थी। कई बार सूची तैयार होने की बात सामने आई, लेकिन अंतिम निर्णय टलता रहा। अब माना जा रहा है कि इसी माह कभी भी इस संबंध में आधिकारिक रूप से सूची जारी की जा सकती है। भाजपा बचे हुए मोर्चो की कार्यकारिणी, जिला कार्यकारिणी, मंडल पदाधिकारियों, एल्डर मैन समेत अन्य पदों पर नियुक्ति के आदेश जल्द जारी करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आगामी नगरीय निकाय और अन्य चुनावों को देखते हुए संगठनात्मक संतुलन बनाना पार्टी की प्राथमिकता है। ऐसे में इन नियुक्तियों को रणनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। उधर, मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अटकलें जारी हैं। सूत्रों के अनुसार मंत्रिमंडल का विस्तार तय माना जा रहा है, लेकिन यह प्रक्रिया अभी नहीं होगी और इसके लिए करीब दो से तीन महीने का समय लग सकता है।

जून में आ जाएगा मप्र का विमान

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चैलेंजर 3500 नामक विमान खरीदने का ऑर्डर किया था। यह विमान जून माह तक कनाडा से मध्य प्रदेश आ जाएगा। मध्य प्रदेश सरकार ने 250 करोड रुपए में इस विमान को खरीदा है। यह विमान उन्नत तकनिकी का है। किसी भी मौसम में, दिन हो या रात यह विमान उड़ान भर सकता है। विमान 10 सीटर है। इसकी रफ्तार 870 किलोमीटर प्रति घंटे की है। यह विमान 4850 फीट की ऊंचाई पर उड़ सकता है। एक बार में यह 6297 किलोमीटर की उड़ान भर सकता है। 8 घंटे के अंदर यह मध्य प्रदेश से जापान की यात्रा बिना रुके पूरी कर सकता है। 2021 से मध्य प्रदेश सरकार के पास अपना कोई विमान नहीं है। मध्य प्रदेश सरकार को किराए के विमान पर आश्रित रहना पड़ता है।

डिजिटल पंजीयन में मध्यप्रदेश ने रचा इतिहास - मुख्यमंत्री

प्रदेश का पहला पूर्ण पेपरलैस ई-रजिस्ट्रेशन सिस्टम

संपदा 2.0 और सायबर पंजीयन कार्यालय से कहीं से भी होगा दस्तावेजों का फेसलैस पंजीयन

भोपाल। मध्यप्रदेश में पंजीयन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने संपदा 2.0 प्रणाली से दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस ई-पंजीयन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित यह व्यवस्था नागरिकों को त्वरित सेवाएं देने के साथ-साथ प्रशासन में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करेगी। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग राज्य के प्रमुख राजस्व अर्जित करने वाले विभागों में शामिल है। प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 16 लाख दस्तावेजों का पंजीयन किया जाता है, जिससे 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होता है। विभाग की वेब आधारित संपदा प्रणाली के माध्यम से ई-पंजीयन और ई-स्टाम्पिंग की सुविधा प्रदान कर पूरी प्रक्रिया को एंड-टू-एंड इलेक्ट्रॉनिक बनाया गया है।

पेपरलैस और डिजिटल

पंजीयन में मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य

संपदा 2.0 के माध्यम से दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस और डिजिटल पंजीयन संभव हुआ है और यह व्यवस्था लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। इस प्रणाली में कोई भी व्यक्ति कहीं से भी ई-स्टाम्प तैयार कर सकता है। साथ ही संपत्ति की पहचान भू-अभिलेख और नगरीय प्रशासन के डेटाबेस से की जाती है तथा संपत्ति की जियो-टैगिंग भी की जाती है, जिससे संपत्ति संबंधी विवादों में कमी आएगी।

कृषि भूमि के पूर्ण अंतरण के बाद सायबर तहसील के माध्यम से स्वतः नामांतरण की सुविधा भी शुरू की गई है, वहीं कलेक्टर ऑफ स्टाम्प न्यायालय की प्रक्रिया को भी पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया गया है। ई-गवर्नेंस को और मजबूत बनाने के लिए भोपाल स्थित महानिरीक्षक पंजीयन कार्यालय में सायबर पंजीयन कार्यालय स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से लगभग 75 प्रकार के दस्तावेजों का फेसलेस पंजीयन किया जा सकेगा। सायबर सब-रजिस्ट्रार राज्य के किसी भी जिले के दस्तावेजों का ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे।

फेसलेस पंजीयन प्रक्रिया में पक्षकारों के लिए आधार आधारित वीडियो केवाईसी करना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों के डिजिटल निष्पादन के बाद उन्हें ऑनलाइन सायबर उप-पंजीयक के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इससे नागरिकों को उप पंजीयक कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं रहेगी। नई व्यवस्था के तहत लीज, मॉर्टगेज, डी-मॉर्टगेज, संपत्ति में पत्नी या बेटी का नाम जोड़ने और मुख्तियारनामा जैसे दस्तावेज अब कहीं से भी ऑनलाइन तैयार कर पंजीकृत किए जा सकते हैं। डिजिटल तकनीक के उपयोग से मध्यप्रदेश ने ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है और आने वाले समय में यह व्यवस्था नागरिक सेवाओं को और अधिक सरल, पारदर्शी तथा भरोसेमंद बनाएगी।

फर्जी पॉवर ऑफ अटार्नी बनाकर प्लाट बेचने वाले जालसाजो को 3-3 साल की जेल

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत ने फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी का उपयोग करके प्लॉट बेचने के मामले में भोपाल की अदालत ने तीन आरोपियों को 5-5 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश जयंत शर्मा की कोर्ट ने सुनाते हुए फर्जी पॉवर ऑफ अटार्नी तैयार कर कोहेफिजा का एक प्लाट 43 लाख रुपए में फरियादी शबनम जहां पत्नी डॉक्टर मलिक इस्लाम को बेचने के मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद आरोपी फरनाज साद, उसके पति साद इफ्तेखार उर्फ गोल्डी और आगा मोहममद खान को दोषी करार दिया। कोर्ट ने तीनो आरोपियो को 3 साल के कठोर कारावास और पांच हजार रुपए के जुमार्ने की सजा सुनाई है। प्रकरण में शासन की और से पैरवी अपर लोक अभियोजक अनिल शुक्ला ने की।

- यह था मामला

जानकारी के अनुसार मामला 26 अप्रैल 2018 से 18 सितंबर 2019 के बीच कोहेफिजा थाना इलाके का है। मामले में फरियादिया शबनम जहां ने अपनी शिकायत में बताया था की उनके पति को आरोपी आगा मोहम्मद खान ने साद इफ्तेखार से मिलवाया था। साद इफ्तेखार की पत्नी फरनाज इफ्तेखार ने पॉवर ऑफ अटार्नी के जरिए एक आवासीय प्लॉट बी-23, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कोहेफिजा, भोपाल में प्लॉट के पूर्व स्वामी रविन्द्र कुमार अग्रवाल से खरीदा गया। इसे बेचने के लिए शबनम के पति को दिखाया गया था। दस्तावेज मांगे जाने पर प्लॉट के दस्तावेज दिखाए गए। इसके बाद एक अन्य व्यक्ति को प्लॉट के पूर्व स्वामी रविन्द्र कुमार अग्रवाल कहकर मिलवाया गया। इसके बाद 26 अप्रैल 2018 को 43 लाख रुपए लेकर फरनाज इफ्तेखार द्वारा रजिस्ट्री करवाकर प्लॉट उसके नाम बेच दिया। रकम देने के बाद जब वह प्लॉट की फैंसिंग कराने पहुंची, तब वहॉ आये ओमप्रकाश माहेश्वरी ने उनसे प्लॉट पर अपना मालिकाना हक बताते हुए विवाद किया।

- थाने पहुचंने पर सामने आया फर्जीवाड़ा

खुद को प्लॉट का असली मालिक बताने वाले ओमप्रकाश ने शबनम के खिलाफ कोहेफिजा थाने में शिकायत की। पुलिस ने जॉच के दौरान शबनम को तलब किया यहां ओमप्रकाश माहेश्वरी और उस प्लॉट के पूर्व स्वामी रविन्द्र भी मौजूद थे। तब शबनम को पता चला कि आरोपियों ने उसे किसी अन्य व्यक्ति से मिलवाकर उसे असली प्लॉट मालिक बताया था।

शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य

भोपाल। प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को निर्धारित अवधि में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यह आदेश संचालक लोक शिक्षण मध्य प्रदेश ने सभी संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 लागू होने से पहले नियुक्त हुए ऐसे शिक्षक, जिनकी सेवानिवृत्ति में पांच वर्ष से अधिक समय शेष है, उन्हें अगले दो वर्षों के भीतर टीईटी उत्तीर्ण करना होगा। निर्धारित समय में परीक्षा पास नहीं करने वाले शिक्षकों को सेवा छोड़नी पड़ सकती है या उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जा सकती है। हालांकि उन्हें नियमों के अनुसार मिलने वाले टर्मिनल लाभ प्रदान किए जाएंगे, बशर्ते उन्होंने निर्धारित सेवा अवधि पूरी की हो। विभाग के अनुसार प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के लिए पात्रता परीक्षा का आयोजन जुलाई और अगस्त 2026 में संभावित है। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जो शिक्षक अभी तक टीईटी उत्तीर्ण नहीं हैं, उन्हें परीक्षा में शामिल होने की सूचना देना सुनिश्चित करें।

अधूरे बजट से स्कूलों में काम ठप

वित्तीय सत्र समाप्त होने के बावजूद प्राइमरी और मिडिल स्कूलों को अब तक केवल 50 प्रतिशत राशि ही मिली है। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांताध्यक्ष राबर्ट मार्टिन ने आरोप लगाया है कि बजट के अभाव में स्कूलों के रखरखाव और अध्यापन कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। संगठन ने शासन से शेष राशि जल्द जारी करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि राशि मिलने पर ही शाला प्रभारी समय पर लंबित भुगतान और जरूरी कार्य पूरे कर सकेंगे।

एजुकेशन पोर्टल 3.0 से ऑनलाइन होगा डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

भोपाल। प्रदेश में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। अब शिक्षक भर्ती परीक्षा में पात्र घोषित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन ऑनलाइन किया जाएगा। इस नई व्यवस्था की शुरुआत प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया से की जाएगी। इसके लिए विभाग ने एजुकेशन पोर्टल-3.0 पर एक विशेष मॉड्यूल तैयार कर लिया है।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार इस डिजिटल व्यवस्था के लागू होने से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और अभ्यर्थियों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलेगी। नई व्यवस्था के तहत चयनित अभ्यर्थियों को अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज एजुकेशन पोर्टल-3.0 पर अपलोड करने होंगे। इसके बाद संबंधित अधिकारी पोर्टल के माध्यम से ही इन दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इससे भर्ती प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित होगी और अभ्यर्थियों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

13 हजार पदों के लिए जारी हुई मेरिट सूची

हाल ही में मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लगभग 13 हजार पदों के लिए मेरिट सूची जारी की है। इसके साथ ही माध्यमिक शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू होने वाली है। विभाग की योजना है कि इसी महीने से पात्र अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन एजुकेशन पोर्टल-3.0 के माध्यम से शुरू कर दिया जाए। इससे उम्मीद है कि ग्रीष्मावकाश के बाद सरकारी स्कूलों को नए शिक्षक उपलब्ध हो सकेंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जल्द ही आधिकारिक आदेश जारी किए जाने की संभावना है।

डीईओ कार्यालय में नहीं करना पड़ेगा इंतजार

अब तक शिक्षक चयन परीक्षा में मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए संभागीय कार्यालय या जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय में उपस्थित होना पड़ता था। इस प्रक्रिया में कई बार अभ्यर्थियों को घंटों तक इंतजार करना पड़ता था, जिससे उन्हें काफी असुविधा होती थी। इसके अलावा कुछ मामलों में दस्तावेज सत्यापन में गड़बड़ी की शिकायतें भी सामने आई थीं। ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने के बाद अभ्यर्थी घर बैठे ही अपने दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे और अधिकारियों द्वारा उनकी जांच ऑनलाइन ही की जाएगी। नई प्रणाली के तहत पात्र अभ्यर्थी एजुकेशन पोर्टल-3.0 पर लॉगिन कर निर्धारित मॉड्यूल में अपने शैक्षणिक प्रमाणपत्र, पहचान पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज स्कैन कर अपलोड करेंगे। इसके बाद विभागीय अधिकारी पोर्टल के माध्यम से इन दस्तावेजों की जांच कर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करेंगे। यदि किसी दस्तावेज में त्रुटि पाई जाती है या अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता होती है, तो अभ्यर्थियों से ऑनलाइन ही सुधार या अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने के लिए कहा जाएगा।

फाइनल में भारत-न्यूजीलैंड की टक्कर

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में दोनों टीमें खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए यह मैच कई मायनों में ऐतिहासिक हो सकता है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया के पास लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने और नया रिकॉर्ड बनाने का शानदार मौका है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम पहली बार इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को अपने नाम करने की कोशिश करेगी।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में नजर आया है। टीम ने लीग स्टेज से लेकर सेमीफाइनल तक लगातार दमदार प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा था और आखिरी ओवर तक मैच का नतीजा तय नहीं हो पाया था। भारतीय गेंदबाजों ने दबाव के क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिलाई और फाइनल का टिकट हासिल किया।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने भी टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाया है। कीवी टीम ने पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। उस मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने संतुलित प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को पूरी तरह अपने नियंत्रण में रखा। मिचेल सैंटनर की कप्तानी में टीम आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही है और पहली बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने का सपना साकार करने के करीब है। भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में संजू सैमसन का प्रदर्शन बेहद अहम रहा है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मैचों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने नाबाद 97 रन बनाए थे, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रनों की शानदार पारी खेली थी। इन पारियों ने भारत की फाइनल तक की राह आसान बनाने में बड़ी भूमिका निभाई।

हालांकि फाइनल में भारत के सामने न्यूजीलैंड की कड़ी चुनौती होगी। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में दोनों टीमों के बीच अब तक तीन मुकाबले खेले गए हैं और तीनों में न्यूजीलैंड ने जीत हासिल की है। टी20 वर्ल्ड कप में भारत और न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मुकाबला 2021 में दुबई में खेला गया था। उस समय भारतीय टीम की कप्तानी विराट कोहली के हाथों में थी और उस मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से हराया था। उस हार ने भारत के अभियान को भी प्रभावित किया था। हालांकि पिछले पांच सालों में दोनों टीमों में काफी बदलाव देखने को मिला है और अब कई नए खिलाड़ी टीम का हिस्सा बन चुके हैं। 2021 के उस मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से खेलने वाले खिलाड़ियों में से केवल चार खिलाड़ी ही मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम में शामिल हैं। इनमें ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। बाकी खिलाड़ी या तो इस फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं या फिर टीम से बाहर हो गए हैं।

अपने पुराने रिकॉर्ड को सुधारने का भी सुनहरा मौका होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस शाम 6:30 बजे किया जाएगा। मैच से पहले शाम 5:30 बजे एक भव्य प्री-शो आयोजित किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय पॉप स्टार रिकी मार्टिन के साथ भारतीय गायक सुखबीर और फाल्गुनी पाठक अपनी प्रस्तुति देंगे। क्रिकेट प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह फाइनल मुकाबला रोमांच और यादगार पलों से भरपूर होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड बेहद खराब

टी20 विश्व कप के इतिहास में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। अब तक इस टूर्नामेंट में दोनों टीमों के बीच तीन मुकाबले खेले गए हैं और तीनों में न्यूजीलैंड ने जीत हासिल की है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं -

भारत - सूर्यकुमार यादव (कप्तान) अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज. रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर।

न्यूजीलैंड- मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फॉर्गूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिमी निशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सईफर्ट, ईश सोढ़ी, काइल जेमिसन, कॉल मैकॉन्ची।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा।

टी20 वर्ल्ड कप 2026: 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' की रेस में संजू सैमसन, आईसीसी ने 8 खिलाड़ियों को किया शॉर्टलिस्ट

अहमदाबाद । आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मुकाबला नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। खिताबी मुकाबले से पहले आईसीसी ने 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' के लिए आठ खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है। इस सूची में भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन भी शामिल हैं, जिन्होंने सीमित मौके मिलने के बावजूद शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा है। संजू सैमसन ने टूर्नामेंट में अब तक केवल चार मैच खेले हैं, लेकिन उन्होंने 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 232 रन बनाए हैं। खास बात यह है कि भारत के पिछले दो मुकाबलों में उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने टीम को अहम मौकों पर जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टूर्नामेंट की शुरुआत में सैमसन को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी और ओपनिंग की जिम्मेदारी अभिषेक शर्मा और ईशान किशन को दी गई थी, जबकि नंबर-3 पर तिलक वर्मा बल्लेबाजी कर रहे थे। बाद में मौका मिलने पर सैमसन ने शानदार पारियां करते हुए जिम्बाब्वे के खिलाफ 24 रन बनाए, फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन और सेमीफाइनल में 89 रन की अहम पारी खेली। वे चार मैचों में 16 छक्के भी लगा चुके हैं। 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' की दौड़ में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान भी शामिल हैं, जिन्होंने दो शतक के साथ 383 रन बनाए, जो एक टी20 वर्ल्ड कप में किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाया गया सर्वाधिक स्कोर है, हालांकि उनकी टीम नॉकआउट में नहीं पहुंच सकी। इसके अलावा विलियम जॉर्ज जैक्स ने 226 रन के साथ 9 विकेट लेकर शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया, जबकि लुंगी न्गिडी ने 12 विकेट हासिल किए। दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम ने 286 रन बनाए। न्यूजीलैंड के रचिन रविन्द्र ने 128 रन और 11 विकेट लिए, जबकि टिम सीफर्ट ने 274 रन बनाकर तीन अर्धशतक लगाए। अमेरिका के श्वाडली वैन शॉकवीक ने ग्रुप स्टेज में चार मैचों में 13 विकेट लेकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। आईसीसी ने इन आठ खिलाड़ियों के लिए ऑनलाइन वोटिंग भी शुरू कर दी है। क्रिकेट प्रशंसक आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने पसंदीदा खिलाड़ी को वोट दे सकते हैं। अंतिम फैसला फैंस की वोटिंग के साथ-साथ आईसीसी के विशेषज्ञों और कमेंटेटरों के वोट के आधार पर लिया जाएगा, जबकि 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का ऐलान फाइनल मैच के बाद किया जाएगा।

टी20 वर्ल्ड कप फाइनल से पहले सैंटनर का बड़ा बयान, बोले - भारत पर होगा घरेलू दबाव

अहमदाबाद । न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टी20 के फाइनल से पहले बड़ा बयान देते हुए कहा है कि मेजबान होने के कारण भारत पर खिताब जीतने का अतिरिक्त दबाव रहेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह खिताबी मुकाबला रविवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैंटनर ने कहा कि घरेलू मैदान पर खेलने के कारण भारतीय टीम को दर्शकों की बड़ी उम्मीदों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य मैच के दौरान भीड़ को शांत करना होगा। सैंटनर के मुताबिक भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन मेजबान होने के कारण उन पर दबाव भी ज्यादा रहेगा।

न्यूजीलैंड कप्तान ने कहा कि उनकी टीम इस बड़े मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित है और खिलाड़ी पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने बताया कि टीम पहले भी भारत के खिलाफ खेल चुकी है, इसलिए किसी खास रहस्य की बात नहीं है। उनके अनुसार फाइनल एक मैच का मुकाबला होता है और उस दिन जो टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी वही जीत दर्ज करेगी। पिच को लेकर सैंटनर ने कहा कि उन्होंने अभी तक मैदान की सतह नहीं देखी है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि अहमदाबाद में हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है, क्योंकि यह मैदान बल्लेबाजों के लिए मददगार माना जाता है।

सैंटनर ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि बुमराह इस टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं और उनकी यॉर्कर तथा बाउंसर किसी भी बल्लेबाज के लिए चुनौती बन सकती है। बुमराह ने टूर्नामेंट में अब तक 10 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी खतरनाक गेंदबाज बताया और कहा कि वह इस प्रतियोगिता में बेहतरीन फॉर्म में हैं। वरुण अब तक 13 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल हैं। सैंटनर ने यह भी कहा कि उनकी टीम पूरे टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है और फाइनल में भी वही लय बनाए रखने की कोशिश करेगी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अगर मौका मिला तो न्यूजीलैंड भारत को हराकर ट्रॉफी जीतने से पीछे नहीं हटेगी, भले ही इससे भारतीय प्रशंसकों का दिल टूट जाए।

यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग खरीदने जा रहा एक भारतीय समूह, अश्विन, द्रविड़ भी जुड़े

लंदन। यूरोप में क्रिकेट को बढ़ावा देने एक भारतीय कारोबारी समूह यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में एक फ्रेंचाइजी खरीद रहा है। खास बात ये है कि पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ और आर अश्विन भी इस समूह में भागीदार हैं। गर्मियों में होने वाले छह टीमों के इस टूर्नामेंट में इस फ्रेंचाइजी को खरीदने के लिए द्रविड़ और अश्विन की फ्रैंचाइजी प्रसास कर रही है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार ईटीपीएल नीदरलैंड की रॉटरडैम फ्रेंचाइजी का मालिकाना अधिकार अभी पूर्व क्रिकेटरों फाफ डुप्लेसी, हेनरिक क्लासेन और जॉटी रोड्स से जुड़े दक्षिण अफ्रीका के एक समूह के पास है। इस समूह में दक्षिण अफ्रीका के ही पूर्व खिलाड़ी भी शामिल हैं। माना जा रहा है इस माह के अंत में एक कार्यक्रम में दोनों फ्रेंचाइजी की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। वहीं इससे पहले एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग में स्थित ईटीपीएल फ्रेंचाइजी को जनवरी में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के निवेशकों को बेच दिया गया था। गौरतलब है कि अभी यह तय नहीं हो पाया है कि अश्विन ईटीपीएल में खेलेंगे या नहीं। गौरतलब हैकि अश्विन ने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ ही पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया था। इसे बाद से ही उनके पास अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी लीग में खेलने का अवसर है। अब देखना है कि वह इसमें खेलते हैं या नहीं। अश्विन ने भारतीय टीम की ओर से 106 टेस्ट, 116 एकदिवसीय और 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए कुल 765 विकेट लिए हैं। वहीं द्रविड़ इससे पहले स्कॉटलैंड की क्रिकेट से जुड़े रहे हैं। स्कॉटलैंड जब इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में भाग लेता था तब द्रविड़ ने साल 2003 में उसके लिए खेला था।

वरुण के बचाव में आये अक्षर पटेल

मुंबई । भारतीय टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पिछले कुछ मैचों से सफल नहीं रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में भी उनकी गेंदों पर जमकर चौके और छक्के लगे थे। इससे उनके आलोचक सक्रिय हो गये हैं। इनका कहना है कि वरुण की गेंदों का तोड़ अब बल्लेबाजों ने निकाल लिया है। ऐसे में उन्हें रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में शायद ही रखा जाये। वहीं वरुण के साथी खिलाड़ी अक्षर पटेल ने उनका बचाव किया है और कहा है वह टीम के प्रमुख गेंदबाज है हालांकि दबाव के बीच ही उन्हें मानसिक मजबूती बनाये रखनी चाहिये। अक्षर ने कहा कि जब जब चीजें अपने अनुसार नहीं चल रही हों तब भी अपनी रणनीति पर बने रहना जरुरी है।

अक्षर ने कहा, हमने वरुण से उन्हें आ रही परेशानियों के बारे में भी बात की है। हमने इस समय कई नॉकआउट मुकाबले खेले हैं, इसलिए आगे भी सकारात्मक मानसिकता बनाये रखना जरुरी है। कौशल और बाकी चीजें भी अहम स्थान रखती हैं पर हमने उससे यही कहा कि जब उसकी गेंदों पर रन बनने लगें तो भी अपनी रणनीति में बदलाव नहीं करें। उन्होंने कहा, पहले आपकी रणनीति विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करने की होती है और फिर अचानक ही आप अपनी लाइन बदल देते हैं। हम उसे लगातार यही कहते रहते हैं कि तुम टीम के लिए अहम हो। वरुण ने सेमीफाइनल से पहले नेट पर जमकर अभ्यास किया पर पावरप्ले में गेंदबाजी करने के बाद वह अपनी लय बरकरार रखने में सफल नहीं रहे। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल ने उन्हें कोई अवसर नहीं दिया। उन्होंने चक्रवर्ती के पहले ही ओवर में तीन छक्के लगा दिये। बेथेल ने वरुण की 13 गेंदों में 42 रन बनाये। वरुण पिछले कुछ समय से बहुत शॉर्ट या फिर ओवर पिच गेंदबाजी के करण बल्लेबाजों के लिए आसान निशाना रहे हैं। अक्षर ने कहा, अगर आप देखें तो कुछ छक्के लगने के बाद भी उसने जोस बटलर का विकेट लिया। वह नंबर एक टी20 गेंदबाज है और वह जानता है कि उसे क्या करना है। यह मानसिकता की बात है। हमें अभी एक और मैच खेलना है और उम्मीद है कि वह फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। वहीं भारतीय टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि चक्रवर्ती को अपनी गति कम करनी होगी।

अहमदाबाद की पिच पर बल्लेबाजों का दबदबा, 200 रन के पार जा सकता है स्कोर

नई दिल्ली । आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबला 8 मार्च को टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना हैं। जहां डिफेंडिंग चैंपियन भारत के सामने कीवी टीम कड़ी चुनौती पेश करेगी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार इस मैच के लिए तैयार की गई पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही है और यहां लगभग 200 रन या उससे अधिक का स्कोर प्रतिस्पर्धी माना जा सकता है।

मिली जानकारी के मुताबिक फाइनल मुकाबला सेंटर विकेट पर खेला जाएगा। इसी पिच का उपयोग पहले एक मैच में किया गया था, जिसमें साउथ अफ्रीका ने कनाडा टीम के खिलाफ 213/4 का बड़ा स्कोर बनाया था और 57 रन से जीत दर्ज की थी। इससे संकेत मिलते हैं कि पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रह सकती है और यहां हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार इस विकेट पर स्पिन गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिलने की संभावना कम है, जबकि तेज गेंदबाजों को अच्छी गति और उछाल मिल सकती है। पिच का व्यवहार कुछ हद तक मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम की पिच जैसा रहने की उम्मीद जताई जा रही है। इसी मैदान पर भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

बताया जा रहा है कि फाइनल के लिए तैयार की गई पिच पूरी तरह ताजा होगी और इसे लाल तथा काली मिट्टी के मिश्रण से तैयार किया गया है। यह पिच 2023 के आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में इस्तेमाल की गई पिच से काफी अलग होगी। उस समय इस्तेमाल की गई पिच पूरी तरह काली मिट्टी की थी और पहले से उपयोग में लाई जा चुकी थी, जिसके कारण वह धीमी और कम उछाल वाली हो गई थी।

2023 के फाइनल में भारतीय टीम 240 रन पर ऑलआउट हो गई थी, जो बाद में कम स्कोर साबित हुआ। आस्ट्रेलियाई टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया था। उस समय पिच चयन को लेकर काफी विवाद भी हुआ था। आमतौर पर आईसीसी टूर्नामेंट में पिच की तैयारी आईसीसी के क्यूरेटर की निगरानी में होती है, लेकिन उस फाइनल के दौरान खबरें आई थीं कि बीसीसीआई और भारतीय टीम ने पिच चयन में अपनी राय दी थी। बाद में उस फैसले की काफी आलोचना हुई थी। इस बार यह स्पष्ट नहीं है कि पिच तैयार करने में भारतीय टीम या बीसीसीआई की कितनी भूमिका रही है, लेकिन अगर पिच सपाट और बल्लेबाजी के अनुकूल रहती है तो इसका फायदा भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को मिल सकता है। खासकर सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी ऐसे विकेट पर तेजी से रन बना सकते हैं।

आमतौर पर कठिन और धीमी पिचें कमजोर टीमों को मुकाबले में बने रहने का मौका देती हैं, क्योंकि बड़े स्कोर बनाना मुश्किल हो जाता है। वहीं सपाट पिच पर मजबूत और अनुभवी बल्लेबाजी लाइनअप वाली टीमों को बढ़त मिलती है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन मुकाबला काफी करीबी रहा और टीम सिर्फ 7 रन से जीत पाई। उस मैच में जसप्रीत बुमराह को छोड़कर बाकी गेंदबाजों ने काफी रन खर्च किए थे। ऐसे में अगर फाइनल मुकाबला भी बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर खेला जाता है तो भारतीय गेंदबाजों के लिए असली परीक्षा होगी। टीम को बुमराह के साथ वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पाण्डया से न्यूजीलैंड के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ अहम विकेट लेने की उम्मीद रहेगी।

व्हाइट हाउस में मेस्सी ने इंटर मियामी को समर्पित रत्नजड़ित फुटबॉल राष्ट्रपति ट्रंप को भेंट की

वाशिंगटन। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने पिछले साल मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप जीतने पर अपनी टीम इंटर मियामी सीएफ को सम्मानित करने के लिए व्हाइट हाउस में आयोजित समारोह में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रत्नजड़ित गुलाबी फुटबॉल भेंट की। इंटर मियामी ने दिसंबर में वैंकूवर वाइटकैप्स एफसी को हराकर मेजर लीग सॉकर का खिताब अपने नाम किया था। अर्जेंटीना के सुपरस्टार मेस्सी को लगातार दूसरे सत्र में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) चुना गया था। समारोह में ट्रंप ने मेस्सी की तारीफ करते हुए कहा कि टीम से जुड़े रहकर और जीत हासिल करने के लिए उन पर काफी दबाव था, जिसे आम लोग महसूस नहीं कर सकते थे। मेस्सी ने समारोह में ट्रंप के साथ प्रवेश किया, लेकिन कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कोई भाषण नहीं दिया। ट्रंप ने मेस्सी को संबोधित करते हुए कहा कि वह दुनिया की किसी भी टीम को चुन सकते थे, लेकिन उन्होंने मियामी को चुना और इस सफर में सभी को शामिल किया। उन्होंने मेस्सी की प्रतिभा और व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक बेहतरीन इंसान बताया। इस भव्य समारोह ने मेस्सी और इंटर मियामी की सफलता को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी और अमेरिका में फुटबॉल के प्रति बढ़ते उत्साह को भी उजागर किया।

टी20 विश्व कप 2026 फाइनल में रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स वार्फ करेंगे अंपायरिंग

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की है कि इंग्लैंड के अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स वार्फ भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में अंपायरिंग करेंगे। इलिंगवर्थ लगातार दूसरे पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल में अंपायरिंग करेंगे; इससे पहले उन्होंने 2024 में क्रिस गैफनी के साथ फाइनल में अंपायरिंग की थी।

गत चैंपियन भारत और न्यूजीलैंड रविवार को अहमदाबाद में ट्रॉफी के लिए आमने-सामने होंगे। इलिंगवर्थ पहले पुरुष 2023 विश्व कप फाइनल और पुरुष 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भी अंपायरिंग कर चुके हैं। उनके साथ हमवतन एलेक्स वार्फ भी होंगे, जो पहली बार सीनियर आईसीसी विश्व कप फाइनल में अंपायरिंग कर रहे हैं। वार्फ इससे पहले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 और पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में अंपायरिंग कर चुके हैं। उन्हें पिछले साल ही आईसीसी के अंपायरों के एमिरेट्स एलीट पैनल में शामिल किया गया था। न्यूजीलैंड की बुधवार को सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर मिली जीत के दौरान भी दोनों अंपायर मौजूद थे।

टी20 में डेथ ओवर्स के अविश्वसनीय मास्टर हैं जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में डेथ ओवर्स में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। इंग्लैंड के खिलाफ हाई-स्कोरिंग सेमीफाइनल में बुमराह ने साबित कर दिया कि उनके मुकाबले डेथ ओवर्स में कोई टिक नहीं सकता। उनके ओवरों की गति, सटीक लाइन और बल्लेबाजों को कमाल की चुनौती देना उन्हें टी20 क्रिकेट का सबसे खतरनाक गेंदबाज बनाता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 से लेकर 2026 के सेमीफाइनल तक बुमराह ने 9 मैचों में डेथ ओवर्स की जिम्मेदारी संभाली। इन 14 ओवरों में उन्होंने केवल एक छक्का खाया और 9 विकेट भारत को दिलाए। 82 गेंदों में उन्होंने विपक्षी टीमों को केवल 60 रन बनाने दिए, जिससे उनका इकॉनमी रेट महज 4.39 रहा। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि उनके सामने कोई भी बल्लेबाज आसानी से रन नहीं बना सकता। खास बात यह है कि उन्होंने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी यह रिकॉर्ड कायम रखा। डेथ ओवर्स में आमतौर पर रन रेट 10 या उससे अधिक होता है, लेकिन बुमराह ने इसे पूरी तरह नियंत्रण में रखा।

आईपीएल में बुमराह की कीमत और भी चर्चा का विषय रही है। मुंबई इंडियंस ने हमेशा उन्हें रिटेन किया, इसलिए ऑक्शन में उनका नाम कभी नहीं आया। अगर वे मेगा ऑक्शन में उपलब्ध होते, तो उनकी कीमत 30 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती थी। आईपीएल 2025 से पहले उन्हें मुंबई इंडियंस से 20 करोड़ रुपये से कम में रिटेन किया गया था। बुमराह की यह विशेषज्ञता किसी भी टीम के लिए भारी साबित हो सकती थी।

बंगलादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम की घोषणा की

ढाका। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने 11 मार्च से शुरू होने वाली तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। बंगलादेश चयन समिति के अध्यक्ष गाजी अशरफ ने बताया कि अफिफ हुसैन को टीम में वापस बुलाया गया है।

हुसैन ने आखिरी बार दिसंबर 2024 में एकदिवसीय क्रिकेट खेला था और अब उन्हें टीम में शामिल कर मिडिल ऑर्डर को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज महिदुल इस्लाम को टीम में बरकरार रखा गया है। चयन समिति ने लिटन दास को भी टीम में रखा है, हालांकि उनके हालिया खराब फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हुसैन के अनुसार लिटन दास अपने खेल पर कोचों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जल्द ही वे इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने की क्षमता रखते हैं।

चोटिल खिलाड़ियों में नुरुल हसन, जैकर

अली अनिक और शमीम हुसैन इस सीरीज से बाहर हैं। चयन समिति का कहना है कि ये खिलाड़ी महीने के अंत तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद में हैं। गाजी अशरफ ने कहा, अफिफ हुसैन के पास अनुभव है और वह वर्तमान में अच्छी लय में दिख रहे हैं। महिदुल इस्लाम को टीम में बनाए रखना उनके लिए अपनी काबिलियत दिखाने का बेहतरीन अवसर है। लिटन दास को हम मिडिल ऑर्डर में एक ऑप्शन के रूप में देख रहे हैं और उन्हें अपने खेल को सुधारने का पर्याप्त समय मिला है।

इस सीरीज में बंगलादेश की नजर पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज कर घरेलू एकदिवसीय प्रदर्शन को मजबूती देने पर है। टीम चयन में अनुभव और युवा खिलाड़ियों के संतुलन को ध्यान में रखते हुए चयन समिति ने एक मजबूत मिश्रित टीम तैयार की है।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए बंगलादेश टीम

मेहदी हसन मिराज (कप्तान), सौम्य सरकार, सैफ हसन, तनजीद हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदॉय, लिटन दास, अफीफ हुसैन, महिदुल इस्लाम भुइयां, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरीफुल इस्लाम और नाहिद राणा।

अंतर्राष्ट्रीय
महिला दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण एक नए मिशन में बदल गया है, जहां प्रदेश की हर महिला प्रगति के पथ पर एक स्वावलंबी भागीदार है
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
मध्यप्रदेश के प्रगतिशील परिवर्तन की
स्वावलंबी भागीदार नारी शक्ति
सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण
1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को हर माह ₹1500 की सहायता से सुनिश्चित हो रहा आर्थिक स्वावलंबन
महिलाओं के नाम संपत्ति पर रजिस्ट्री शुल्क में 2% विशेष रियायत से मिला भूमि और संपत्ति पर अधिकार
62 लाख महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़कर हुईं आत्मनिर्भर
'लखपति दीदी योजना' से 12 लाख+ महिलाओं की वार्षिक आय हुई ₹1 लाख से अधिक
89 लाख महिलाओं को उज्ज्वला गैस कनेक्शन और लाड़ली बहनों को ₹450 में सस्ते गैस सिलेंडर से मिली रसोई में राहत
'एक बगिया माँ के नाम' अभियान से कृषि में बढ़ रही भागीदारी
शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों तक पहुंच
जन्म से उच्च शिक्षा तक आर्थिक सहायता दे रही लाड़ली लक्ष्मी योजना
जन्मदर सुधार, शिक्षा प्रोत्साहन और बालिकाओं की सुरक्षा पर केंद्रित अभियान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ
एमएसएमई इकाइयों में महिलाओं को प्रोत्साहन, 47% से अधिक एमएसएमई महिलाओं के नेतृत्व में संचालित
कौशल, परामर्श और आर्थिक सशक्तिकरण हेतु हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वुमन एकीकृत केंद्र संचालित
कौशल और रोज़गार सहायता के लिए 'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम
प्रशासनिक-राजनीतिक भागीदारी
शासकीय नौकरियों में 35% तक आरक्षण से बढ़ी प्रशासनिक एवं निर्णयकारी पदों पर महिलाओं की मौजूदगी
पंचायत एवं नगरीय निकायों में 50% तक आरक्षण से मिली लोकतंत्र में ऐतिहासिक भागीदारी
सुरक्षा ने बढ़ाया आत्मविश्वास
'वन स्टॉप सेंटर' से हिंसा पीड़िता को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य और कानूनी परामर्श, हर जिले में सुरक्षित एवं त्वरित सहायता
थानों में विशेष महिला हेल्प डेस्क
संकट की स्थिति में डायल 181/1098 या 112 पर तुरंत सहायता
छात्राओं एवं कार्यरत महिलाओं के लिए सुरक्षित और किफायती छात्रावास
स्वास्थ्य की बेहतरी
प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोषण सहायता
जननी सुरक्षा योजना से ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों की गर्भवती महिलाओं को सीधी सहायता
गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए पोषण तथा बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा हेतु आंगनवाड़ी सेवाएं
मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में जागरुकता हेतु सुमन सखी चैटबॉट की शुरुआत
D11217/25
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

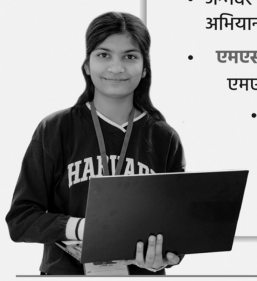

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

युवक की तालाब में डूबने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा थाना अंतर्गत आने ग्राम शेरपार समीप तालाब में एक युवक की डूबने से मौत हो गई।। मृतक युवक प्रेम पिता जयप्रकाश नेटी 17 वर्ष ग्राम लामता निवासी है। परसवाड़ा पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक प्रेम मूल रूप से लामता का रहने वाला है। जिसके पिता की मृत्यु हो चुकी है मां ने दूसरी शादी कर ली है। इसके बाद प्रेम ग्राम शेरपार में अपने जीजा छोटू परते के साथ में रहता था और मजदूरी करता था। 7 मार्च को सुबह 10ः00 बजे युवक प्रेम घर से निकाला और परसवाड़ा के छोटे तालाब तरफ गया और वह देखते-देखते ही तालाब में घुस गया। जिसे एक व्यक्ति ने देखा और उसे आवाज दी और बोला कि पानी गहरा है। किंतु प्रेम रुका नहीं और तालाब के गहरे पानी में चला गया जिसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई।। सूचना मिलते ही परसवाड़ा थाने से उप निरीक्षक घुड़नलाल अहिरवार अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और मछुआरों से युवक प्रेम का शव तालाब से बाहर निकलवाए। पंचनामा कार्यवाही पश्चात युवक प्रेम का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ग्राम बिछुआ में एक व्यक्ति का शव कुएं से बरामद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बिछुआ में इसी ग्राम के एक व्यक्ति का शव इसी ग्राम के एक सार्वजनिक कुएं से बरामद किया गया। तिरोड़ी पुलिस ने मृतक कवनलाल पिता लोकमन उइके 50 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कवनलाल अपने भाई भतीजे के परिवार के साथ में ही रहता था। जिसकी पत्नी की पूर्व में ही मौत हो चुकी है। जिसके बच्चे नहीं है। कवन लाल मजदूरी करता था। यह भी बताया गया है कि कवन लाल शराब पीता था। 6 मार्च की शाम से कवन लाल घर में दिखाई नहीं दे रहा था। 7 मार्च को सुबह ग्राम बिछुआ के सुरेंद्र गिरी गोस्वामी के घर के पीछे सार्वजनिक कुआं में एक व्यक्ति की लाश देखी गई। जिसकी पहचान कवन लाल उइके के नाम से की गई। इस घटना की रिपोर्ट उसके भतीजे मंगल प्रसाद उइके ने तिरोड़ी पुलिस थाना में की थी। जहां से सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार अपने स्टाफ के साथ ग्राम बिछुआ पहुंचे और कवन लाल का शव कुएं से बाहर निकलवाए। पंचनामा कार्यवाही पश्चात कंवनलाल का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।संभावना व्यक्त की गई है कि कवनलाल शराब के नशे में कुएं में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई।। सहायक उप निरीक्षक श्री दियेवार मर्ग कायम कर जांच कर रहे हैं।

प्रशासन की जनसुनवाई का ग्रामीणों ने किया सामुहिक बहिष्कार

प्रशासन ने बुलवाई जनसुनवाई, लोग घरों में ताला डालकर गए खेत

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पचामा दादर की पहाड़ियों को खनन कार्य के लिए लीज पर दिए जाने के प्रस्ताव पर, बैहर विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी समुदाय द्वारा पहले से ही विरोध किया जा रहा है।लेकिन प्रशासन किसी ना किसी तरह उन्हें पक्ष में करने की फिराक में है।बावजूद इसके भी प्रशासन अपनी उम्मीदों पर खरा नही उतर पा रहा है। शायद यही वजह है कि आए दिनों की तरह 7 मार्च को प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायत लूद में बुलाई गई जनसुनवाई का एक बार फिर से ग्राम पंचायत लूद सहित अन्य आसपास के ग्रामीणों ने विरोध करते हुए सामूहिक बहिष्कार कर दिया है।जहा जनसुनवाई के दिन 7 मार्च शनिवार को पूरा गांव वीराना नजर आया और लोग, प्रशासन द्वारा आयोजित जनसुनवाई में नहीं पहुंचे। यहां तक की प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा कही उन्हें जबरदस्ती जनसुनवाई में ना बुला लिया ले, ऐसी आशंका को देखते हुए लोगों ने अपने अपने घरों में ताला जड़ दिया और खेत चले गए। इस तरह स्थानीय आदिवासियों ने शनिवार को आयोजित प्रशासन की जनसुनवाई का एक बार फिर से विरोध जताते हुए सामूहिक बहिष्कार कर दिया। वहीं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आगे भी प्रशासन द्वारा आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई का विरोध किए जाने की बात कही जा रही है।

पूर्व में ग्रामीण जता चुके है विरोध, कर चुके है चक्काजाम आंदोलन

आपको बताए कि इसके पूर्व जहा पचामा दादर की पहाड़ियों में बाक्साइड खनन के लिए प्रशासन द्वारा 18 फरवरी को ग्राम उकवा में जनसुनवाई का आयोजन किया था।इसके विरोध में आदिवासी समुदाय द्वारा 12 फरवरी को चक्काजाम आंदोलन कर इसका जमकर विरोध किया था।जहा आदिवासियों के इस विरोध को देखते हुए प्रशासन ने जनसुनवाई कर ग्रामीणों को मनाने से अपने पैर पीछे खींच लिए थे।तो वही चक्कजाम आंदोलन को देखते हुए 18 फरवरी को ग्राम उकवा में आयोजित जनसुनवाई 6 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई थी।जिसके बाद प्रशासन ने गांव गांव घूमकर 7 मार्च को ग्राम पंचायत लूद मे जनसुनवाई का आयोजन करने की जानकारी देते हुए, शनिवार को जनसुनवाई का आयोजन किया था, लेकिन इसके विरोध में ग्राम पचामा, दादर, बम्हनी, लूद सहित अन्य आसपास के ग्रामीणों ने पुनः अपनी नाराजगी जताते हुए, जनसुनवाई का सामूहिक बहिष्कार कर दिया।

जब जनता ही जनसुनवाई में नहीं जा रही तो हम कैसे जाएं- मडावी

जिला पंचायत सदस्य मंसाराम मडावी ने बताया कि हम पहले से ही18 फरवरी को निर्धारित जनसुनवाई की तिथि आगे बढ़ाने की मांग कर रहे थे।क्यो की वन अधिकार अधिनियम के तहत अपने दावे प्रस्तुत करने और आवश्यक आपत्तियां दर्ज कराने के लिए समाज को पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा था। इसी कारण उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया था कि 18 फरवरी को प्रस्तावित जनसुनवाई की तिथि आगे बढ़ाई जाए, ताकि आदिवासी समुदाय विधिवत अपने अधिकारों से संबंधित दस्तावेज और दावे प्रस्तुत कर सके। किन्तु विभाग ने प्रारंभ में जनसुनवाई की तिथि यथावत रखी थी, जिसके विरोध में 12 फरवरी को जन आंदोलन का ऐलान किया था। जहा चक्कजाम आंदोलन कर चेतावनी दी थी।स्थानीजनों की आपत्ति के बावजूद भी आज पुनः जनसुनवाई रखी गई थी जिसका ग्रामीण विरोध कर रहे हैं। जब जनता ही जनसुनवाई में नहीं पहुंच रही है तो हम जनप्रतिनिधि कैसे पहुंचेंगे जबकि हमने पूर्व में ही ग्राम सभा के माध्यम से आपत्ति लगाई है। हमारी मांग है कि वन संसाधन के अधिकार को सुरक्षित रखा जाए,वही इस क्षेत्र में खनन नहीं होना चाहिए, इसीलिए हमने उकवा में भी आंदोलन किया था।लेकिन हमारी बिना सहमति के आज प्रशासन द्वारा फिर जनसुनवाई रखी गई थी इसीलिए लोग घरों में ताला डालकर खेत चले गए और जनसुनवाई का सामूहिक बहिष्कार कर दिया।

किसी भी ग्रामीण ने प्रशासन का नही दिया साथ, किया बहिष्कार
पचामा, दादर, बम्हनी, लूद सहित अन्य आसपास के ग्रामीणों जताई नाराजगी
आदिवासी क्षेत्र में बाक्साइड खनन का ग्रामीणों ने फिर किया विरोध

पहले भी हम खनन का विरोध कर रहे थे, आज भी हम इसके विरोध में हैं-कुसरे

ग्राम बम्हनी के ग्रामीण ईश्वर कुसरे ने बताया कि पहाड़ियों में बॉक्साइट खनन को लेकर पहले भी हमारा विरोध था और आज भी हम इसका विरोध कर रहे हैं लेकिन सरकार पचामा ,दादर में खनन करना चाहती है। जिससे स्थानीय लोगों को नुकसान होगा हमारे यहां पहाड़ी पर झरना है जो बम्हनी से लगा हुआ है यदि यहां खनन होगा तो पानी रुक जाएगा, पेड़ पौधे नष्ट हो जाएंगे, जो हम नहीं चाहते। इसीलिए हमने इस जनसुनवाई का सामूहिक बहिष्कार किया है

पेसा एक्ट, पांचवी ,छटवी अनुसूची का नहीं रखा जा रहा ध्यान-उपसरपंच

ग्राम पंचायत लूद उपसरपंच मेमराज उइके ने बताया की प्रशासन द्वारा आज जनसुनवाई रखी गई है लेकिन उसमें कोई नहीं जा रहा है जनसुनवाई का समस्त ग्रामीणों ने बहिष्कार कर दिए हैं।क्योंकि यह क्षेत्र पेसा एक्ट के अंतर्गत आता है ,पांचवी छठवीं अनुसूची यहां पर लागू है फिर भी प्रशासन बिना सहमति के यहां बॉक्साइट खनन करना चाहती है।इसी का विरोध ग्रामीण कर रहे हैं और इसी विरोध के कारण लोग घरों में ताला लगाकर बाहर चले गए हैं ताकि उन्हें जनसुनवाई में जाने के लिए कोई मजबूर ना कर सके। उन्होंने बताया कि यदि यहां खनन होता है तो जंगल में कटाई होगी,जिससे बारिश कम होगी, जल स्तर कम हो जाएगा, पर्यावरण प्रभावित होगा। खेती में धूल आने से फसल नहीं होगी, वही जहरीले पानी से खेती नष्ट हो जाएगी। लेकिन सरकार प्राइवेट कंपनियों को काम दे रही है, इससे ग्रामीणों को कोई फायदा नहीं है इसका पूरा लाभ ठेकेदारों को मिलेगा जिसका विरोध स्थानीय ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा है।

समस्त ग्रामवासियों ने किया है सामुहिक बहिष्कार-मरावी

वही विधायक प्रतिनिधि ध्रोप किशोर मरावी ने बताया कि सरकार द्वारा जहां बॉक्साइट खनन करने की बात कही जा रही है वहां हमारी देव शक्तियां हैं,वहां आदिवासी समुदाय निवास करता है। हमारी सभ्यता संस्कृति वहां से जुड़ी हुई है।बावजूद इसके भी प्रशासन नहीं मान रहा है जबकि यहां पर एफआरए कानून लागू है, उसका पालन नहीं किया जा रहा है ग्राम सभा की भी अहवेलना की गई है इसीलिए पचामा दादर लूद, बम्हनी और आसपास के गांव के लोगों ने इस जनसुनवाई का सामूहिक बहिष्कार किया है।उन्होंने बताया कि हमने इसका पहले भी विरोध किया था, 12 जनवरी को उकवा में चक्काजाम आंदोलन कर प्रशासन को चेताया भी था, तब प्रशासन ने जनसुनवाई को स्थगित कर, 6 मार्च तक के लिए जनसुनवाई टाल दी थी, आज 7 मार्च को पुनः जनसुनवाई बुलाई गई थी, जिसका समस्त ग्रामीणों द्वारा सामूहिक बहिष्कार किया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

व्यक्ति की फांसी लगाने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सिंगोड़ी में इसी ग्राम के एक व्यक्ति सुदेश सिंह पिता स्व.रवनुसिंह धुर्वे 65 वर्ष ने घर के पीछे बाड़ी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस व्यक्ति द्वारा शराब के नशे में फांसी लगाकर आत्महत्या करने की संभावना व्यक्त की जा रही है। बैहर मर्ग कायम कर जांच कर रही है

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिंगोड़ी में सुदेश सिंह अपनी दूसरी पत्नी सुकरती बाई के साथ रहता था और खेती किसानी करता था। जिसका बेटा भूपेंद्र सिंह धुर्वे ग्राम सलघट मैं अपनी पत्नी रामेश्वरी बाई के साथ पिछले 5 साल से रह रहा था। सुदेश सिंह शराब पीने का आदी था और वह शराब पीने के बाद पागलों जैसी हरकत करता था। 4एवं 5 मार्च की दरमियानी रात मे सुदेश सिंह ने अपने घर के पीछे बाड़ी में लगे आम के पेड़ में गमछा बांध कर फांसी लगा ली। 5 मार्च को सुबह सुदेश सिंह को आम के पेड़ में फांसी पर लटके हुए देखे। खबर मिलते ही उसका बेटा भूपेंद्र सिंह धुर्वे ग्राम सिंगोड़ी पहुंचा और इस घटना की रिपोर्ट बैहर थाने में की थी। जहां से प्रधान आरक्षक ज्ञानचंद परते अपने स्टाफ के साथ ग्राम सिंगोड़ी पहुंचे और मृतक सुदेश सिंह की लाश नीचे पेड़ से नीचे उतरवाई। सुदेश सिंह का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई है कि सुदेश सिंह ने शराब के नशे में फांसी लगा ली ।आगे मार्ग जांच प्रधान आरक्षक श्री परते द्वारा की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट